THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-27 अंक : 147 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) श्रावण शु.13, 2079 **बुधवार, 10 अगस्त** 2022

प्रधान संपादक - **डॉ. गिरीश कुमार संघी** हैदराबाद नगर **पृष्ठ : 14** **मूल्य : 8 रुपये**

बिहार में नीतीश ने कर दिया खेला

भाजपा जिसके साथ - उसे ही खत्म करती है, पंजाब-महाराष्ट्र इसकी नजीर

सत्ता में बने रहने का नीतीश मॉडल

9 साल में नीतीश 2 बार सहयोगी बदल चुके

2013
BJP से नाता तोड़ा। फिर महागठबंधन सरकार बनाई।

2017
आरजेडी से गठबंधन तोड़ा। भाजपा के साथ सरकार बनाई।

पटना, 9 अगस्त (एजेंसियां)। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया है। मंगलवार सुबह जेडीयू विधायकों और सांसदों की बैठक के बाद नीतीश कुमार ने बीजेपी के साथ गठबंधन तोड़ने का ऐलान किया था। इसके बाद आरजेडी-कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों के साथ मिलकर उनके फिर से सरकार बनाने के कयास पुख्ता हो गए थे। नीतीश मंगलवार दोपहर करीब 3.45 बजे राज्यपाल फागू चौहान से मिलने के लिए निकले। उन्होंने मुख्यमंत्री आवास से करीब 500 मीटर दूर राजभवन जाकर राज्यपाल से मुलाकात की और अपना त्यागपत्र सौंप दिया। नीतीश जब राजभवन पहुंचे तो उसके बीच समर्थकों की भारी भीड़ 'जिंदाबाद' के नारे लगा रही थी। जेडीयू की विधायक दल की बैठक में नीतीश ने बीजेपी पर उन्हें अपमानित करने का आरोप लगाया। साथ ही उनकी पार्टी तोड़ने की तोहमत भी मढ़ी। नीतीश कुमार बाद में तेजस्वी यादव से मिलने के लिए बिहार की पूर्व सीएम राबड़ी देवी के आवास के लिए निकल गए।

बता दें, वर्ष 2017 तक आरजेडी के तेजस्वी यादव और उनके भाई तेज प्रताप यादव, नीतीश कुमार की सरकार में मंत्री थे। जेडीयू, लालू यादव की पार्टी आरजेडी और कांग्रेस के सहयोग से यह सरकार बनी थी। नीतीश यादव ने बीजेपी के साथ संबंध खत्म करते हुए यह गठजोड़ बनाया था। बाद में उन्होंने तेजस्वी और उनके भाई तेजप्रताप पर भ्रष्टाचार का आरोप लगाते हुए गठबंधन खत्म कर लिया था और बीजेपी के पास वापस लौट गए थे।

बिहार में सत्ता में सहयोगी रहे जनता दल यूनाइटेड (जेडीयू) और भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के बीच का तनाव चरम पर पहुंच गया था। नीतीश कुमार का मानना था कि केंद्रीय मंत्री अमित शाह लगातार जेडीयू को विभाजित करने के लिए काम कर रहे हैं। नीतीश कुमार ने अपनी पार्टी के पूर्व नेता आरसीपी सिंह पर अमित शाह के मोहरे के रूप में काम करने का आरोप लगाया था। जेडीयू की ओर से भ्रष्टाचार का आरोप लगाए जाने के बाद आरसीपी ने पिछले सप्ताह के अंत में जेडीयू से इस्तीफा दे दिया था। वर्ष 2017 में आरसीपी ने नीतीश कुमार के प्रतिनिधि के तौर पर जेडीयू कोटे से केंद्रीय मंत्रिमंडल ज्वॉइन किया था। बाद में नीतीश ने उनका राज्यसभा का कार्यकाल नहीं बढ़ाया जिसके कारण आरसीपी को केंद्रीय मंत्रिमंडल से इस्तीफा देना पड़ा था।

बिहार विधानसभा चुनाव 2020 में 243 सीटों में से नीतीश की पार्टी जेडीयू ने 45 सीटों पर जीत हासिल की थी। जबकि बीजेपी ने 77 सीटों पर विजय हासिल की थी। जेडीयू के कम सीटें जीतने के बावजूद बीजेपी ने नीतीश को मुख्यमंत्री बनाया था और प्रदेश की कमान उनको सौंपी थी। बिहार विधानसभा चुनाव 2020 में राष्ट्रीय जनता दल ने 79 सीटें और भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने 19 सीटों पर जीत हासिल की थी। जबकि हम को 4 सीटें मिली थी। बहुमत का आंकड़ा 122 है।

(संबंधित खबरें पेज 4 पर भी)

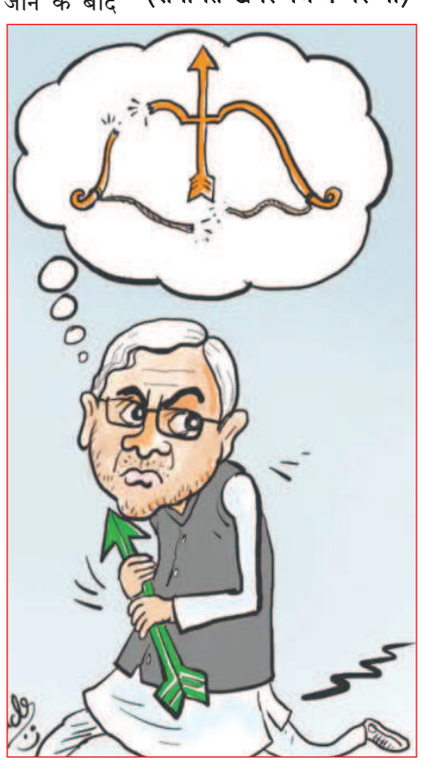

खतरे में तेजस्वी यादव के 18 विधायकों की सदस्यता, स्पीकर ले सकते हैं बड़ा फैसला

पटना, 9 अगस्त (एजेंसियां)। बिहार में राजनीतिक घटनाक्रम बहुत तेजी से बदल रहा है। इस बीच सरकार गिरने बनाने के खेल में सियासी दलों अपनी-अपनी रणनीति के साथ मैदान में डट गए हैं। इस बीच तेजस्वी यादव की पार्टी आरजेडी के 18 विधायकों की सदस्यता पर खतरे के बादल मंडरा रहे हैं। कुछ दिन पहले विधानसभा अध्यक्ष से दुर्व्यवहार मामले में अनुशासन समिति की रिपोर्ट स्पीकर विजय कुमार सिन्हा को मिल गई है। इसमें राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) के 18 विधायकों को दोषी पाया गया है। अब इनके खिलाफ कार्रवाई होती है तो इनकी सदस्यता भी जा सकती है। चर्चा है कि स्पीकर कोई बड़ा फैसला ले सकते हैं। बिहार विधानसभा में आरजेडी के 79 विधायक हैं और वह सिंगल लारजेस्ट पार्टी है। भाजपा के विधायकों की संख्या 77 है। सीएम नीतीश कुमार के भाजपा से गठबंधन तोड़ने के बाद वह आरजेडी के साथ मिलकर सरकार बनाएंगे। अगर आरजेडी विधायकों पर कार्रवाई होती है तो बीजेपी बिहार की सबसे बड़ी पार्टी बन जाएगी।

जनता सबक सिखा देगी

नीतीश कुमार के इस्तीफे के बाद बीजेपी प्रेस कान्फ्रेंस में बोली

पटना, 9 अगस्त (एजेंसियां)। बिहार के सीएम पद से नीतीश कुमार के इस्तीफे के बाद बीजेपी की पहली प्रतिक्रिया सामने आई है। पार्टी ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, जनता ऐसा करने वालों को सबक सिखा देगी, नीतीश के इस्तीफे पर प्रतिक्रिया देते हुए बिहार बीजेपी प्रमुख संजय जायसवाल ने कहा, हमने एनडीए के अंतर्गत 2020 का विधानसभा चुनाव साथ लड़ा था। जनादेश जेडीयू और बीजेपी के लिए था। हमने ज्यादा सीटें जीती थीं लेकिन नीतीश कुमार को सीएम बनाया। आज जो कुछ हुआ है, वह बिहार के लोगों और बीजेपी के साथ धोखा है।

गौरतलब है कि नीतीश कुमार ने मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया है। मंगलवार सुबह जेडीयू विधायकों और सांसदों की बैठक के बाद नीतीश कुमार ने बीजेपी के साथ गठबंधन तोड़ने का ऐलान किया था। नीतीश ने दोपहर करीब चार बजे राजभवन जाकर राज्यपाल से मुलाकात की और अपना त्यागपत्र सौंप दिया। नीतीश जब राजभवन पहुंचे तो उसके बीच समर्थकों की भारी भीड़ 'जिंदाबाद' के नारे लगा रही थी। जेडीयू की विधायक दल की बैठक में नीतीश कुमार ने बीजेपी पर उन्हें अपमानित करने का आरोप लगाया। साथ ही उनकी पार्टी तोड़ने की तोहमत भी मढ़ी।

आज 2 बजे फिर शपथ लेंगे नीतीश कुमार-तेजस्वी हो सकते हैं डिप्टी सीएम

पटना, 9 अगस्त (एजेंसियां)। बिहार में भाजपा और जेडीयू का गठबंधन टूटने के बाद नीतीश कुमार बुधवार दोपहर 2 बजे एक बार फिर मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे। उनके साथ उपमुख्यमंत्री भी शपथ लेंगे। इसके लिए तेजस्वी यादव का नाम चर्चा में है। हालांकि पहले शपथ शाम 4 बजे कराने की खबर आई थी। शपथ से पहले नीतीश कुमार ने कांग्रेस की अंतरिम अध्यक्ष सोनिया गांधी और राहुल गांधी से फोन पर बात की।

इससे पहले नीतीश ने मंगलवार शाम को राज्यपाल फागू चौहान को 7 पार्टियों के 164 विधायकों के समर्थन की चिट्ठी सौंपी थी। उनके साथ तेजस्वी यादव भी राजभवन में मौजूद थे। सरकार बनाने का दावा पेश करने के बाद दोनों ने राजभवन में ही प्रेस कॉन्फ्रेंस की। तेजस्वी ने कहा, भाजपा का कोई गठबंधन सहयोगी नहीं है, इतिहास बताता है कि भाजपा उन दलों को खत्म कर देती है जिनके साथ वह गठबंधन करती है।

हमने देखा कि पंजाब और महाराष्ट्र में क्या हुआ था। सीएम नीतीश कुमार ने मंगलवार शाम 4 बजे राज्यपाल फागू चौहान को अपना इस्तीफा सौंपा था। उस समय नीतीश ने 160 विधायकों के समर्थन की बात कहते हुए सरकार बनाने का दावा पेश किया था। इसके बाद वे राबड़ी देवी के आवास पहुंचे, जहां उन्हें महागठबंधन का नेता चुना गया। यहां जीतन राम मांझी की पार्टी एचएएम भी नीतीश के साथ आ गई। उसके पास 4 विधायक हैं। इसके बाद नीतीश और तेजस्वी एक बार फिर राज्यपाल से मिले। नीतीश के इस कदम के बाद भाजपा और जदयू का 2020 में बना गठबंधन टूट गया है।

पत्नी को कॉल करने के चक्कर में फंस गया त्यागी

गिरफ्तारी से क्यों खुश है उनका परिवार, बहन ने बताया

मेरठ, 9 अगस्त (एजेंसियां)। आपराधिक गुत्थियों को सुलझाने के लिए अक्सर पुलिस कॉल डिटेल का इस्तेमाल करती है। फोन को सर्विलांस पर लगाकर पुलिस ने कई दफा आरोपियों को धर दबोचा है। नोएडा के गालीबाज नेता श्रीकांत त्यागी को भी पुलिस ने इसी तिकड़म के जरिए उत्तर प्रदेश के मेरठ से धर दबोचा है। उसके साथ तीन और लोग भी पुलिस के हत्थे चढ़े हैं। रिपोर्ट्स की मानें तो ये तीन लोग उसके साथ नोएडा में घटना के वक्त मौजूद रहे थे।

ध्यान रहे कि नोएडा का गालीबाज नेता श्रीकांत त्यागी पुलिस का शिकंजा कसने के बाद से ही फरार था। पुलिस ने उसकी पत्नी मनु त्यागी को पूछताछ के बाद अरेस्ट कर लिया था। ओमेक्स ग्रेंड सिटी में महिला से अभद्रता का वीडियो वायरल होने के बाद मामले ने जब तूल पकड़ा तो योगी सरकार के साथ पुलिस की भी साख पर बट्टा लगने लगा था। श्रीकांत की कई तस्वीरें बीजेपी के बड़े नेताओं के साथ वायरल हुईं तो लोग कहने लगे थे कि बीजेपी इस बेलगाम नेता को गिरफ्तार होने ही नहीं देना चाहती।

सूत्रों का कहना है कि सरकार की तरफ से निर्देश थे कि कैसे भी श्रीकांत को अरेस्ट किया जाए। हालांकि उसके बाद उसके उत्तराखंड में होने के कयास लग रहे थे। पुलिस की टीमें हर छोटे से सुराग को जरिया बनाकर श्रीकांत तक पहुंचने की कोशिश कर रही थी। बताया जाता है कि आरोपी मेरठ में किसी नजदीकी के यहां छिपकर रह रहा था। उसने एक गलती की और पकड़ा गया। पुलिस ने उसके उन नंबरों को सर्विलांस पर लगाया था जिनसे वो अपने नजदीकी लोगों के संपर्क में था। ऐसे ही एक नंबर से उसने अपनी पत्नी से संपर्क साधा तो पुलिस को उसकी लोकेशन का पता लग गया। उसके बाद एसटीएफ की टीम ने धावा बोलकर उसे धर दबोचा।

सोनिया गांधी की अपील

देश की आजादी की पूरी ताकत से रक्षा करें

नई दिल्ली, 9 अगस्त (एजेंसियां)। भारत छोड़ो आंदोलन की वर्षगांठ पर कांग्रेस प्रमुख सोनिया गांधी ने मंगलवार को देशवासियों से 'पूरी ताकत' के साथ देश की आजादी की रक्षा करने का आह्वान किया। वहीं कांग्रेस ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) पर निशाना साधते हुए कहा कि उसने उस समय क्रूर दमन के बीच अंग्रेजों का समर्थन किया था।

गांधी ने अपने संदेश में कहा कि इस ऐतिहासिक दिन जब लाखों-लाख कांग्रेस कार्यकर्ताओं को पीटा गया और उन्हें जेल में डाला गया, अरुणा आसफ अली ने राष्ट्रीय ध्वज को ऊंचा रखा। सोनिया गांधी ने कहा कि उनका साहसिक कार्य आजादी की हमारी खोज का प्रतीक बन गया। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा, आइए महात्मा गांधी के नेतृत्व वाले भारत छोड़ो आंदोलन की याद में हम उस कीमत को न भूलें जो हमारे लाखों देशवासियों और महिलाओं ने भारत की आजादी के लिए चुकाई है। आइए हम इसकी रक्षा करने के संकल्प को पूरी ताकत के साथ ताजा करें। वहीं कांग्रेस ने अपने आधिकारिक ट्विटर हैंडल से लिखा, जब कांग्रेस के नेतृत्व में देश अंग्रोजों के खिलाफ एक निर्णायक संघर्ष में लगा हुआ था, आरएसएस ने न केवल आंदोलन का बहिष्कार किया था बल्कि अंग्रेजों का सक्रिय रूप से समर्थन भी किया।

आरएसएस पर साधा निशाना

आंदोलन के दौरान 80 साल पहले बना संगठन क्या कर रहा था :

वहीं कांग्रेस महाचिव व पूर्व केंद्रीय मंत्री जयराम रमेश ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) पर हमला करते हुए पूछा कि जब महात्मा गांधी ने भारत छोड़ो आंदोलन का शुभारंभ किया था तब इस ऐतिहासिक दिन पर अस्सी साल पहले बना संगठन क्या कर रहा था?

उन्होंने एक ट्वीट में कहा कि श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने आंदोलन में कोई हिस्सा नहीं लिया जबकि गांधी, नेहरू, पटेल, आजाद, प्रसाद, पंत और कई अन्य लोगों को जेल में डाल दिया गया था।

कांग्रेस की 'भारत जोड़ो यात्रा', 7 सितंबर से होगी शुरू

नई दिल्ली, 9 अगस्त (एजेंसियां)। कांग्रेस पार्टी कश्मीर से कन्याकुमारी तक भारत जोड़ो यात्रा निकालने जा रही है। यात्रा अगले 7 सितंबर से शुरू होगी और इस दौरान पार्टी खुद को जनता के बीच पहुंचाने की कोशिश करेगी। पिछले काफी समय से केंद्रीय सत्ता और अधिकतर सूबों में भी सत्ता से बाहर होने के कारण वह खुद को जनता से दूर महसूस कर रही है। आजादी के 75 साल पूरे होने पर कांग्रेस पार्टी 150 दिन में पूरे 3500 किमी की दूरी तय करेगी। खास बात यह है कि इस यात्रा में पार्टी के शीर्ष नेता और पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी भी शामिल होंगे।

अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के महासचिव और पार्टी के संचार विभाग के प्रमुख जयराम रमेश ने कहा, कांग्रेस पार्टी यात्रा को 80 साल पहले शुरू हुए भारत छोड़ो आंदोलन के साथ कनेक्ट कर रही है। 9 अगस्त 1942 को महात्मा गांधी के नेतृत्व में 'अंग्रेजों भारत छोड़ो आंदोलन' शुरू किया गया था। इसके ठीक पांच साल बाद अंग्रेजों ने भारत को छोड़कर देश को आजाद कर दिया था।

पीएम मोदी के पास 2.23 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्ति, गांधीनगर की जमीन दान की

नई दिल्ली, 9 अगस्त (एजेंसियां)। संपत्ति के बारे में अपने नवीनतम खुलासे के अनुसार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पास 2.23 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्ति है, जो ज्यादातर बैंक जमा के रूप में है। लेकिन उनके पास कोई अचल संपत्ति नहीं है क्योंकि उन्होंने गांधीनगर में जमीन के एक टुकड़े में अपना हिस्सा दान कर दिया है। उनके पास किसी भी बॉन्ड, शेयर या म्यूचुअल फंड में कोई निवेश नहीं है।

उनके पास कोई वाहन नहीं है, लेकिन 31 मार्च तक उनकी घोषणा के अनुसार, उनके पास 1.73 लाख रुपये मूल्य की चार सोने की अंगूठियां हैं। मोदी की चल संपत्ति में एक साल से 26.13 लाख रुपये की वृद्धि हुई है। लेकिन अब उनके पास अचल संपत्ति नहीं है, जो 31 मार्च, 2021 तक 1.1 करोड़ रुपये की थी। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) की वेबसाइट पर अपलोड किए गए विवरण के अनुसार, 31 मार्च 2022 तक उनकी कुल संपत्ति 2,23,82,504 रुपये थी। तीन अन्य मालिकों के साथ संयुक्त रूप से उनके पास आवासीय भूखंड, जिनमें से प्रत्येक का समान हिस्सा था, अक्टूबर 2002 में उनके द्वारा खरीदा गया था जब वे गुजरात के मुख्यमंत्री थे।

पीएम पद की रेस में पिछड़े सुनक, जीत के लिए भारतवंशी कर रहे हवन समेत कई जतन

लंदन, 9 अगस्त (एजेंसियां)। ब्रिटेन के पीएम पद की रेस में शामिल पूर्व विदेश मंत्री ऋषि सुनक की जीत के लिए भारतवंशी तमाम जतन कर रहे हैं। सुनक के पक्ष में ब्रिटेन में रह रहे तमाम अनिवासी भारतीय अभियान छेड़े हुए हैं। उनकी जीत के लिए हवन भी किए जा रहे हैं। पीएम बोरिस जॉनसन के इस्तीफे के बाद उनके उत्तराधिकारी के चुनाव के लिए सत्तारूढ़ कंजरवेटिव पार्टी एक चुनाव अभियान छेड़े हुए है। सितंबर में पार्टी सदस्यों की अंतिम वोटिंग के जरिए नए पीएम का चयन होगा। कई चरणों में चुनाव प्रक्रिया जारी है। अब तक के चरणों में सुनक की प्रतिद्वंद्वी विदेश मंत्री लिज ट्रस आगे चल रही हैं। अब तक हुए दो जनमत सर्वेक्षणों में ट्रस ने सुनक पर बढ़त बना ली है। भारतवंशियों को सुनक पर पूरा भरोसा है। उनका मानना है कि सुनक ब्रिटेन को वित्त संकट से बाहर निकाल सकते हैं। इसलिए हम उनकी जीत की कामना से हवन व प्रार्थना कर रहे हैं। उनका कहना है कि सुनक भारतीय हैं, इसलिए हम हवन व प्रार्थना नहीं कर रहे हैं, बल्कि वे सक्षम प्रत्याशी हैं, इसलिए उनकी जीत की कामना कर रहे हैं।

संसद के सदनों में सवाल-जवाब

'8वें वेतन आयोग के गठन के प्रस्ताव पर विचार नहीं'

नई दिल्ली, 9 अगस्त (एजेंसियां)। सरकार सरकार ने संसद में कहा कि आठवें वेतन आयोग गठन के किसी भी प्रस्ताव पर विचार नहीं हो रहा है। वित्त राज्यमंत्री पंकज चौधरी ने लोकसभा में कहा, केंद्रीय कर्मचारियों के लिए आठवां वेतन आयोग बनाने का सरकार के पास प्रस्ताव विचाराधीन नहीं है। मंत्री ने बढ़ती महंगाई के मद्देनजर वेतन बढ़ाने के लिए सरकार की ओर से किए जा रहे उपायों पर भी जानकारी दी।

उन्होंने कहा, महंगाई के कारण कर्मचारियों के वेतन के वास्तविक मूल्य में गिरावट की भरपाई के लिए मुद्रास्फीति के आधार पर हर छह महीने में डीए संशोधित भी किया जाता है। अब तक सात वेतन आयोगों का गठन किया गया है। सरकार से पूछा गया था कि क्या कोई ऐसा प्रस्ताव है, जिससे आठवें वेतन आयोग का समय पर गठन किया जा सके। ताकि यह 1 जनवरी, 2026 को लागू हो पाए।

विपक्ष की आपत्तियों के बाद सोमवार को लोकसभा में पेश विद्युत संशोधन विधेयक-2022 मंत्रालय की स्थायी संसदीय समिति को भेज दिया गया। विद्युत मंत्री आरके सिंह की ओर से पेश इस विधेयक में बिजली चोरी पर सजा की जगह जुर्माना लगाने और दरों में सालाना संशोधन का प्रावधान किया गया है। सिंह ने बताया कि विधेयक के जरिये बिजली वितरण में बदलाव, नियामक तंत्र को मजबूत बनाने के प्रस्ताव किए गए हैं। आरएसपी के एनके प्रेमचंद्रन ने कहा, बिजली का समवर्ती सूची का विषय है, लिहाजा इस पर कानून बनाने से पहले सभी राज्यों व पक्षकारों के साथ चर्चा करना जरूरी है।

कांग्रेस सांसद मनीष तिवारी ने कहा, यह निजीकरण की दिशा में कदम है। ऊर्जा मंत्री ने कहा कि कोई सब्सिडी वापस नहीं ली जा रही है। किसानों को मिलता था, वह मिलता रहेगा। इसके साथ ही उन्होंने बताया कि इस विषय पर हर राज्य और संबंधित पक्षकारों से विचार विमर्श किया गया है। विधेयक लोकहित व बिजली क्षेत्र के हित में है। विधेयक के तहत कारावास या जुर्माने की सजा को बदलकर सिर्फ जुर्माने में बदलने के लिए धारा 146 में संशोधन का भी प्रस्ताव है। उल्लंघनों को अपराध की श्रेणी से हटाने के लिए व जुर्माने को अनिवार्य बनाने के लिए धारा 152 में भी संशोधन का प्रस्ताव है।

पीएफआई पर एक्शन का मास्टर प्लान तैयार

केंद्र ने कर्नाटक के साथ मिलकर बनाई जॉइंट एक्शन टीम

नई दिल्ली, 9 अगस्त (एजेंसियां)। केंद्र सरकार ने इस्लामिक कट्टरपंथी संगठन पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया यानी पीएफआई पर लगाम कसने की तैयारी शुरू कर दी है। 2022 पीएफआई का आखिरी साल हो सकता है। कर्नाटक सरकार के टॉप सोर्सेज के मुताबिक इसके लिए एक एक्शन टीम का गठन भी हो चुका है।

दरअसल पीएफआई का कई आतंकी गतिविधियों में कथित तौर पर हाथ रहा है, लेकिन अभी तक वो देश में बैन नहीं हो सका है। अब कर्नाटक के बीजेपी नेता प्रवीण नेट्टारू की हत्या के बाद वो केंद्र के रडार पर आ गई है।

5 दिन पहले यानी 4 अगस्त को गृहमंत्री अमित शाह बेंगलुरू के एक कार्यक्रम में हिस्सा लेने पहुंचे थे।

सोर्सेज ने बताया कि कार्यक्रम के बाद अमित शाह, कर्नाटक के सीएम बसव राज बोम्मई और राज्य के गृह मंत्री अरागा ज्ञानेंद्र के बीच मीटिंग हुई। इस मीटिंग में पीएफआई को खत्म करने के लिए एक जॉइंट एक्शन प्लान बनाने का फैसला हुआ। इसके 3 दिन बाद यानी 7 अगस्त को प्लान पर काम करने के लिए टीम का गठन भी हो गया। एक्शन टीम में दिल्ली और कर्नाटक के कुछ आला अधिकारियों के साथ ही इंटेलिजेंस के लोग भी शामिल हैं। केंद्र सरकार देशभर के उन अधिकारियों की लिस्ट भी तैयार कर रही है, जो पहले भी इस तरह के सेंसिटिव मामलों के इन्वेस्टिगेशन में शामिल रहे हैं। यह टीम कर्नाटक ही नहीं बल्कि देश के सभी हिस्सों में पीएफआई के खिलाफ 3 मोर्चों पर काम करेगी। इस टीम का काम मुख्य रूप से पीएफआई के खिलाफ ऐसे ठोस डॉक्युमेंट इकट्ठा करना है, जो नेशनल ही नहीं बल्कि इंटरनेशनल लेवल पर भी इसके खराब मंसूबों के खिलाफ सबूत जुटा सकें।

महाराष्ट्र में 18 मंत्रियों ने ली शपथ

मंत्रिमंडल में लोढा सबसे अमीर, सीएम कम पढ़े-लिखे

मुंबई, 9 अगस्त (एजेंसियां)। एकनाथ शिंदे के मुख्यमंत्री बनने के 39 दिन बाद मंगलवार को महाराष्ट्र के मंत्रिमंडल का गठन हो गया। मंत्रिमंडल विस्तार में 50-50 का फार्मूला रहा। दोनों ओर से 9-9 विधायक मंत्री बनाए गए। सबसे पहले भाजपा के राधाकृष्ण विखे पाटिल ने मंत्री पद की शपथ ली। नए मंत्रिमंडल में भाजपा के प्रभात लोढा सबसे अमीर हैं, जबकि मुख्यमंत्री खुद सबसे कम 10 पास हैं।

नए मंत्रियों में से 70% दागी, सभी के सभी करोड़पति

शिंदे की नई टीम में सभी के सभी मंत्री करोड़पति हैं। इसमें सबसे ज्यादा संपत्ति मालाबार हिल्स सीट से भाजपा विधायक मंगल प्रभात लोढ़ा के पास है। वहीं, सबसे कम यानी 2 करोड़ की प्रॉपर्टी पैठान सीट से विधायक संदीपन भुमरे के पास है। कैबिनेट में 12 ऐसे मंत्री हैं, जिन पर आपराधिक मामले दर्ज हैं। इनमें से कुछ पर गंभीर धाराएं भी लगी हैं। चुनावी हलफनामे के मुताबिक, मुख्यमंत्री शिंदे पर 18 और उप मुख्यमंत्री पर 4 क्रिमिनल केस दर्ज हैं।

सीएम सबसे सिर्फ हाईस्कूल पास हैं

नई शिंदे कैबिनेट में एक मंत्री 10वीं और 5 मंत्री बारहवीं पास हैं। इसके अलावा एक इंजीनियर, 7 ग्रेजुएट, 2 पोस्ट ग्रेजुएट और एक डॉक्टरेट की उपाधि ले चुके हैं। बीजेपी के विधायक सुरेश खाडे सबसे ज्यादा पढ़े-लिखे हैं। राज्य के सीएम एकनाथ शिंदे भी 10वीं पास हैं और डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस ने ग्रेजुएशन किया है।

मंगल प्रभात लोढा के पास 441 करोड़ रुपए से ज्यादा की संपत्ति

पेशे से बिल्डर मंगल प्रभात लोढा भारतीय जनता पार्टी के सबसे अमीर मंत्री हैं। चुनावी हलफनामे के मुताबिक, उनके पास 441 करोड़ रुपए से अधिक की चल-अचल संपत्ति है।

6 बार के विधायक लोढ़ा के पास 252 करोड़ रुपए से अधिक की चल संपत्ति और करीब 189 करोड़ रुपए की अचल संपत्ति है। विधायक के पास 14 लाख रुपए की एक जगुआर कार, बॉन्ड और शेयर में अन्य निवेश हैं।

उनके पास दक्षिण मुंबई में पांच फ्लैट भी हैं। उनका राजस्थान में एक प्लॉट और उनकी पत्नी के पास मालाबार हिल इलाके में एक मकान है। हलफनामे के मुताबिक, लोढ़ा पर पांच आपराधिक मामले दर्ज हैं।

राकांपा का कमेंट: महिलाओं को जगह नहीं दी

शिंदे मंत्रिमंडल का गठन होने के बाद इस पर पहली प्रतिक्रिया राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी से आई है। पार्टी की सांसद सुप्रिया सुले ने एकनाथ शिंदे ने अपने मंत्रिमंडल में आधी आबादी यानी महिलाओं को जगह नहीं दी है। यह बहुत गलत है। आदित्य ठाकरे के करीबी आनंद दुबे ने भी किसी भी महिला को मंत्री नहीं बनाने का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा- सरकार का कहना है- सब का साथ, सबका विकास, लेकिन हमारी आधी आबादी के साथ सौतेला व्यवहार करती है।

बुधवार से विधानसभा का मानसून सत्र

महाराष्ट्र विधानसभा का मानसून सत्र 10 से 18 अगस्त तक आयोजित किया जाएगा। विधानमंडल सचिवालय ने मानसून सत्र से पहले की तैयारियों के लिए छुट्टियां कैंसिल कर दी हैं। सचिवालय की ओर से सोमवार को जारी एक आदेश के मुताबिक, 9 से 18 अगस्त के बीच कर्मचारियों की सभी छुट्टियां रद्द कर दी गई हैं और उन्हें कार्यालय में उपस्थित रहने को कहा गया है।

भाजपा और शिंदे गुट से 9-9 मंत्री बने

ईएसआईसी अस्पताल में लाखों का घोटाला, सीबीआई ने दर्ज किया केस

नई दिल्ली, 9 अगस्त (एजेंसियां)। बेंगलुरु के एक ईएसआईसी अस्पताल में लाखों रुपये के गबन के मामले में केंद्रीय जांच एजेंसी सीबीआई ने बड़ी कार्रवाई की है. इस मामले में सीबीआई ने बेंगलुरु में पीन्या के ईएसआईसी अस्पताल के एक सहायक के खिलाफ केस दर्ज किया है. सीबीआई ने यह केस ईएसआईसी विभाग की शिकायत के आधार पर दर्ज किया है. शिकायत में 96.43 लाख रुपये (लगभग) के गबन के आरोप है. सीबीआई ने इस मामले में पहले हुबली और बेंगलुरु में सर्च ऑपरेशन चलाया था जिसमें कई संदिग्ध दस्तावेज बरामद किए गए हैं. पोर्ट के मुताबिक ईएसआईएस अस्पताल के सहायक के वसंत कुमार के खिलाफ सीबीआई ने मामला दर्ज किया है. सीबीआई के मुताबिक वसंत कुमार जब 29 जनवरी, 2016 से 17 सितंबर, 2019 की अवधि के दौरान बोम्मासांद्रा में ईएसआईसी शाखा कार्यालय में तैनात थे, तब उसने अन्य लोगों के साथ मिलीभगत कर शाखा कार्यालयों से लाभ भुगतान का कथित दुरुपयोग कर 96.43 लाख रुपये का गबन कर लिया. बीआई के मुताबिक वसंत कुमार ने अपने पद का दुरुपयोग किया।

मोदी-नेहरू की तुलना: थरूर बोले

'हमारे पीएम ने विदेशी संसद में ज्यादा भाषण दिया'

नई दिल्ली, 9 अगस्त (एजेंसियां)। कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने पूर्व प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू की तुलना मौजूदा पीएम नरेंद्र मोदी से की है। उन्होंने पीएम मोदी के संसद से गायब रहने पर भी सवाल उठाए हैं। थरूर ने कहा कि पीएम अपनी संसद के मुकाबले विदेशी संसद में ज्यादा बोलते हैं। हाल ही में संपन्न हुए संसद के मानसून सत्र के दौरान महंगाई समेत कई मुद्दों को लेकर जमकर हंगामा हुआ था। थरूर ने किताब के विमोचन के दौरान पीएम मोदी और नेहरू के काम करने के तरीके की तुलना की।

लोकतांत्रिक संस्थान और अभिव्यक्ति की आजादी को लेकर दोनों की विचारधारा पर कांग्रेस नेता ने कहा, 'हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारतीय संसद से ज्यादा विदेशी संसद में भाषण दिए हैं, जो नेहरू के विपरीत है।' कांग्रेस नेता ने भारत-चीन 1962 के युद्ध को याद किया और कहा कि नेहरू ने मुद्दों पर चर्चा करने के लिए संसद सत्र बुलाया था। उन्होंने कहा आज भारत और चीन के बीच जारी सीमा संबंधी मुद्दों को सवाल उठाने की भी अनुमति नहीं है। उन्होंने इस दौरान खासतौर से गलवान घाटी का जिक्र किया। थरूर ने संसद में चर्चा नहीं होने के मुद्दे को भी उठाया। उन्होंने कहा कि 20 भारतीय सैनिकों की शहादत के बावजूद लोकसभा और राज्यसभा में भारत और चीन के मुद्दों पर कोई चर्चा नहीं हुई।

एविएशन यूनियन ऑफिस में शराब पार्टी के दौरान शख्स की पीट-पीटकर हत्या

मुंबई, 9 अगस्त (एजेंसियां)। मुंबई के सांताक्रूज में एक एविएशन यूनियन कार्यालय में शराब पार्टी के दौरान कथित तौर पर एक व्यक्ति की पीट-पीटकर हत्या कर दी गई. एक पुलिस अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी. उन्होंने बताया कि ये घटना तब घटी, जब अब्दुल शेख (50) और कुछ अन्य रविवार रात भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण के संघ कार्यालय में शराब पी रहे थे. ताक्रूज पुलिस थाने के अधिकारी ने कहा, शेख एएआई का कर्मचारी है और निखिल शर्मा उर्फ कपाली (30) ने कथित तौर पर पीट-पीट कर मार डाला था.

अमित शाह ने कर दी 2024 में बड़ी जीत की भविष्यवाणी

ओडिशा में भी किया सत्ता का दावा

भुवनेश्वर, 9 अगस्त (एजेंसियां)। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने कहा है कि भारतीय जनता पार्टी 2024 लोकसभा चुनाव में दो तिहाई बहुमत से जीतेगी। साथ ही उन्होंने ओडिशा में अगली सरकार बनाने का दावा किया है। इस दौरान उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व की तारीफ की और परिवारवाद के मुद्दे को लेकर सियासी दलों पर निशाना साधा। राज्य में साल 2024 में विधानसभा चुनाव होंगे। शाह ने कहा, 'मुझे विश्वास है कि मोदी के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी दो तिहाई बहुमत के साथ 2024 चुनाव जीतेगी और इसे कोई नहीं

रोक सकता। हम ओडिशा में भी अगली सरकार बनाने जा रहे हैं।' शाह ने राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के प्रचारक के तौर पर मोदी की 30 साल की यात्रा और मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री के रूप में 20 सालों को याद किया। शाह ने कहा कि भारतीय लोकतंत्र के लिए उनका सबसे बड़ा योगदान तीन बुराइयों को खत्म करना है। उन्होंने परिवारवाद की राजनीति, तुष्टिकरण की राजनीति और भ्रष्टाचार का जिक्र किया। उन्होंने उत्तर प्रदेश का उदाहरण भी दिया। शाह ने कहा कि लोगों ने परिवार की राजनीति को खारिज कर दिया है इसलिए वंशवाद की राजनीति खत्म हो रही है।

मोदी के अलावा नहीं है कोई चेहरा: शाह

गृहमंत्री ने कहा इसका श्रेय मोदी को जाता है, जिन्होंने न केवल तीन बुराइयों को खत्म किया, बल्कि उन्हें 'प्रदर्शन की राजनीति' में बदल दिया। उन्होंने कहा कि इसका सबसे अच्छा उदाहरण गुजरात में है, जहां पार्टी हर चुनाव में आगे चल रही है। उन्होंने कहा, 'फिलहाल, भारत की राजनीति में मोदी के अलावा कोई भी प्रधानमंत्री का चेहरा नहीं है। विरोधियों को खुद में बदलाव करना होगा, नहीं तो वह बार-बार हार का सामना करेंगे, क्योंकि मोदी ने राजनीतिक तस्वीर बदल दी है।'

कांग्रेस पर निशाना

शाह ने कांग्रेस के नेतृत्व वाली यूपीए पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि यूपीए सरकार में हर मंत्री खुद को प्रधानमंत्री की तरह समझता था। शाह ने कहा कि इससे विपरीत मोदी ने सबसे अच्छे प्रधानमंत्री साबित हुए हैं, जिन्हें दुनिया के नेता सुनते हैं। उन्होंने कहा कि अमेरिका राष्ट्रपति जो बाइडन ने मोदी के साथ मिलाने के लिए इंतजार किया, यह इस बात का सबूत है।

स्मृति ईरानी और बेटी के मामले में गूगल ने दी सफाई

कहा- आपत्तिजनक सामग्री वाले वेब लिंक को हटाया

नई दिल्ली, 9 अगस्त (एजेंसियां)। सर्च इंजन गूगल ने केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी और उनकी बेटी के खिलाफ कथित रूप से आपत्तिजनक सामग्री मामले में सफाई दी है। गूगल ने कहा कि अदालत के आदेश पर उक्त वेब लिंक को हटा दिया गया है। गूगल के अधिकारियों ने कहा कि ईरानी ने उन्हें केवल एक यूआरएल मुहैया कराया है। यदि वे अन्य यूआरएल प्रदान करतीं हैं तो उस पर भी कार्रवाई की जाएगी। अदालत ने इस मामले में केंद्रीय मंत्री को नोटिस जारी कर उनसे जवाब मांगा है। न्यायमूर्ति मिनी पुष्कर्ण ने गूगल द्वारा दायर आवेदन पर ईरानी से जवाब मांगा है। गूगल ने 29 जुलाई के आदेश में संशोधन की मांग की है, जिसमें अदालत ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म को आरोपों, वीडियो, पोस्ट, ट्वीट, री-ट्वीट और कैप्शन हटाने का निर्देश दिया था। गूगल की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता अरविंद निगम ने कहा कि जिन यूआरएल को वादी हटाना चाहती हैं, उन्हें मध्यस्थ को प्रदान किया जाना चाहिए। उन्होंने तर्क दिया कि गूगल एक निर्णायक प्राधिकरण नहीं है और यह तय नहीं कर सकता कि क्या हटाने की जरूरत है और क्या नहीं। दिल्ली उच्च न्यायालय ने 29 जुलाई को ईरानी के दीवानी मानहानि के मुकदमे पर कांग्रेस के तीन नेताओं जयराम रमेश, पवन खेरा और नेता डिसूजा को समन जारी किया था और उनसे केंद्रीय मंत्री के खिलाफ लगाए गए आरोपों पर ट्वीट और अन्य सोशल मीडिया पोस्ट को हटाने के लिए भी कहा था।

संजय राउत की बढ़ रहीं मुश्किलें, ईडी का दावा

अपराध की कमाई से खरीदी अलीबाग में जमीन

मुंबई, 9 अगस्त (एजेंसियां)। पातरा चॉल घोटाले के केस में अरेस्ट किए गए शिवसेना के राज्यसभा सांसद संजय राउत की मुश्किलें लगातार बढ़ रही है। ईडी की ओर से सोमवार को अदालत में दावा किया गया कि संजय राउत ने अपराध के जरिए आई रकम का इस्तेमाल मुंबई के अलीबाग में जमीनों को खरीदने के लिए किया था। प्रवर्तन निदेशालय ने विशेष पीएमएलए कोर्ट को बताया कि जमीन बेचने वालों ने भी संजय राउत की ओर से खरीद की पुष्टि की है। ईडी का कहना है कि संजय राउत ने जिन 5 लोगों से जमीन की खरीद की थी, उनमें से दो के बयान दर्ज किए गए हैं। इन लोगों के नाम उन दस्तावेजों में भी पाए गए थे, जिन्हें 31 जुलाई को संजय राउत के घर पर हुई रेड के दौरान बरामद किया गया था। प्रवर्तन निदेशालय ने कहा कि इन लोगों ने मान लिया है कि उन्हें उतनी ही रकम मिली है, जितनी बरामद किए गए दस्तावेजों में लिखी गई है। ईडी ने कहा कि जमीन बेचने वालों ने स्वीकार किया है कि इस डील के लिए उन्हें कैश में रकम मिली थी। उन्हें यह भूमि संजय राउत को बेचने के लिए दबाव डाला गया था। स्पेशल जज एमजी देशपांडे ने संजय राउत को इसके साथ ही 22 अगस्त तक के लिए न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। 31 जुलाई को घर पर छापेमारी और करीब 17 घंटों तक पूछताछ के बाद संजय राउत को ईडी ने अरेस्ट कर लिया था।

संजय राउत को मिली घर के खाने और दवा की परमिशन

संजय राउत को आर्थर रोड जेल में रखा गया है। यहीं पर एनसीपी के नेता नवाब मलिक और अनिल देशमुख भी बंद हैं। हालांकि नवाब मलिक फिलहाल एक निजी अस्पताल में इलाज करा रहे हैं। फिलहाल अदालत ने संजय राउत को अनुमति दी है कि वे घर का खाना खा सकते हैं और दवाईयां भी ले सकते हैं।

अदालत से बेड की मांग पर भी संजय राउत को निराशा

संजय राउत ने अदालत से कहा था कि वह दिल के मरीज हैं और उनके लिए बेड की व्यवस्था होनी चाहिए। इस पर कोर्ट ने कहा था कि सीएमओ की ओर से जांच के बाद ही यह आदेश दिया जा सकता है। जज ने कहा था कि निजी तौर पर जेल में किसी के लिए बेड की व्यवस्था पर विचार नहीं किया जा सकता। इस संबंध में जेल प्रशासन उचित इंतजाम करेगा। संजय राउत की बेल का विरोध करते हुए ईडी ने कहा था कि यदि उन्हें बाहर निकलने का मौका मिला तो वह सबूतों के साथ छेड़छाड़ कर सकते हैं। वह सबूतों को मिटा सकते हैं और फिर उनकी रिकवरी कर पाना आसान नहीं होगा।

मुख्य आरोपी स्वप्ना सुरेश ने कहा

केरल के सीएम ने आतंकियों की भागने में की थी मदद

कोच्चि, 9 अगस्त (एजेंसियां)। केरल सोना तस्करी मामले की मुख्य आरोपी स्वप्ना सुरेश ने सोमवार को आरोप लगाया कि केरल के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन ने आतंकियों को भगाने में यूएई वाणिज्य दूतावास की मदद की थी। चार जुलाई, 2017 को यूएई के एक नागरिक को सीआईएसएफ कोच्चि हवाई अड्डे के अधिकारियों ने भारत में प्रतिबंधित थुरया सैटेलाइट फोन के साथ पकड़ा था। स्वप्ना ने दावा किया कि उन्हें संयुक्त अरब अमीरात वाणिज्य दूतावास के अधिकारियों का फोन आया था और इस मामले में सीएम से बात करने को कहा गया था। स्वप्ना ने कहा, मैंने सीएम के सचिव एम शिवशंकर से बात की और उन्हें पूरे मामले के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि वह विजयन से बात करेंगे। 5-10 मिनट के बाद शिवशंकर ने मुझे फोन किया और एक अधिकारी को लिखित हलफनामा लेने के लिए पुलिस थाने भेजने को कहा। मुझे वैसा ही हलफनामा वाणिज्य दूतावास को देने के लिए कहा गया था। मैंने शिवशंकर के कहने पर वैसा ही किया। स्वप्ना ने कहा, पुलिस ने हलफनामा दाखिल करने के बाद आरोपी को छोड़ दिया और इस मामले में बाद में कोई भी जांच नहीं हुई। स्वप्ना के मुताबिक मिस्र में पैदा हुआ यूएई नागरिक 30 जून को केरल पहुंचा था और सीआईएसएफ ने उसे 4 जुलाई को गिरफ्तार किया था।

राज्यपाल का पद ही खत्म करना चाहते हैं ममता बनर्जी सरकार में मंत्री शोभनदेव चटर्जी

कोलकाता, 9 अगस्त (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल सरकार में मंत्री शोभनदेव चटर्जी राज्यपाल का पद खत्म करना चाहते हैं। एक कार्यक्रम के दौरान उन्होंने यह सुझाव दिया है। चटर्जी का कहना है कि राज्य के मुख्य न्यायाधीश को इन जिम्मेदारियों को संभालना चाहिए। खास बात है कि राज्य के पूर्व राज्यपाल और उपमुख्यमंत्री जगदीप धनखड़ और तृणमूल कांग्रेस के बीच मतभेदों की खबरें सामने आती रही हैं। चटर्जी ने कहा कि वह पहले भी इस तरह के सुझाव दे चुके हैं और कई सरकारी आयोगों में भी इस सुझाव को शामिल किया गया है। उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि राज्य के मुख्य न्यायाधीश को राज्य के राज्यपाल की जिम्मेदारियां निभानी चाहिए। चीफ जस्टिस कानून के उन पहलुओं को देख सकते हैं, जिनका फिलहाल राज्यपाल ध्यान रखते हैं।' चटर्जी

का कहना है कि उनका प्रस्ताव केवल पश्चिम बंगाल तक ही सीमित नहीं है। उन्होंने कहा, 'यह केवल मेरे राज्य के लिए नहीं है। चूंकि देश में बहुदलीय प्रणाली है, तो कई बार एक खास पार्टी केंद्र में होती है और अन्य दल राज्य में सत्ता में होता है। इस समय दोनों के बीच मतभेद होते हैं, जो विकास को प्रभावित करते हैं।' उन्होंने आगे कहा, 'मुझे लगता है कि इस मतभेदों को जारी रखने की कोई जरूरत नहीं है। चूंकि मुख्य न्यायाधीश गैर-राजनीतिक व्यक्ति होता है और वह कानून बेहतर जानता है, तो उन्हें राज्यपाल की जिम्मेदारियां देखनी चाहिए।'

हिमाचल में बीजेपी को एंटी-इनकंबेंसी का डर

कई मौजूदा विधायकों का कटेगा टिकट, नए चेहरों को मिलेगा मौका!

चंडीगढ़, 9 अगस्त (एजेंसियां)। हिमाचल प्रदेश विधानसभा चुनाव को कुछ ही महीने रह गए हैं। इससे पहले भाजपा अलग-अलग निर्वाचन क्षेत्रों के हिसाब से मूल्यांकन में जुटी है, जिसके बाद उम्मीदवारों का चयन किया जाएगा। बीजेपी का प्रयास है कि किसी भी तरह की एंटी-इनकंबेंसी न होने पाए। ऐसे में कई नए चेहरों को टिकट दिया जा सकता है। हिमाचल प्रदेश बीजेपी की कोर कमेटी जल्द ही इसे लेकर बैठक बुला सकती है, जिसमें कुल 68 विधानसभा सीटों के लिए प्रत्याशियों का नाम फाइनल किया जाएगा। पार्टी से जुड़े लोगों का कहना है कि उम्मीदवार के नाम का ऐलान इस बात को ध्यान में रखते हुए होगा कि उनके जीतने की संभावना कितनी

अधिक है।

एंटी-इनकंबेंसी से भाजपा का इनकार नहीं

भाजपा के एक सीनियर नेता ने कहा, 'ऐसा नहीं होगा कि सभी मौजूदा विधायकों को टिकट दे दिया जाए। हम लोग सत्ता में बने रहने के लिए चुनाव लड़ रहे हैं। ऐसे में कई इलाकों में एंटी-इनकंबेंसी देखने को मिल सकती है। इसे देखते हुए कई नए चेहरों को मैदान में उतारा जा सकता है। इससे नए लोगों को आगे आने का मौका मिलेगा।'

'शाह-नड्डा ने नए चेहरों को मौका देने का दिया सुझाव'

बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा और गृह मंत्री अमित शाह ने हाल ही में मुख्यमंत्री जयराम रमेश के साथ बैठक की थी। बताया जाता है कि इस दौरान शाह और नड्डा ने नए चेहरों को मौका देने का सुझाव दिया था। पार्टी सूत्रों ने बताया कि शिमला संसदीय सीट के तहत आने वाले 17 असेंबली सेग्मेंट में नए लोगों को टिकट दिए जाने की संभावना है।

उम्मीदवारों के चयन की प्रक्रिया पर अधिक जोर

भाजपा की ओर से शुरुआती तौर पर कराए गए सर्वे में सत्ताधारी पार्टी को बढ़त मिलती दिख रही है, इसके बावजूद आलाकमान किसी तरह का रिस्क नहीं लेना चाहता है। सूत्रों ने बताया कि सेंट्रल लीडरशिप ने स्टेट यूनिट की चुनाव तैयारियों पर नजर बनाए हुए है। इससे भी अधिक जोर उम्मीदवारों के चयन की प्रक्रिया पर है।

टीना डाबी के नाम से ठगी का प्रयास

आरोपी ने व्हाट्सअप पर फोटो लगा मांगे अमेजन गिफ्ट कार्ड

जैसलमेर, 9 अगस्त (एजेंसियां)। जैसलमेर की जिला कलेक्टर टीना डाबी के नाम से व्हाट्सअप पर ठगी करने के प्रयास किया गया। आरोपी ने व्हाट्सअप पर टीना डाबी की फोटो लगाकर अमेजन गिफ्टस कार्ड मांगे थे। टीना डाबी ने इसकी जानकारी जैसलमेर एसपी को दी। मीडिया रिपोर्टस के अनुसार यूआईटी सचिव सुनीता चौधरी को उनके व्हाट्सएप पर एक मैसेज आया। जिसमें कलेक्टर टीना डाबी का फोटो लगा था पर मोबाइल नंबर अलग था। आरोपी ने सुनीता से अमेजन गिफ्ट कार्ड के बारे में पूछा। मैसेज बहुत बढ़िया अंग्रेजी में था। सुनीता चौधरी ने कहा कि मुझे यकीन हो गया कि शायद मैडम को कोई काम होगा लेकिन मैं अमेजन का इस्तेमाल नहीं करती, इसलिए बात नहीं बनी। ऐसे में मैंने कलेक्टर मैडम को कॉल किया, तब पता चला कि उन्होंने ऐसा कोई मैसेज नहीं भेजा है। जिला कलेक्टर टीना डाबी ने इस फेक आईडी की जानकारी एसपी जैसलमेर को दी। एसपी जैसलमेर ने नंबर ट्रेस करवाया तो पता चला कि नंबर डूंगरपुर का है। एसपी जैसलमेर ने डूंगरपुर एसपी को इसकी जानकारी दी। जिसके बाद एक युवक को हिरासत में लिया गया है। जिससे पूछताछ की जा रही है। कलेक्टर टीना डाबी ने लोगों से अपील करके कहा कि उनके पास उनका एक नंबर ही है, जो ऑफिशियल है। इसलिए लोग सावधान रहें। ऐसे मैसेज आने पर तुरंत पुलिस शिकायत करें।

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

बुधवार, 10 अगस्त, 2022 3

सु वि चा र

यदि आप अपना अवगुणों रूपी कचरा भगवान को दे दें तो कोई भी व्यक्ति आप पर कीचड़ नहीं उछालेगा

पीएम मोदी ने भारत की विदेश नीति को नया रूप दिया : एस. जयशंकर

हैदराबाद, 9 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने मंगलवार को कहा कि प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत की विदेश नीति को नया रूप दिया है, जिसके मूल में राष्ट्रीय हित हैं, लेकिन इस तरह से वैश्विक भलाई के साथ सामंजस्य स्थापित किया गया है।

उन्होंने कहा कि भारत की विदेश नीति एक नए भारत का विश्व दृष्टिकोण है अंग्रेजी और विदेशी भाषा विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित 'मोदी@20: ड्रीम्स मीट डिलीवरी' पुस्तक पर चर्चा में भाग लेते हुए, जिसमें विभिन्न क्षेत्रों की प्रतिष्ठित हस्तियों के लेखों का संकलन है।

मंत्री ने कहा कि पहली बार देश का नेतृत्व राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, प्रधान मंत्री और अध्यक्ष द्वारा किया जा रहा है, जो सभी स्वतंत्र भारत में पैदा हुए है। न्यायमूर्ति एल नरसिम्हा रेड्डी और ईएफएलयू के कुलपति और यूजीसी सदस्य प्रो ई सुरेश कुमार और अन्य ने भाग लिया।

छात्रों में देशभक्ति का जुनून जगाने की जरूरत : तलसानी

स्वतंत्रता के हीरक जयंती के तहत मंत्री ने ध्वज वितरित किया

हैदराबाद, 9 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य के पशुसंवर्धन, मत्स्य पालन, डेयरी विकास और छायांकन मंत्री तलसानी श्रीनिवास ने मंगलवार को नेकलेस रोड पर थ्रिल सिटी में भारत के स्वतंत्रता हीरक समारोह के तहत जीएचएमसी आयुक्त लोकेश कुमार और बेगमपेट पार्षद माहेश्वरी के साथ राष्ट्रीय ध्वज वितरित किए। इस मौके पर शांति के प्रतीक कबूतर और गुब्बारे हवा में उड़ाए गए। मंत्री ने गहोद स्वच्छंदा संस्था के तत्वावधान में आयोजित थ्रीके रन के विजेताओं को प्रमाण पत्र सौंपे। बाद में, वज्रोत्सवम के हिस्से के रूप में, छात्रों के लिए विशेष रूप से तैयार गांधी की फिल्म की स्क्रीनिंग का उद्घाटन प्रसाद ए मैक्स थिएटर में मंत्री श्रीनिवास यादव ने किया।, तेलुगु फिल्म चैंबर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष बसीरेड्डी, सचिव दामोदर प्रसाद, आई मैक्स थिएटर मैनेजर रमेश प्रसाद और दूसरों ने फिल्म देखी। इस मौके पर मंत्री श्रीनिवास यादव ने कहा कि महात्मा गांधी और भगत सिंह जैसे कई महान लोगों के संघर्ष से भारत को ब्रिटिश शासन से आजादी मिली। देश की आजादी के 75 साल पूरे होने के मौके पर तेलंगाना राज्य सरकार इस महीने की 22 तारीख तक जश्न मनाने के लिए कई कार्यक्रम आयोजित कर रही है। उन्होंने कहा कि देश की एकता को दर्शाने के लिए 1 करोड़ 20 लाख झंडों को इंटिको राष्ट्रीय ध्वज की दर से बांटा जा रहा है। 15 अगस्त को हर घर में राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया और राष्ट्रीय भावना को व्यक्त करने का आह्वान किया गया। 16 तारीख को उन्हें एक साथ राष्ट्रगान गाने के लिए कहा गया। उन्होंने कहा कि 17 को रक्तदान शिविर का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि छात्रों में देशभक्ति का विकास करने की जरूरत है। देश की आजादी के लिए संघर्ष करने वाले वीरों के बारे में जानकारी देने के लिए राज्य के 563 स्क्रीनों पर छात्रों के लिए तेलुगु, हिंदी और दो भाषाओं में विशेष रूप से बनाई गई गांधी की फिल्म का नि:शुल्क प्रदर्शन किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि सरकार ने छात्रों को सिनेमाघरों तक ले जाने और फिल्म स्क्रीनिंग के बाद उन्हें घर वापस लाने की भी व्यवस्था की है।

भारत वज्रोत्सव की तैयारी को लेकर मुख्य सचिव ने की समीक्षा बैठक

जिलाधीशों को दिया सभी गतिविधियों के लिए कार्य योजना तैयार करने का निर्देश

हैदराबाद, 9 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्य सचिव सोमेश कुमार ने आज जिला कलेक्टरों, आयुक्तों / पुलिस अधीक्षकों, डीईओ, नगर निगम और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ एक वीडियो कॉन्फ्रेंस की और स्वातंत्र भारत वज्रोत्सव के तहत जिलों में आयोजित विभिन्न गतिविधियों की समीक्षा की। मुख्य सचिव ने कहा कि मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव के विजन के अनुसार आम लोगों और खासकर युवाओं में देशभक्ति और राष्ट्रीय एकता की भावना जगाने के लिए पखवाड़े तक चलने वाले कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है। समाज के सभी वर्गों के लोगों की अधिक से अधिक भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए आयोजनों को चाक-चौबंद किया गया है। मुख्य सचिव ने कहा कि फिल्म "गांधी" को आज 2.2 लाख स्कूली बच्चों ने देखा है, जिसे राज्य भर के 500 से अधिक सिनेमाघरों में प्रदर्शित किया गया था। उन्होंने कलेक्टरों को उन सभी गतिविधियों विशेष रूप से राष्ट्रगान, रैलियों, फ्रीडम रन और फ्रीडम कप के सामूहिक गायन के लिए के लिए कार्य योजना तैयार करने का निर्देश दिया, जो पखवाड़े तक चलने वाले समारोहों का हिस्सा हैं। याथ ही कलेक्टरों को प्रतिदिन रिपोर्ट देने को कहा गया है। इस महीने की 16 तारीख को राष्ट्रगान के सामूहिक गायन के हिस्से के रूप में, पुलिस विभाग ने जिला प्रशासन के साथ समन्वय में आयोजन को प्रभावी ढंग से आयोजित करने के लिए रणनीति तैयार करने के लिए कहा है। प्रत्येक ग्राम पंचायत, नगर पालिका के प्रत्येक वार्ड, प्रमुख शहरों में यातायात जंक्शनों पर एक आम जगह की पहचान की जानी चाहिए और पुलिस, राजस्व और स्थानीय निकाय के अधिकारियों के साथ-साथ जनप्रतिनिधियों को भी जुटाना चाहिए और उनकी भागीदारी सुनिश्चित करनी चाहिए। इस आयोजन में सभी स्कूल, आंगनवाड़ी केंद्र और कॉलेज भी शामिल होने चाहिए। इसी तरह, एक ऐतिहासिक स्थान की पहचान की जानी चाहिए जहां बड़ी संख्या में लोग कार्यक्रम में भाग ले सकें। 11 से 18 तारीख तक प्रत्येक ग्राम पंचायत, मण्डल, नगर पालिका एवं जिला मुख्यालयों में प्रदेश भर में फ्रीडम कप खेलकूद प्रतियोगिता आयोजित की जाये तथा युवाओं एवं सभी वर्गों की अधिकतम भागीदारी सुनिश्चित करने के लिये कदम उठाये जाये। इस महीने की 13 तारीख को एनसीसी, एनएसएस, स्काउट्स एंड गाइड्स और कर्मचारियों, छात्रों की रैलियां उचित तरीके से होनी चाहिए।

माहेश्वरी भवन ट्रस्ट, हैदराबाद-सिकंदरबाद की बैठक सम्पन्न

हैदराबाद, 9 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। माहेश्वरी भवन ट्रस्ट बोर्ड वर्ष 2022-23 की प्रथम बैठक सोमाजीगुडा स्थित होटेल इन्नर सर्कल में सम्पन्न हुई। मैनेजिंग ट्रस्टी दामोदर झंवर द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि बोर्ड के चेयरमैन सुरेशनारायण काँकानी ने अपने स्वागत संबोधन में सभी ट्रस्टियों एवं विशेष आमंत्रित सदस्यों का स्वागत किया।

सभा की कार्यवाही आगे बढ़ाते हुए प्रबंध न्यासी दामोदर झंवर ने गत बोर्ड के कार्यव्रत को सभा में रखा जिसे सभा ने स्वीकृति दी। वर्ष 2022-23 ट्रस्ट बोर्ड के चयन के लिए मुख्य चुनाव अधिकारी श्रीकांत इन्नानी ने वर्ष 2022-23 के ट्रस्ट बोर्ड के सदस्यों की सूची को सभा में रखा।

बोर्ड की बैठक में उपस्थित सभी के सर्व सहमति से निर्विरोध निर्वाचित पदाधिकारियों की घोषणा की। इसमें चेयरमैन सुरेशनारायण काकानी, सह चेयरमैन सीए किशनगोपाल मनिहार, मेनेजिंग ट्रस्टी पवन कुमार लोहिया, सह-मेनेजिंग ट्रस्टी मुन्नालाल बंग, कोषाध्यक्ष देवेन्द्र झंवर, ट्रस्टी के बालाप्रसाद लड्ढा, मुरली नारायण राठी, दिलीप जाजू, सुरेश भक्कड, संजय सारडा, गणेशचंद्र सोनी, घनश्याम दास बजाज, हरिकिशन बंग, दिलीप धूत, रमेश मर्दा, वेणुगोपाल सारड़ा, नारायणदास मुन्दडा, श्रीकिशन बियाणी, सुरेश सोमानी, लोकनाथ मारू, वेणुगोपाल लोया शामिल है। सुरेशनारायण काकानी ने बेठक में वर्ष 2022-23 के लिये कमेटी प्रमुखों की नियुक्ति की। अंत में नवनिर्वाचित मैनेजिंग ट्रस्टी पवन कुमार लोहिया ने चुनाव अधिकारी श्रीकांत इन्नानी एवं प्रोजेक्ट कमेटी के सदस्यों पुरुषोत्तमदास मानधना, अशोक सोमानी, लक्ष्मीनारायण सोनी के साथ सभी पूर्व ट्रस्टी व वर्तमान ट्रस्टियों को धन्यवाद किया।

कठिन चुनौतियों के बावजूद उतरोत्तर विकास की ओर महेश बैंक : महेशचन्द्र लड्ढा

महेश बैंक ने मनाया 54वां स्थापना दिवस समारोह

हैदराबाद, 9 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। केन्द्रीय रिजर्व पुलीस बल- सदर्न सेक्टर के महानिरीक्षक सीए महेश चन्द्र लड्ढा ने दक्षिण भारत की बहुराज्यीय सहकारी बैंकों में अग्रणी महेश बैंक के 54वें स्थापना दिवस समारोह में बंजारा हिल्स स्थित प्रधान कार्यालय के सभागार में मुख्य अतिथि के रूप में बैंककर्मियों की निष्ठापूर्ण सेवाओं एवं निदेशक मण्डल की सक्षम पारदर्शी कार्यप्रणाली की सराहना करते हुये कहा कि वर्ष 2002-03 में सहकारी क्षेत्र की कई संस्थायें प्रबन्धन की अकर्मण्यता, गलत नीतियों एवं दोषपूर्ण कार्य प्रणाली के कारण असफलता के कगार पर आ गयी थी, परन्तु महेश बैंक ने हर चुनौती का सफलता से सामना करते हुये सक्षम प्रबन्धन के दूरगामी सार्थक परिणाम देने वाले निर्णयों से निरन्तर विकासक्रम को जारी रखा। समर्पित निष्ठावान बैंककर्मियों के प्रयासों ने महेश बैंक को उतरोत्तर विकासोन्मुख रखा।

कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा दीप प्रज्जवलित कर किया गया। अतिथियों, बैंककर्मियों के साथ निदेशक मण्डल के साथी एवं पूर्व निदेशकों का स्वागत करते हुये बैंक के चेयरमैन रमेशकुमार बंग ने कहा कि प्रतिस्पर्द्धा के इस समय में विशेष कर बैंकिग क्षेत्र सुरक्षित कार्य प्रणालि के साथ आधुनिक तौर तरीकों से डिजीटल कार्यप्रणाली को अपनाते हुये व्यवसाय को प्रगति के नये आयाम तक पहुँचा सकता है। वैश्विक महामारी से जुझते हुये कमजोर आर्थिक परिदृश्य में भी महेश बैंक का 31 मार्च 2022 को समाप्त वित्तीय वर्ष में सकल व्यापार 3715 करोड को पार किया और 44 करोड का लाभ अर्जित किया है। कैश लैस अर्थव्यवस्था ने व्यापारियों के लिये विकास के नये साधन उपलब्ध कराये हैं। महेश बैंक में भी समयोचित नवीनतम तकनीक से आर्टीफीशियल इन्टेलीजेन्स आधारित टैब बैंकिंग, लोन ओरिजिनेशन सिस्टम आदि नये बिजनेस मोड्युल को अपनाने की प्रक्रिया पर तीव्रता से कार्य हो रहा है। श्री बंग ने कोविड काल में बैंककर्मियों की निष्ठापूर्ण सेवाओं का उल्लेख करते हुये उन्हें बधाई दी। बैंक के कार्यवाहक मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं प्रबन्ध निदेशक रघुराम शेट्टी ने कहा कि वैश्विक परिवेश में अपने व्यावसायिक क्षेत्र के नवीनतम परिवर्तनों एवम बाध्यकारी नियमों की सम्यक जानकारी से हम ग्राहक को समुचित मार्गदर्शन देकर उसके हितों की सुरक्षा करते हुये अपने संस्थान की तरक्की का मार्ग खोलते हैं। अवसर पर उपस्थित सिडबी के आंचलिक महाप्रबन्धक प्रमोद विजयवर्गीय ने बैंक कि प्रगति की सराहना करते हुये प्रबन्धन और बैंक कर्मियों को बधाई दी, साथ ही सीडबी की कार्य प्रणाली की जानकारी देते हुये कहा कि अब सीडबी व्यावसायिक बैंकों के साथ सक्षम सुदृढ सहकारी बैंकों को भी रिफायनेंस कर रही है ।

इस अवसर पर बैंक के मासिक पत्र हमारा प्रयास के विशेषांक का विमोचन अतिथियों ने किया। प्रतिवर्षानुसार बैंक के निधारित मानदण्डों को पार करने एवम सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के लिये विभिन्न केटेगरी की शाखाओं एवम प्रबन्धकों को सम्मानित किया गया। साथ ही विगत 25 वर्षों से अनवरत बैंक की निष्ठापूर्वक सेवा के लिये बैंक कर्मीयों को भी प्रशस्ति पत्र प्रदान किये गये। बैंक कर्मियों के हाई स्कूल से लेकर स्नातकोत्तर स्तर के सर्वश्रेष्ठ मेधावी विद्यार्थियों को भी छात्रवृत्ति प्रदान की गयी। अवसर पर बैंक के निदेशक मण्डल के अनीता सोनी, अरुणकुमार भांगडिया, बदरीविशाल मून्दडा, भगवान पंसारी, बृजगोपाल असावा, गोविन्दनारायण राठी, कैलाशनारायण बी. सीए मुरलीमनोहर पलोड, प्रेमकुमार बजाज, श्रीमती पुष्पा बूब, रामप्रकाश भण्डारी, सी एस सुमन हेडा भी उपस्थित रहे। साथ में बोर्ड ऑफ मेनेजमेन्ट के सदस्य और पूर्व निदेशकगण भी उपस्थित थे। सीनियर वाइस चेयरमैन पुरषोत्तमदास मानधणा ने आभार व्यक्त किया।

जंगल विठ्ठोबा मंदिर में वार्षिकोत्सव पर हुए कई धार्मिक कार्यक्रम

हैदराबाद, 9 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। दो सौ साल पुराने जंगल विठ्ठोबा मंदिर, हैदराबाद का जीर्णोद्धार आज के दिन नौ अगस्त हुआ था। वर्ष 2003 में मंदिर के तत्कालीन चेयरमैन पी. रामास्वामी के नेतृत्व में जीर्णोद्धार सभी श्रद्धालुओं और पदाधिकारियों के सहयोग से किया गया था। राजू महाराज ने बताया कि मंदिर जीर्णोद्धार होकर आज बीस वर्ष पूरे हो गए हैं।

इस अवसर पर तेलंगाना, देश और विश्वकल्याण की कामना से मंदिर में मौजूद सभी पीठासीन देवताओं का वस्त्रालंकार, पुष्प-अर्चना, हवन आदि किया गया।

इसी दौरान ओलंपिक में भाग लेने वाले तेलंगाना, हैदराबाद, पुरानापुल निवासी अर्जुन पहलवान के शिष्य नवीन यादव को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर मंदिर के चेयरमैन व बेगमबाजार के कार्पोरेटर जी. शंकर यादव, वी किशन यादव. गोलकोंडा जिला अध्यक्ष पांडु यादव, राजू महाराज, मल्लेश उपस्थित रहे।

बस स्टॉप से चेन स्नैचर गिरफ्तार

हैदराबाद, 9 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। गोपालपुरम पुलिस ने मंगलवार को रतिफाइल बस-स्टॉप पर महिला पैदल यात्रियों को निशाना बनाने वाले एक चेन स्नैचर को गिरफ्तार किया। उसके पास से पुलिस ने 1 लाख रुपये की सोने की चेन बरामद की है। चिलकलगुडा के हमाल बस्ती के एक पेंटर 35 वर्षीय बी कावली रमेश ने सुनसान कॉलोनियों में अकेले चलने वाली महिलाओं की पहचान की और उन्हें निशाना बनाया। पुलिस ने कहा कि वह पीछे से उनके पास पहुंचा और उनकी सोने की चेन छीन ली।

भारत छोड़ो दिवस के उपलक्ष्य में निरंजन ने कोटि में अशोक स्तंभ पर फहराया तिरंगा

हैदराबाद, 9 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। आजादी का अमृत महोत्सव के हिस्से के रूप में जी. निरंजन, वरिष्ठ उपाध्यक्ष, तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने आज अशोक स्तंभ (में निर्मित) पर भारत छोड़ो दिवस के अवसर पर सुबह 9 बजे राष्ट्रीय ध्वज फहराया। 1857 के सिपाही क्रांति के शहीदों की स्मृति कोटि बस स्टैंड, हैदराबाद में और शहीदों को पुष्पांजलि अर्पित की। इस अवसर पर बोलते हुए, निरंजन ने राष्ट्र को स्वतंत्रता प्राप्त करने में महात्मा गांधी, जवाहरलाल नेहरू, सुभाषचंद्र बोस, सरदार वल्लभभाई पटेल, अबुल कलाम आजाद, अंबेडकर और हजारों स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदानों को याद किया। देश की एकता और अखंडता बनाए रखने और लोगों की इच्छाओं को पूरा करने के लिए वर्तमान समय के नेताओं को झांसी लक्ष्मी बाई, भगत सिंह, चंद्रशेखर आजाद और अल्लूरी सीता रामाराजू के बलिदान की भावना से काम करना चाहिए। आजादी के बाद इन 75 वर्षों में देश ने विभिन्न क्षेत्रों में प्रगति की, लेकिन भविष्य में गरीबों के उत्थान और सभी वर्गों के लोगों के बीच समानता लाने के लिए बहुत कुछ किया जाना है।

पुराने शहर में बीबी का अलम जुलूस आयोजित

हैदराबाद, 9 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। ऐतिहासिक बीबी का अलम जुलूस मंगलवार दोपहर करीब 1.30 बजे शुरू हुआ। जुलूस याकूतपुरा रोड, एतेहबार चौक, अलीजा कोटला, चारमीनार, गुलजार हौज, पंजेशा, मंडी मीर आलम, पुरानी हवेली, दारुलशिफा, काली कबर से गुजरा और चादरघाट पर समाप्त हुआ। जुलूस में हजारों की संख्या में शिया शोक मनाने वाले लोग शामिल हो रहे हैं। हैदराबाद पुलिस ने सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए। आलम (मानक) कोल्हापुर से जुलूस के लिए लाए गए हाथी माधुरी पर ले जाया गया। बीबी का आलम स्थापित करने की प्रथा कुतुब शाही काल से चली आ रही है जब मुहम्मद कुतुब शाह की पत्नी हयात बख्शी बेगम ने गोलकुंडा में बीबी फातिमा की याद में आलम स्थापित किया था। बाद में, आसफ जाही युग के दौरान, आलम को विशेष रूप से इस उद्देश्य के लिए बनाए गए दबीरपुरा में बीबी का अलवा में स्थानांतरित कर दिया गया था। आलम में लकड़ी के तख्ते का एक टुकड़ा होता है जिस पर बीबी फातिमा को दफनाने से पहले उनका अंतिम स्नान कराया गया था। इतिहासकारों के अनुसार, गोलकुंडा के राजा अब्दुल्ला कुतुब शाह के शासनकाल के दौरान यह अवशेष इराक के कर्बला से गोलकुंडा तक पहुंचा माना जाता है।

मारवाड़ी युवा मंच पर्ल महिला शाखा द्वारा पुस्तक वितरण

हैदराबाद, 9 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। मारवाड़ी युवा मंच पर्ल महिला शाखा, सिकंदराबाद द्वारा शाखा अध्यक्षा रक्षा जैन की अध्यक्षता में आंध्रप्रदेश तेलंगाना प्रांत का प्रतिष्ठित कार्यक्रम पुस्तक (नोटबुक) वितरण के अन्तर्गत शाखा द्वारा बालमराय स्थित गवर्नमेंट सेकेंडरी स्कूल में 'पढ़ेगा ईंडिया तो बढ़ेगा ईंडिया' की तर्ज पर सरकारी स्कूल के 321 जरूरतमंद बच्चों को नोटबुक, पेन, पेंसिल, कलर इत्यादि लेखन सामग्री एवं चॉकलेट वितरित की गई। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित प्रांतीय अध्यक्ष सुरेश एम जैन का शाल एवं माला द्वारा स्वागत किया गया तथा नोटबुक में सहयोगी दानदाता श्रीमती कंचन बाई गांधी एवं श्रीमती वीणा जैन का शाल एवं माला द्वारा स्वागत किया गया। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में शाखा उपाध्यक्ष शशि नाहर, निवर्तमान उपाध्यक्ष सुरेखा घोड़ेला, विद्या देवी दुगड, सुमित्रा सांखला, पुष्पा कोठारी, पूनम बोहरा, मीना जैन, वंदना दुगड, कविता मांडण, अनीता सुराणा, संतोष गुजरानी, ललिता लोहार, सरोज माली, रतन जैन, सोनल जैन, खुशबू जैन, इंदु खत्री, रिद्धि बोहरा, निशी जैन, भुवी खत्री का सराहनीय योगदान रहा।

यौन शोषण करने के आरोप में डॉक्टर को 10 साल का कठोर कारावास

हैदराबाद, 9 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। छह साल पहले सिकंदराबाद के एक अस्पताल में एक मरीज का यौन शोषण करने के आरोप में एक स्थानीय अदालत ने मंगलवार को एक डॉक्टर को 10 साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई। पीड़िता ने इलाज के लिए मई 2016 में डॉक्टर बी विजय भास्कर से संपर्क किया था। इसी दौरान चिकित्सक ने उसके साथ दुर्व्यवहार किया। जब उसने उससे पूछताछ की तो उसने कहा कि यह इलाज का हिस्सा है। पीड़ित संयुक्त राज्य अमेरिका के लिए रवाना हुई और सितंबर में लौट आई और फिर इलाज के लिए सिकंदराबाद में चेस्ट क्लिनिक में डॉक्टर से परामर्श करने गई। जांच के समय, डॉक्टर ने फिर से उसके साथ दुर्व्यवहार किया और दोहराया कि यह इलाज का हिस्सा था। हालांकि क्लिनिक में आई एक अन्य महिला को भी डॉक्टर ने इसी तरह से प्रताड़ित किया। पीड़ित ने पहले की घटना के बारे में पता चलने पर पुलिस से संपर्क किया और 2016 में मामला दर्ज किया गया था। गोपालपुरम के निरीक्षक पी साई ईश्वर गौड़ ने कहा कि पुलिस ने आईपीसी की धारा 376 और 354 लागू की और मुकदमे के बाद अदालत ने डॉक्टर को 10 साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई और 5,000 रुपये का जुर्माना लगाया।

मोहर्रम के जुलूस के दौरान बवाल

जमकर चले ईंट-पत्थर, दर्जनों घायल

वाराणसी, 9 अगस्त (एजेंसियां)। वाराणसी में भारी सतर्कता और सुरक्षा की घेरेबंदी के बाद भी मिर्जामुराद इलाके में मोहर्रम के जुलूस के दौरान बवाल हो गया। मिर्जामुराद के करधना बाजार में ताजिया ले जाते समय जामुन का पेड़ काटने को लेकर हुए विवाद ने उग्र रूप ले लिया। मारपीट के बाद जमकर पथराव हुआ। ईंट-पत्थर के साथ ही हथियारों का भी इस्तेमाल किया गया। बवाल में दर्जनों लोग घायल हुए हैं। ताजिया दौड़कर ले जाने के चक्कर में वह भी क्षतिग्रस्त हो गई। पुलिस के मौके पर पहुंचने के बाद भी पत्थरबाजी होती रही। आला अधिकारी भी मौके पर पहुंचे हैं। बताया जाता है कि जंसा के नईबस्ती से ताजिया के साथ मोहर्रम का जुलूस मिर्जामुराद के करधना बाजार में पहुंचा था। ताजिये के लिए खदेरू साव की दुकान के सामने छायादार जामुन के पेड़ को

कुछ लोग काटने लगे। पेड़ काटने का लोगों ने विरोध किया तो विवाद शुरू हो गया। लोगों ने कहा कि ताजिया जाने के लिए रास्ता पर्याप्त है। विवाद के बीच ही मारपीट शुरू हो गई। दुकानदार को लाठी डंडों से पीट दिया गया। खदेरू साव की किराना दुकान को भी क्षतिग्रस्त कर दिया गया। इससे पूरा गांव में अफरातफरी मच गई। इसकी जानकारी मिलते ही प्रतापपुर बस्ती व अन्य बस्ती के सैकड़ों लोग पहुंच गए। बड़ी संख्या में लोगों के पहुंचते ही पथराव और ईंटे चलनी लगीं। लोगों को बढ़ता देख जुलूस में शामिल लोग ताजिया लेकर भाग खड़े हुए। इस दौरान ताजिया भी क्षतिग्रस्त हो गई। सूचना पाकर मौके पर भारी मात्रा में पुलिस फोर्स पहुंची और लोगों को समझाने की कोशिश की। लोग नहीं मानें तो बल प्रयोग कर तितर बितर किया गया। इसी दौरान मामले की जानकारी होते ही हिन्दू संगठन के लोग भी जय श्रीराम व वंदेमातरम का नारा लगाते हुए पहुंच गए। सूचना पर डीआईजी, एडिशनल एसपी, एसपी ग्रामीण, एडीएम प्रशासन रणविजय सिंह, एसडीएम राजातालाब गिरीश द्विवेदी, सीओ बड़ागांव आदि भी पहुंच गए हैं। थाना प्रभारी मिर्जामुराद ने बताया कि एक ताजिया लाते समय सड़क के किनारे लगे जामुन के पेड़ को काटते समय विवाद बढ़कर विकराल रूप ले लिया।

26 साल में दूसरी बार नीतीश की भाजपा से दूरी

कब-कब और क्यों आई दोनों में दरार

पटना, 9 अगस्त (एजेंसियां)। बिहार में एक बार फिर से भाजपा और जदयू का गठबंधन टूट सकता है। 26 साल के साथ में ये दूसरी बार है जब नीतीश भाजपा से अलग हो रहे हैं। नीतीश कुमार समता पार्टी के दौर से ही भाजपा के साथ आ गए थे। 2000 में जब पहली बार मुख्यमंत्री बने तब भाजपा के साथ ही थे। तब से लेकर अब तक सात बार वह इस पद पर रह चुके हैं। इनमें से पांच बार शपथ के दौरान भाजपा उनकी सहयोगी थी।

जब 2000 में पहली बार मुख्यमंत्री बने

2000 में विधानसभा चुनाव हुए। तब नीतीश कुमार की पार्टी का नाम समता पार्टी था। भाजपा, समता पार्टी और कुछ अन्य छोटे दलों ने मिलकर चुनाव लड़ा। वहीं, राजद, कांग्रेस, कम्युनिस्ट पार्टी एकसाथ मैदान में थे। एनडीए गठबंधन को चुनाव में 151 सीटें मिलीं। भाजपा ने 67 सीटें जीती थीं। नीतीश कुमार की पार्टी के 34 उम्मीदवार चुनाव जीते थे। केंद्र में अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार थी। एनडीए गठबंधन ने नीतीश कुमार को मुख्यमंत्री चुन लिया। नीतीश ने सीएम पद की शपथ भी ले ली। हालांकि, बहुमत का आंकड़ा 163 था। राजद की अगुआई वाली यूपीए के पास 159 विधायक थे। बहुमत का आंकड़ा नहीं होने के कारण नीतीश को सात दिन के अंदर ही इस्तीफा देना पड़ा और यूपीए गठबंधन की सरकार बनी।

2005 में जब जदयू-भाजपा ने मिलकर लड़ा चुनाव

ये बात 2005 विधानसभा चुनाव की है। चुनाव से दो साल पहले यानी 2003 में समता पार्टी नए नाम जदयू के तौर पर अस्तित्व में आई। इसमें नीतीश कुमार की समता पार्टी के साथ लोक शक्ति, जनता दल (शरद यादव ग्रुप), राष्ट्रीय लोक समता पार्टी का विलय हो गया था। जदयू और भाजपा ने मिलकर एनडीए गठबंधन में चुनाव लड़ा। फरवरी में हुए इस चुनाव में किसी भी गठबंधन या दल को बहुमत नहीं मिला। राम विलास पासवान की लोजपा को 29 सीटें मिलीं। पासवान जिसके साथ जाते उसकी सरकार बनती। लेकिन, पासवान दलित या मुस्लिम मुख्यमंत्री बनाने की मांग पर अड़ गए। दोनों ही गठबंधन उनकी शर्त मानने को तैयार नहीं हुए। क्योंकि, एक तरफ तत्कालीन मुख्यमंत्री राबड़ी देवी नेता थीं, तो दूसरी तरफ नीतीश कुमार गठबंधन के नेता थे। छह महीने राज्य में राष्ट्रपति शासन रहा। नए सिरे से चुनाव हुए। इस बार एनडीए गठबंधन में शामिल जदयू को 88 और भाजपा को 55 सीटें मिलीं। जो बहुमत के आंकड़े 122 से काफी ज्यादा था। नीतीश कुमार दूसरी बार मुख्यमंत्री बने और पांच साल का कार्यकाल पूरा किया।

2010 में तीसरी बार किंग बने नीतीश

एनडीए गठबंधन ने 2010 में भी साथ में मिलकर चुनाव लड़ा। तब जदयू को 115, भाजपा को 91 सीटें मिलीं। लालू प्रसाद यादव की राजद 22 सीटों पर सिमटकर रह गई। तब तीसरी बार नीतीश कुमार को बिहार की सत्ता मिली। वह मुख्यमंत्री बने।

2013 में टूटा 17 साल पुराना साथ

2013 में नीतीश ने 17 साल पुराने साथ का साथ छोड़ा था। तब भाजपा ने गुजरात के तत्कालीन मुख्यमंत्री नरेंद्र मोदी को प्रधानमंत्री पद का उम्मीदवार बनाया था। नीतीश कुमार भाजपा के इस फैसले से सहमत नहीं थे। उन्होंने एनडीए से अलग होने का फैसला ले लिया।

खामोशी से नीतीश ने सब कुछ बदल दिया

राजद को सबसे बड़ी पार्टी बनने दिया, ताकि सरकार गिरे तो बीजेपी को मौका न मिले

2015 में 71 सीट जीतने वाली JDU 2020 में 43 सीट पर सिमट गई। उसी समय नीतीश को सब समझ आ गया था। तब चिराग बने थे वजह, अब RCP सिंह।

पटना, 9 अगस्त (एजेंसियां)। भाजपा-जेडीयू की दरार 389 दिन में खाई में बदल गई। जाहिर है, नीतीश कुमार और बीजेपी की राहें अलग होने की स्क्रिप्ट एक सप्ताह या एक महीने में तैयार नहीं हुई है। बिहार विधानसभा चुनाव के रिजल्ट के बाद से ही नीतीश मौके की तलाश में थे। एनडीए में शामिल वीआईपी के सभी 3 विधायकों को तोड़कर भाजपा ने जब अपनी पार्टी में मिला लिया, तब से नीतीश और सजग हो गए। उन्हें समझ में आ गया कि भाजपा अपनी सहयोगी पार्टी को भी नहीं छोड़ेगी।

इसी बीच महाराष्ट्र में उद्धव सरकार का गिरना और आरसीपी सिंह से बढ़ती बीजेपी की नजदीकियों से नीतीश और डर गए। फिर उन्होंने खामोशी से अपनी राह पकड़ ली। भविष्य में किसी भी खतरे से निपटने के लिए उन्होंने पहले ही सब कदम उठा लिए।

सबसे बड़ी पार्टी का तमगा छीना

विधानसभा में बीजेपी डेढ़ महीने पहले तक सबसे बड़ी पार्टी थी। उसने वीआईपी के तीनों विधायकों को शामिल कराया और राजद से यह तमगा छीन लिया। नीतीश को यहीं से चाल समझ में आ गई, उन्होंने विधानसभा में सबसे बड़ी पार्टी बीजेपी को पीछे छोड़ने के लिए राजद में असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी एआईएमआईएम के चार विधायकों को शामिल करा दिया। ऐसा करके नई सरकार का दावा करने के बीजेपी के मंसूबे पर पानी फिर गया। अक्सर होता यह है कि विपक्षी पार्टी के विधायक सरकार चला रही पार्टी में शामिल होते हैं, जबकि यहां उल्टा हुआ।

ऑपरेशन आरसीपी सिंह

आरसीपी सिंह जदयू से दूर होकर बीजेपी की तरफ झुक गए। सबसे पहले नीतीश ने उन्हें केंद्रीय मंत्री पद से हटाने के लिए राज्यसभा नहीं भेजा। इसी दौरान महाराष्ट्र में उद्धव सरकार के गिरने के तरीके से नीतीश और सजग हो गए। एकनाथ शिंदे की तर्ज पर आरसीपी सिंह बिहार में कैंप करके कुछ बड़ा करने की तैयारी में थे। यह भी बात आई कि वह जदयू के विधायकों को अपने पाले में करने में लगे हैं। यह भनक लगते ही नीतीश ने उनकी जांच कराई। पार्टी की तरफ से नोटिस देकर 9 साल में 58 प्लॉट खरीदने और उसमें हेराफेरी करने का जवाब मांग लिया। मजबूरन आरसीपी सिंह को इस्तीफा देना पड़ा।

बिहार में बीजेपी आरसीपी सिंह के साथ तेजी से सक्रिय हो गई थी। झारखंड कांग्रेस के तीन विधायक पश्चिम बंगाल में नोट के साथ पकड़े गए। नीतीश को डर था कि कहीं कांग्रेस के विधायक टूट कर भाजपा में न जा मिलें। इसलिए उन्होंने सोनिया गांधी को फोन करके सजग किया और महागठबंधन में शामिल होने को लेकर बात की।

विधानसभा चुनाव में सबसे ज्यादा 74 सीटें भाजपा ने जीती थीं। 43 सीटें नीतीश कुमार की पार्टी जेडीयू को मिली थीं। फिर भी बीजेपी ने नीतीश कुमार के नेतृत्व में सरकार बनाई, लेकिन डेढ़ साल में ही भाजपा को लगने लगा कि वह दूसरे नंबर की पार्टी बनकर रह गई है। राज्य के नेताओं की सरकार और प्रशासन में सुनवाई नहीं हो रही थी। नीतीश कुमार आरजेडी की इफ्तार पार्टी में शामिल हुए। लालू प्रसाद के बेटे तेजस्वी और उनकी पार्टी आरजेडी से बढ़ती नीतीश की नजदीकी से भाजपा डर गई। यहीं से भाजपा नेताओं ने सुशासन को लेकर सवाल खड़े करने शुरू कर दिए गए। बीजेपी अपने दम पर सरकार बनाने की तैयारी में जुट गई।

उधर, केंद्र में रामचंद्र सिंह (आरसीपी) को भाजपा के केंद्रीय नेताओं ने ज्यादा भाव देना शुरू कर दिया। आरसीपी सिंह के सहारे भाजपा जेडीयू के विधायकों को तोड़कर और कांग्रेस विधायकों के सहारे सरकार बनाने की अंदर ही अंदर तैयारी कर रही थी। राज्यसभा में नहीं भेजे जाने से नाराज आरसीपी सिंह इस मिशन में लग भी गए। वह लगातार बिहार में जदयू के विधायकों से संपर्क कर रहे थे।

बिहार विधानसभा चुनाव में जेडीयू को सिर्फ 43 सीटें आईं, जबकि 2015 में उसे 71 सीटें मिली थीं। चुनाव के समय चिराग पासवान ने नारा दिया था- मोदी से बैर नहीं, नीतीश की खैर नहीं।

धंधेबाजों ने बेच डाला एडीए का पार्क

रामायण कालीन के दृश्य दिखाने के लिए होना है निर्माण

अयोध्या, 9 अगस्त (एजेंसियां)। जमीन के अवैध कारोबार की ऐसी लूट कि अयोध्या विकास प्राधिकरण (एडीए) के प्रस्तावित पार्क के भी टुकड़े-टुकड़े कर डाले। सरयू के डूब क्षेत्र में इस पर कॉलोनी बनानी शुरू कर दी। पार्क की पूरी जमीन 14 कोसी परिक्रमा मार्ग और सरयू नदी के बीच स्थित है। यह पार्क मास्टर प्लान में भी शामिल है।

अयोध्या देवराई वन लगाने के साथ वैदिक सिटी बनाने का काम चल रहा है। इसमें रामायण कालीन पौधे रोपे जा रहे हैं। यहां आने वालों को रामायण कालीन वातावरण उपलब्ध कराने की योजना है। इसके लिए यहां प्राकृतिक दृश्य तैयार किए जाने हैं। मास्टर प्लान में सरयू और परिक्रमा मार्ग के बीच सरयू तट के गोलाघाट से जमथरा की जमीन को पार्क के रूप में विकसित करने का निश्चय किया है। पार्क में रामलला के बालपन के क्रियाकलापों से शुरू करके वन को जाने तक के दृश्यों दर्शाने की योजना है। डूब क्षेत्र की जमीन होने के कारण यहां पक्का निर्माण नहीं हो सकता है।

तेजी से बनने लगे मकान

गोलाघाट से जमथरा की यह लगभग पांच किलोमीटर की जमीन है। इसके किनारे बंधे और सड़क से श्रद्धालुओं के आने जाने की व्यवस्था होगी। इससे सटी सीता झील आकर्षण का केंद्र होगी। अयोध्या पहुंचने वाले श्रद्धालु सरयू के तट से होते हुए श्रीराम के गोलोकवास प्रयाण स्थल गुप्तार घाट तक मनोरम दृश्यों के देख सकेंगे। लेकिन जमीन के अवैध कारोबारियों की नजर इस पर लग गई।

प्लाटिंग और कॉलोनी का काम इस इलाके में पहले से भी हो रहा है लेकिन श्रीराम मंदिर पर फैसला आने के बाद तो यहां पूरा शहर बसाया जाने लगा। काफी दिनों बाद प्राधिकरण की नजर अवैध प्लॉटिंग और कॉलोनी पर गई तो कुछ दिन पहले इनका ध्वस्तीकरण शुरू हुआ। अब प्राधिकरण का कहना है कि इस क्षेत्र में अवैध प्लॉटिंग व निर्माण नहीं करने दिया जाएगा।

14 कोसी परिक्रमा मार्ग और सरयू के बीच पार्क प्रस्तावित है। विकास प्राधिकरण की तरफ से बनाए गए मास्टर प्लान में इसे पार्क के रूप में विकसित करने के लिए योजना तैयार की गई है। इस क्षेत्र में एडीए से कोई नक्शा पास नहीं किया गया है। इस जमीन पर जितने भी अवैध निर्माण हैं, उन्हें ध्वस्त किया जाएगा। इस क्षेत्र में अवैध प्लॉटिंग व अवैध कॉलोनियां नहीं बसाने दी जाएंगी।

यूपी के कथावाचक पर एमपी में एफआईआर

कथा सुनाने आए युवक की युवती से आंखें मिली, दुष्कर्म का मामला दर्ज

भिंड, 9 अगस्त (एजेंसियां)। भिंड के दबोह थाना क्षेत्र में उत्तर प्रदेश के एक कथा वाचक पर दुष्कर्म का आरोप लगाते हुए एक युवती ने एफआईआर दर्ज कराई। दबोह थाना पुलिस ने दुष्कर्म का मामला दर्ज कर आरोपी को पकड़ लिया। पुलिस ने आगे की विवेचना शुरू कर दी।

पुलिस के मुताबिक रायपुरा गांव में रहने वाली 23 वर्षीय युवती ने शिकायत दर्ज कराई है कि उत्तर प्रदेश के चुर्खीवाला जिला जालौन उत्तर प्रदेश के रहने वाले कथा वाचक राघवेंद्र खेमरिया को गांव वालों ने बुलाया था। यहां कथा वाचक गांव में कथा सुनाने आया था। इस दौरान दोनों में मेल मिलाप हुआ। इसी दौरान एक दिन अकेला पाकर कथा वाचक ने दुष्कर्म किया। पहले तो मैं डर गई किसी से कुछ नहीं कहा फिर इस बात की खबर परिवार वालों को दी।

परिवार वालों कथा के लिए फिर बुलाया और बंधक बना लिया। वहीं पीड़िता ने पुलिस थाने में कथा वाचक के खिलाफ दुष्कर्म का आरोप लगाया। पुलिस ने प्रथम दृष्टया मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस ने पूरे मामले में छानवीन शुरू कर दी है। कथा वाचक को दुष्कर्म के आरोप में जेल भेज दिया गया है।

माफिया अतीक अहमद पर नया शिकंजा

बेटे अली की निशानदेही पर पिस्टल-कारतूस बरामद

प्रयागराज, 9 अगस्त (एजेंसियां)। पूर्व सांसद माफिया अतीक अहमद पर नया शिकंजा कस गया है। उसके बेटे अली ने प्रॉपर्टी डीलर जीशान की जमीन पर बुलडोजर चलवाने के साथ ही फायरिंग भी की थी। पुलिस ने अली की निशानदेही पर पिस्टल और दो कारतूस बरामद किया है। पूछताछ के बाद पुलिस ने अली को नैनी जेल भेज दिया है। अतीक के साढ़ू इमरान के भाई जीशान ने 31 दिसंबर 2021 को अली समेत अन्य के खिलाफ पांच करोड़ की रंगदारी मांगने, जानलेवा हमला करने और प्रॉपर्टी पर जेसीबी से कब्जा करने का मुकदमा कराया था। इस मुकदमे में फरार 50 हजार के इनामी अली ने कोर्ट में आत्मसमर्पण किया था।

काकोरी ट्रेन एक्शन की याद में टिकट अनावरण

योगी बोले- जाति, धर्म और क्षेत्र में बंटकर देश को कमजोर न होने दें

लखनऊ, 9 अगस्त (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने देश की एकता और अखंडता के लिए सभी देशवासियों से एकजुट होने की अपील की है। आजादी का अमृत महोत्सव की श्रृंखला में काकोरी ट्रेन एक्शन की वर्षगांठ पर काकोरी के शहीद मंदिर में मंगलवार को आयोजित कार्यक्रम में उन्होंने प्रदेशवासियों से आजादी का अमृत महोत्सव पूरे जोश और उल्लास के साथ हर घर तिरंगा फहराकर मनाने के लिए कहा। इस मौके पर उन्होंने काकोरी ट्रेन एक्शन की याद में डाक टिकट का अनावरण किया। संस्कृति विभाग के रेडियो जयघोष का शुभारंभ करने के साथ ही उन्होंने स्वतंत्रता संग्राम सेनानी, क्रांतिकारियों और शहीदों के परिजनों को सम्मानित भी किया। इस मौके पर उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक के साथ ही विधायक जयदेवी, आशुतोष टंडन और महेंद्र सिंह मौजूद रहे। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज ही के दिन क्रांतिकारियों ने काकोरी की प्रसिद्ध घटना को अंजाम दिया था। तमाम अत्याचारों के बावजूद देश के वीरों को विदेशी ताकतें रोक नहीं सकी थीं। उत्तर प्रदेश की इस पावन धरती पर 1857 की आजादी की पहली लड़ाई शुरू हुई। मंगल पांडेय ने मेरठ तो रानी लक्ष्मीबाई ने अपनी झांसी नहीं दूंगी, कहकर अंग्रेजों को ललकारा। काकोरी ट्रेन एक्शन, गोरखपुर में चौरी-चौरा कांड देश को आजाद कराने के लिए हुए। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के नेतृत्व में सरदार वल्लभ भाई पटेल, सुभाष चंद्र बोस, चंद्रशेखर आजाद, रामप्रसाद बिस्मिल और भगत सिंह जैसे वीरों की वजह से देश आजाद हुआ।

ऐ भाई, लालू बिना चालू ई बिहार ना होई

नीतीश सरकार में तेजस्वी की एंट्री से पहले बहन रोहिणी ने सुनाया गाना

पटना, 9 अगस्त (एजेंसियां)। बिहार का सियासी स्वरूप बदलाव के अंतिम पायदान पर है। नीतीश कुमार मुख्यमंत्री तो बने रहेंगे लेकिन उनके साथी बदल जाएंगे। बीजेपी की जगह राजद, कांग्रेस और माले के नेता उनके नये सहयोगी बन जाएंगे। डिप्टी सीएम की कुर्सी पर तारकिशोर प्रसाद की जगह तेजस्वी यादव बैठेंगे। सत्ता में फिर से लौटने की खुशी राजद परिवार में दिखने लगी है। भाई तेजस्वी यादव की उपमुख्यमंत्री के रूप में ताजपोशी के पहले बहन रोहिणी गाना सुनाकर अपनी खुशी का इजहार कर रही है। आचार्य ने लिखा है- राजतिलक की करो तैयारी, आ रहे हैं लालटेनधारी।

श्रीकांत त्यागी की गिरफ्तारी पर पुलिस मुख्यालय में हलचल तेज

सीएम आवास पहुंचे अपर मुख्य सचिव

लखनऊ, 9 अगस्त (एजेंसियां)। नोएडा में महिला से अभद्रता के आरोपी श्रीकांत त्यागी की गिरफ्तारी के बाद पुलिस मुख्यालय में हलचल तेज हो गई है। पुलिस महानिदेशक डॉ. डीएस चौहान ने इस मामले पर बैठक बुला ली है जिसमें एडीजी कानून व्यवस्था प्रशांत कुमार समेत पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद हैं। डीजीपी चौहान, त्यागी की गिरफ्तारी और इसके बाद होने वाली कार्रवाई को लेकर चर्चा कर रहे हैं। उधर, अपर मुख्य सचिव गृह अवनीश कुमार अवस्थी भी पांच कालिदास मार्ग स्थित मुख्यमंत्री आवास पहुंच गए हैं। बताया जा रहा है कि अवस्थी मुख्यमंत्री को त्यागी की गिरफ्तारी के संबंध में जानकारी देंगे। श्रीकांत त्यागी को मंगलवार एसटीएफ ने गिरफ्तार कर लिया है। उसके साथ उसके तीन साथी भी गिरफ्तार हुए हैं। वह अपने करीबी के घर में छिपा हुआ था। पुलिस कमिश्नर आलोक पांडेय ने उसकी गिरफ्तारी

की पुष्टि की है। आपको बता दें कि ग्रैंड ओमेक्स सोसाइटी में रहने वाले श्रीकांत त्यागी का शुक्रवार को कुछ पौधे लगाने को लेकर महिलाओं से विवाद हो गया था। महिलाओं ने श्रीकांत त्यागी पर पौधे लगाकर जमीन कब्जाने का आरोप लगाया। श्रीकांत ने एक महिला से अभद्रता करते हुए गालियां देकर धमकाया था। जिसका वीडियो वायरल हो जाने पर पुलिस ने छेड़छाड़ का मुकदमा दर्ज किया था। उसकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस लगातार दबिश दे रही थी और कई टीमें बनाई गई थीं। उसे भगोड़ा घोषित कर उस पर 25 हजार रुपये का ईनाम भी घोषित किया गया था।

यूपी के बदमाशों का गिरोह पकड़ा

महिलाओं को करते थे टारगेट, भिंड पुलिस ने अवैध हथियार समेत दबोचा

भिंड, 9 अगस्त (एजेंसियां)। भिंड की देहात थाना पुलिस ने वारदात की नीयत से घूम रहे चार बदमाशों को पकड़ा। ये बदमाशों का सॉफ्ट टारगेट महिलाएं होती थी। ये महिला के साथ कट्टे की दम पर लूट करते थे। मौका मिल जाए तो झांसा देकर गहने उतरवार कर ठगी का शिकार भी करते थे। आरोपियों से एक लग्जरी गाड़ी व दो कट्टे बरामद हुए।

देहात थाना पुलिस के मुताबिक केंद्रीय विद्यालय के पास एक संदिग्ध कार खड़ी होने की सूचना मुखबिर ने पुलिस को दी। मुखबिर ने बताया कि यूपी के कुछ बदमाश भिंड में घूम रहे है। वे लूट और ठगी की वारदात करते है। इन का सॉफ्ट टारगेट महिलाएं होती है। इस सूचना से जिले के वरिष्ठ अफसरों को अवगत कराया गया। जिस पर पुलिस ने फील्डिंग लगाई और बदमाशों की घेराबंदी की

गई। पुलिस को देख आरोपी ने भागना चाहा परंतु समय रहते रात पौने 11 बजे यूपी 83 एस 1317 कार को पकड़ा। इस कार में अनिल राठौर, संजीद अली, रशीद खां, यूनीस खां को दबोच लिया। पहले इन आरोपियों द्वारा स्वयं को पाक-साफ बताया गया। जब इन आरोपियों की तलाश की गई तो उनसे 315 बोर के दो कट्टे और सात जिंदा कारतूस बरामद हुए। इन आरोपियों की खैर खबर लेते हुए पूछताछ की गई तो उन्होंने हकीकत बयां कर दी। आरोपियों ने बताया कि वो लूट व ठगी की वारदात करने की फिराक में थे। इस पर पुलिस आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज लिया।

पुलिस का कहना है कि बदमाश नकली पुलिस बनकर कई वारदातें यूपी में कर चुके है। इन के द्वारा भिंड या आसपास एरिया में कितनी वारदातें की गई। इस की जानकारी जुटाई जा रही है। आरोपियों ने पूछताछ के दौरान पुलिस के सामने बताया कि वे नकली पुलिस बनकर महिला को झांसा में लेते थे।

फिर उनके गहने उतरवाकर असली के बदले नकली थमा देते थे। इस तरह की वारदातें यूपी में कई जगह कर चुके हैं।

पूर्व विधायक की बेटी के घर पर बमबाजी

हमले में भाजपा जिला मंत्री के भाई घायल एक बदमाश टोपी दूसरे ने लुंगी पहनी थी

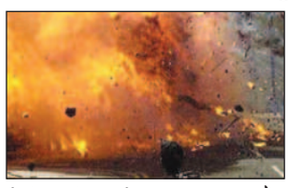

प्रयागराज, 9 अगस्त (एजेंसियां)। प्रयागराज में भाजपा जिला मंत्री संगीता पटेल के घर पर बमबाजी हुई। बमबाजी में उनके भाई विकास घायल हो गए हैं। संगीता पटेल पूर्व विधायक रंग बहादुर पटेल की बेटी हैं।

स्कूटी सवार बदमाशों ने पहले गाली देते हुए बाहर निकलने के लिए आवाज दी। इसके बाद एक के बाद एक दो बम फेंक दिए। बम फेंकते ही आस-पास धुआं हो गया। सीसीटीवी में बदमाशों की तस्वीर कैद हो गई है। पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। साथ ही बदमाशों की तलाश शुरू कर दी है। शिवकुटी थाना क्षेत्र के तेलियरगंज में स्वर्गीय रंग बहादुर पटेल पूर्व विधायक की बेटी संगीता पटेल का मकान हैं। संगीता भाजपा की जिला मंत्री हैं। वे मकान में अपने परिवार के साथ रहती हैं। उनका भाई विकास भी साथ में ही रहता है। विकास का आरोप है कि सोमवार की रात स्कूटी से दो बदमाश आए थे, इन लोगों ने गाली देने के साथ ही बाहर निकलने के लिए आवाज दी। इसके बाद घर पर बमबाजी की। विकास ने बताया, उसे निशाना बनाकर ही बम फेंके गए है, जिससे कुछ छर्रे लगने से वह घायल हो गए है। उनमें से बम फेंकने वाले ने मुंह को गमछे से ढक रखा था और लुंगी पहन रखी थी। विकास की तहरीर पर अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। थानाध्यक्ष मनीष त्रिपाठी ने बताया कि बम फेंकने वाला सीसीटीवी में कैद हुआ है। उसकी पहचान की जा रही है। पीड़ित ने पुरानी रंजिश में कुछ के ऊपर आशंका जाहिर की है। जांच कर जल्द ही आरोपी को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

अवैध शराब बरामद

पुलिस को 2 करोड़ की अवैध शराब और बीयर मिली, बिहार जा रही थी खेप

चंदौली, 9 अगस्त (एजेंसियां)। चंदौली के सैयदराजा थाने की पुलिस ने बरठी गांव के पास से एक कंटेनर से लगभग दो करोड़ कीमत की अवैध शराब और बीयर बरामद की है। इस दौरान तस्कर पुलिस को चकमा देकर मौके से फरार हो गए। पुलिस ने वाहन को जब्त करके अवैध शराब को सीज कर दिया है। कोतवाल शेषधर पांडेय ने बताया कि बरामद शराब हरियाणा प्रांत से निर्मित है। तस्कर शराब की खेप को लेकर बिहार में बेचने के लिए जा रहे थे। हालांकि जांच के दौरान शराब को वाहन के साथ जब्त कर लिया गया। जानकारी के अनुसार सैयदराजा थाना प्रभारी शेषधर पांडेय साथियों के साथ एनएच पर संदिग्ध वाहनों की जांच कर रहे थे। इसी बीच बरठी के पास सेल टैक्स के यार्ड के पास एक कंटेनर वाहन को पुलिस कर्मियों ने रुकने का इशारा किया।

तभी चालक वाहन को सड़क के किनारे खड़ा करके मौके से भाग निकला। आशंका होने पर पुलिस कर्मियों ने वाहन के पिछले हिस्से में लगा गेट खोलकर देखा तो बड़े पैमाने पर हरियाण प्रांत निर्मित अंग्रेजी शराब और बीयर बरामद हुई। इसमें 628 पेटी अंग्रेजी शराब और 86 पेटी बीयर शामिल है।

बांग्लादेशी बंदरगाहों से पूर्वोत्तर राज्यों में सामान भेजेगा भारत, पहला जहाज मोंगला पहुंचा

ढाका, 9 अगस्त (एजेंसियां)। भारत ने बांग्लादेश के बंदरगाहों का इस्तेमाल कर अपने पूर्वोत्तर राज्यों में सामान भेजना शुरू कर दिया है। भारत ने मंगलवार को दो प्रमुख बंदरगाहों का इस्तेमाल करके पूर्वोत्तर राज्यों में माल के ट्रांस-शिपमेंट के लिए ट्रायल रन शुरू किया है। द्विपक्षीय समझौते के तहत इस सामान को सड़क मार्ग के जरिये भारत के पूर्वोत्तर क्षेत्र में पहुंचाया जाएगा। इससे पहले बांग्लादेश के दक्षिण-पश्चिम मोंगला समुद्री बंदरगाह पर सोमवार को माल के साथ पहला भारतीय जहाज पहुंचा था। बता दें कि ये ट्रायल रन शुरू में

जुलाई के लिए निर्धारित किए गए थे, लेकिन बांग्लादेशी अधिकारियों को सीमा शुल्क प्रक्रियाओं को पूरा करने में समय लगा जिसके चलते इसे अगस्त में शुरू किया गया। यह घटनाक्रम ऐसे समय में सामने आया है जब सितंबर के पहले सप्ताह में बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना के भारत आने की योजना है। मोंगला बंदरगाह के अधिकारियों ने कहा कि परीक्षण के तौर पर कोलकाता बंदरगाह से एमवी रिशद रेहान यहां पहुंचा। चार साल पहले हुए द्विपक्षीय समझौते के तहत यह जहाज 'ट्रांसशिपमेंट' के तहत आया है। इसके तहत भारत से वस्तुओं को लाने और दूसरी जगह ले जाने के लिये बांग्लादेश के मुख्य पूर्वोत्तर चटगांव समुद्री बंदरगाह और मोंगला बंदरगाह का उपयोग किया जाना है। मोंगला बंदरगाह प्राधिकरण के चेयरमैन रियर एडमिरल मोहम्मद मुसा ने संवाददाताओं से कहा, ''एमवी रिशद रेहान पहला भारतीय जहाज है जो हमारे बंदरगाह पर माल के साथ पहुंचा है। यह माल माल भारत के पूर्वोत्तर क्षेत्र में सड़क मार्ग से पहुंचाए जाने के लिए है।'' जहाज पर 16,380 टन लोहे के पाइप और 8.5 टन 'प्रीफोम' थे। इसकी अगवानी ढाका में भारतीय उच्चायोग के अधिकारियों ने की। इससे पहले, पिछले महीने चटगांव बंदरगाह पर भारतीय सामान से लदा जहां पहुंचा था। जिसे बाद में भारत के त्रिपुरा और असम पहुंचाया गया। बांग्लादेश के अधिकारियों ने कहा कि सीमा शुल्क अधिकारियों और देश की सुरक्षा एजेंसियों को भारतीय सीमा तक कंटेनरों को सुरक्षित पहुंचाने का जिम्मा सौंपा गया था। दोनों देशों ने 2015 में एक प्रारंभिक 'ट्रांसशिपमेंट' समझौता किया था। जिसके बाद 2018 में एक विस्तृत समझौता हुआ और बांग्लादेश और भारतीय अधिकारियों ने बाद में इसके क्रियान्वयन के लिए एक मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) तैयार की।

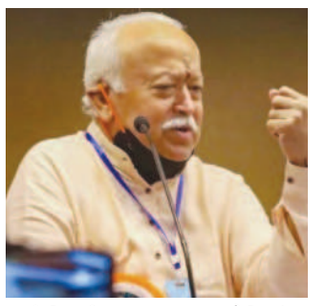

दक्षिण भारतीय मंदिरों की मुक्ति के लिए आरएसएस शुरू करेगा आंदोलन, हिंदुओं के लिए अयोध्या चलो मुहिम

नई दिल्ली, 9 अगस्त (एजेंसियां)। राष्ट्रीय स्वयं संघ अब दक्षिण भारत में अपने कामकाज को तैजी से फैलाने की तैयारी कर रहा है। संघ अब दक्षिण में मंदिरों को सरकार के नियंत्रण से मुक्त कराने के लिए व्यापक स्तर पर अभियान और जन आंदोलन खड़ा करने की बड़ी तैयारी कर रहा है। राम मंदिर निर्माण और प्राण प्रतिष्ठा के बाद देशभर के हिंदुओं को अयोध्या जाने के लिए भी प्रेरित किया जाएगा। हाल ही में संघ प्रमुख डॉ. मोहन भागवत ने विहिप के प्रांतीय संगठन एवं क्षेत्रीय मंत्रियों के साथ चर्चा में संघ के शताब्दी समारोह के कार्यक्रमों को लेकर चर्चा की थी। इसमें यह भी तय किया गया कि अब संघ की गतिविधियां दक्षिण भारत में तेजी से फैलाई जाएं।

देश में सबसे ज्यादा मंदिर दक्षिण भारत के राज्यों में ही है। वहां संघ की ओर से इन मंदिरों को सरकारी नियंत्रण से मुक्त कराने की मुहिम चलाई जाएगी। जानकारी के अनुसार, देश के 44 प्रांतों से आए विहिप के प्रचारकों से संघ प्रमुख भागवत ने अगले दो सालों में संघ के शताब्दी समारोह के दौरान जिन कार्यक्रमों को हाथ में लिया जाएगा, उनके रोड मैप पर भी मंथन किया गया। शताब्दी वर्ष में बड़ी संख्या में संघ के प्रचारक और स्वंय सेवक इन कार्यक्रमों को सफल बनाने के लिए माहौल तैयार करेंगे। इसके अलावा चलो अयोध्या का नारा बुलंद करने के लिए सभी राज्यों में मुहिम चलेगी। अयोध्या के संदर्भ में विहिप के राष्ट्रीय पदाधिकारियों ने डॉ. भागवत के सामने अगले दो साल के कार्यक्रमों का ब्योरा रखा। इसमें बताया गया कि 2024 में मंदिर निर्माण पूरा होने और प्राण प्रतिष्ठा संपन्न होने के बाद देशभर से हिंदू धर्मावलंबियों को अयोध्या आने को प्रेरित करने के लिए जन आंदोलन तेज किया जाएगा। इस अभियान को राम राज्य से जोड़ने की कार्ययोजना भी तैयार हो रही है।

टीएमसी कार्यकर्ताओं ने पार्टी विधायक के घर की तोड़फोड़

कोलकाता, 9 अगस्त (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले में तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के विधायक इदरिस अली के घर पर उनकी ही पार्टी के कार्यकर्ताओं ने तोड़फोड़ की है। टीएमसी कार्यकर्ताओं ने ये आरोप लगाया है कि पार्टी के स्थानीय संगठन में पदों के बंटवारे के लिए पैसा लिया गया। वहीं पूर्व लोकसभा सांसद अली ने इन आरोपों को निराधार बताया है और ये दावा किया है कि टीएमसी के कुछ स्थानीय नेता संदिग्ध पृष्ठभूमि वाले लोगों को पार्टी के ब्लॉक-स्तरीय संगठन में लाने की कोशिश कर रहे हैं। अली ने कहा कि टीएमसी के कुछ स्थानीय नेताओं ने मेरी कार और मेरे घर के निचले तल में तोड़फोड़ की। पार्टी पदों के आवंटन के बदले वित्तीय अनियमितताओं का आरोप निराधार है और मुझे बदनाम करने के लिए राजनीति से प्रेरित है। अली ने कहा कि कुछ स्थानीय नेता इस तरह के सौदों में शामिल हैं और ब्लॉक स्तर के संगठन में ऐसे लोगों का प्रवेश सुनिश्चित करने की कोशिश कर रहे हैं। तोड़फोड़ के बाद भगोबंगोला क्षेत्र में बड़ी संख्या में पुलिस बल की तैनाती की गई है। पार्थ चटर्जी की वजह से भी टीएमसीकी छवि हो चुकी है खराब शिक्षक भर्ती घोटाले में फंसे पार्थ चटर्जी की वजह से भी ममता बनर्जी और उनकी पार्टी टीएमसी पक्ष के निशाने पर रह चुकी है। हालही में खबरें आईं थीं कि पश्चिम बंगाल सरकार ने चटर्जी के करीबी माने जाने वाले नौकरशाहों पर प्रशासनिक कार्रवाई शुरू कर दी है। इनमें से दो नौकरशाहों को राज्य के कार्मिक और प्रशासनिक सुधार विभाग द्वारा अनिश्चित काल के लिए छुट्टी पर भेज दिया गया है। ये विभाग मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के सीधे नियंत्रण में हैं। न दोनों अधिकारियों में से एक पश्चिम बंगाल सिविल सेवा (कार्यकारी कार्यालय) सुकांत आचार्य हैं, (जो राज्य के शिक्षा मंत्री के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान और साथ ही जब वह वाणिज्य और उद्योग मंत्री थे) तब चटर्जी के निजी सहायक रहे थे। 2016 के पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में आचार्य बेहाला (पश्चिम) निर्वाचन क्षेत्र के लिए रिटर्निंग ऑफिसर भी थे, जहां चटर्जी 2001 से तृणमूल कांग्रेस के पांच बार विधायक रहे। सरे नौकरशाह प्रबीर बंद्योपाध्याय हैं, जो राज्य संसदीय मामलों के विभाग के विशेष कर्तव्य अधिकारी हैं (जो 2011 से चटर्जी के नियंत्रण में थे), वह तब से चटर्जी के करीबी हैं, जब तृणमूल पहली बार पश्चिम बंगाल में 34 साल लंबे वाम मोर्चा शासन को हटाकर सत्ता में आई थी।

ताजिया जुलूस के दौरान करंट से दो की मौत

दस लोग घायल

अहमदाबाद, 9 अगस्त (एजेंसियां)। गुजरात के जामनगर शहर में निकाले जा रहे ताजिया जुलूस के दौरान करंट लगने से दो लोगों की मौत हो गई और 10 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। बी-संभाग थाने के एक अधिकारी ने बताया कि घटना सोमवार की रात करीब सवा 11 बजे हुई, जब जुलूस शहर के धारानगर मोहल्ले से गुजर रहा था। मुस्लिम समुदाय के लोग कर्बला की लड़ाई में पैगंबर मोहम्मद के नवासे इमाम हुसैन की शहादत की याद में मुहर्रम मनाते हैं। अधिकारी ने बताया कि इमाम हुसैन के मकबरे की एक छोटी प्रतिकृति ताजिया के बिजली के तार से छू जाने के बाद उसमें करंट आ गया, जिसकी चपेट में 12 लोग आ गए।

ताजिया में करंट आने से हुआ हादसा

उन्होंने बताया कि ताजिया के तार को छूते ही उसके सिरे से एक चिंगारी निकलती दिखाई दी। ताजिया के संपर्क में आए लोगों को बिजली का झटका लगा। सभी 12 लोगों को एक सरकारी अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने दो लोगों को मृत घोषित कर दिया। अधिकारी ने बताया कि मृतकों की पहचान आसिफ यूनुस भाई मलिक (23) और मोहम्मद वहीद (25) के तौर पर हुई है। इस साल मुहर्रम की शुरुआत 31 जुलाई से हुई । मुहर्रम की 10वीं तारीख यौम-ए-आशूरा के नाम से जानी जाती है। ये इस्लाम धर्म का प्रमुख दिन होता है। ऐसी मान्यता है कि मोहर्रम के महीने में हजरत इमाम हुसैन की शहादत हुई थी। हजरत इमाम हुसैन इस्लाम धर्म के संस्थापक हजरत मुहम्मद साहब के छोटे नवासे थे। हजरत इमाम हुसैन की शहादत की याद में मुहर्रम के महीने के 10वें दिन को लोग मातम के तौर पर मनाते हैं, जिसे आशूरा कहा जाता है। आशूरा मातम का दिन होता है। इस दिन मुस्लिम समुदाय के बीच मातम मनाया जाता है। भारत में इस साल मुहर्रम की शुरुआत 31 जुलाई को हुआ था। ऐसे में आशूरा 09 अगस्त दिन मंगलवार को है।

अरुणाचल और नगालैंड में म्यांमार सीमा पार से गोलीबारी, असम राइफल्स का जेसीओ घायल

तेजपुर, 9 अगस्त (एजेंसियां)। भारत-म्यांमार सीमा पार से उग्रवादी गुटों ने आज पहले अरुणाचल प्रदेश और फिर नगालैंड में असम राइफल्स के जवानों पर गोलियां बरसाईं। अरुणाचल में घटना आज तड़के तिरप चांगलांग इलाके में हुई। वहीं, नगालैंड में डैन पांगशा में। अरुणाचल में हुई गोलीबारी में असम राइफल्स का एक जेसीसी घायल हुआ है। असम के तेजपुर स्थित रक्षा जनसंपर्क अधिकारी ने बताया कि गोलीबारी में सेना के एक जेसीओ के हाथ में मामूली चोट आई है। किसी अन्य क्षति की फिलहाल सूचना नहीं है। उधर, अरुणाचल प्रदेश की तरह ही नगालैंड में भी भारत-म्यांमार सीमा से लगे डैन पांगशा इलाके में आज संदिग्ध उग्रवादियों और असम राइफल्स के जवानों के बीच गोलीबारी की घटना हुई। नोकलक जिले के उपायुक्त हियाजू मेरू ने बताया कि घटना में अभी तक किसी के हताहत होने की कोई खबर नहीं है।

तरनतारन से गोला बारूद के साथ दो आतंकी गिरफ्तार

स्वतंत्रता दिवस पर धमाके की बड़ी योजना बेनकाब

तरनतारन (पंजाब), 9 अगस्त (एजेंसियां)। पंजाब में स्वतंत्रता दिवस से पहले बड़ी साजिश का पर्दाफाश हुआ है। तरनतारन के थाना वेरोवाल इलाके से दो आतंकियों को गिरफ्तार किया गया है। इनके कब्जे से गोला बारूद, दो पिस्टल और आधा किलो हेरोइन बरामद की गई है। यह दोनों आतंकी 15 अगस्त पर बड़ी वारदात को अंजाम देने की फिराक में थे। हालांकि उससे पहले ही इनके मंसूबों पर पानी फेर दिया गया। पकड़े गए दोनों आरोपियों की पहचान गुरविंदर सिंह उर्फ बाबा और संदीप सिंह के रुप में हुई है। बताया जा रहा है कि दोनों आतंकी सुख भिखारीवाल और हैरी चट्ठा के करीबी हैं। इनमें से गुरविंदर सिंह उर्फ बाबा एनआईए के एक अधिकारी की हत्या मामले में भी आरोपी है। साथ ही गुरविंदर सिंह शौर्य चक्र विजेता कामरेड बलविंदर सिंह की हत्या मामले में भी भगौड़ा बताया जा रहा है। एसएसपी रणजीत सिंह ढिल्लों शाम को पूरे मामले का खुलासा करेंगे। उसके बाद ही मामले की पूरी तस्वीर साफ हो पाएगी। गौरतलब है कि इससे पहले भी कई बार पंजाब को दहलाने की कोशिश की जा चुकी है। हालांकि चौकसी के कारण वह अपने इन इरादों में कामयाब नहीं हो पाए।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय
सूर्य-	कर्क में	कर्क... 04-18 बजे
चंद्र-	धनु में	सिंह... 06-30 बजे
मंगल	मेष में	कन्या 08-38 बजे
बुध-	सिंह में	तुला - 10-42 बजे
गुरु-	मीन में	वृश्चिक 12-52 बजे
शुक्र-	कर्क में	धनु--- 15-06 बजे
शनि-	मकर में	मकर- 17-12 बजे
राहु-	मेष में	कुंभ - 19-03 बजे
केतु-	तुला में	मीन... 20-42 बजे
		मेष-- 22-17 बजे
		वृष-- 00-02 बजे
		मिथुन..02-02 बजे

विक्रम श्री नल नाम संवत्- 2079
शक संवत् -1944, कलियुग अवधि-432000
भोग्य कलि वर्ष-426878
कलियुग संवत् -5123 वर्ष सूर्य-दक्षिणायने
कल्पारंभ संवत् -1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-1955885123
महावीर निर्वाण संवत् -2548,हिजरी सन् -1443
ऋतु-वर्षा,दिशाशूल-उत्तर -धनिया खाकर घर से निकले
तिथि- त्रयोदशी - 14-15 - तक उपरान्त, चतुर्दशी
मास -श्रावण शुक्ल पक्ष , बुधवार, 10 August
नक्षत्र पूर्वाषाढा - 09 -39 - तक उपरान्त, उत्तराषाढा
योग -प्रीति - 19- 34 - तक उप- आयुष्मान
करण-तैतिल - 14 -15 - तक,उप- गर
विशेष:-
व्रत -त्योहार - वृषभ मे मंगल-21 -10

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 12:21 से 13:57 तक

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र बेगम बाजार हैद्रा.

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
लाभ	06:01 - 07:35	शुभ	उत्पात	18:44 - 20:08	अशुभ
अमृत	07:35 - 09:10	शुभ	शुभ	20:08 - 21:33	शुभ
काल	09:10 - 10:46	अशुभ	अमृत	21:33 - 22:57	शुभ
शुभ	10:46 - 12:21	शुभ	चंचल	22:57 - 00:21	शुभ
रोग.	12:21 - 13:57	अशुभ	रोग	00:21 - 01:46	अशुभ
उत्पात	13:57 - 15:33	अशुभ	काल	01:46 - 03:10	अशुभ
चंचल	15:33 - 17:08	शुभ	लाभ	03:10 - 04:35	शुभ
लाभ	17:08 - 18:41	शुभ	उत्पात	04:35 - 06:01	अशुभ

आपका राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ) — आज का दिन परिवार के साथ बिताने के लिए विशेष रूप से अच्छा है। अपने माता-पिता,बहन- भाइयो या फिर जीवनसाथी के साथ शांति से कुछ वक़्त बिताएं।अपने बच्चों के साथ किसी मनोरंजक क्रियाकलाप में भाग लें। अगर काम का दबाव अधिक भी है तो भी आज उसे एक तरफ रख दें और एक साथ होने का आनंद लें।

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो) — आज आप किसी भी ,अच्छे-बुरे तरीके से अपना लक्ष्य पा लेने के मूड में हैं। काफी समय तक हाशिये पर रहने के बाद आपको आज अपने ग्रहों की बदौलत काफी आत्मविश्वास का अनुभव होगा। आप अपनी मानसिक प्रवृति के आधार पर फैसले ले सकते हैं,यकीन मानिए वे सही ही साबित होंगें।

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा) — आज आप पायेंगे कि आप कितने ही अच्छे और सही सुझाव दें,कोई आपकी बात मानने को तैयार नही है।इससे आप काफी निराश अनुभव करेंगे लेकिन आपको यह अनुभव करने की जरुरत है कि आपके सुझाव तो बेशक अच्छे हैं लेकिन आपका रवैया ऐसा है कि जैसे आप किसी पर कृपा कर रहे हैं।

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो) — यदि आप आज थोड़े से धीरज और सहनशीलता के साथ काम लें तो आज का दिन आपके लिए बहुत अच्छा हो सकता है,लेकिन धीरज बनाये रखना ही सबसे बड़ी चुनौती है। समय भी आपको रेंगता सा अनुभव होगा और आप जिस गति से चाहते हैं,उससे काम नहीं हो पायेंगे।अगर आप जल्दी भी मचाएंगे तो सब गड़बड़ हो जाएगा।

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे) — अगर कुछ लोग आपको नहीं समझ पा रहें हैं तो उन्हें अपना हरेक काम समझाने में अपना समय और ऊर्जा बर्बाद ना करें। वे कभी नही मानेंगे।आप काफी व्यस्त रहेंगे लेकिन आपको आने वाली जरूरतों के कारण पहले वाली योजनाओं में भी कुछ बदलाव करने पड सकते हैं।स्थिति की मांग के अनुसार कार्य करें।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो) — आप आज किसी मनोरंजक व्यक्ति के साथ सम्बन्ध स्थापित करेंगे। उसके साथ मजेदार बातचीत से समय अच्छा गुजरेगा। इस आदमी से सीखने और प्रेरणा लेने की कोशिश करें। इससे आपको और लोगों की मन स्थिति समझने में भी मदद मिलेगी। परिवार की यात्रा में अगर अपनी मनपसंद जगह जाना है।

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते) — आज आपके लिए अच्छा दिन है। आपका सुंदर व्यक्तित्व दूसरों को आकर्षित करेगा।आज आप कुछ भी करें,सफलता मिलेगी। आप काफी लोकप्रिय हैं। आप सृजनात्मक भी हैं और नम्र भी आपके इन्ही गुणों ने आपको इस मुकाम पर पहुंचाया है। चालाकी और अभिमान को आने दिये बिना इसी रास्ते पर चलते रहें।

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो या यी यू) — आप पिछले कुछ दिनों से कोई बड़ी योजना बना रहे हैं। वास्तव में आज आपको यह बात महसूस होगी कि आप क्या करने जा रहे हैं और इसका आप पर काफी प्रभाव पड़ेगा लेकिन अब आपके पास पीछे हटने का विकल्प मौजूद नही है।आपको इसी दिशा में विशवास से आगे बढना होगा और आपको जल्दी ही यह भी अहसास हो जाएगा।

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे) — आज आप घर और ऑफिस दोनों स्थानों पर शान्तिपूर्ण माहौल बनाने की कोशिश करेंगे।आपका यह अनुभव मजेदार रहेगा और आप इससे प्रेरित भी होंगे। हालंकि अपनी निजी बातें किसी के साथ भी ना बाँटें ,और कोई भी कडवा पाठ सीखने के लिए भी खुद को तैयार रखें।

मकर (भो जा जी खी खू खे खो गा गी) — आप उन बदलावों के बारे में सोच रहे हैं जो शायद आपके काम और आपकी सेहत के बीच संतुलन ला सकते हैं। आप अपने किसी करीबी दोस्त से इस सम्बन्ध में मेल करके समाधान पूछ सकते हैं। इन बदलावों से आपको आराम मिलेगा।आप अपने आप को फ़िलहाल सही आदमियों के साथ पायेंगे।

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा) — अपने वादों का सम्मान करें। आपको इसके लिए अपने मजे तथा आनंद के समय से समझौता करना पड़ सकता है परन्तु अगर आप दूसरों को दुःख नही पहुंचना चाहते तो आपको यह करना पड़ेगा। आपकी कल्पनात्मक शक्ति आपको लक्ष्य प्राप्ति में सहायता करेगी।आप मानवीय आवश्यकताओं का ध्यान रखते हैं,आपकी प्रगति तय है

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची) — आप आज कल्पनात्मक रहेंगे। कार्यस्थल की ओर से किसी अन्य स्थान की यात्रा का मौका मिल सकता है। आपकी रोमांटिक प्रवृति उजागर होगी। अपने आपको थोड़ी ढील देने का दिन है लेकिन काम में व्यवहारिकता भी दिखानी होगी। साथियों के साथ अच्छे मूड में रहेंगे।अपनी मेल देख लें,कोई महत्वपूर्ण मेल आपकी प्रतीक्षा कर रही है।

पं महेशचन्द्र शर्मा 9247132654,8309517693

राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने केरल सरकार के कई अध्यादेशों पर नहीं किए साइन, जिससे रद्द हो गए प्रस्ताव

तिरुवनन्तपुरम, 9 अगस्त (एजेंसियां)। केरल सरकार और राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान की अनबन एक बार फिर से सामने आई है। केरल की वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) सरकार द्वारा लाए गए कई अध्यादेश आठ अगस्त को रद्द हो गए क्योंकि राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने उन अध्यादेशों को मंजूरी ही नहीं दी। मंजूरी न दिए जाने की पीछे राज्यपाल के पास समय की कमी के कारण उन पर हस्ताक्षर नहीं किए जाना बताया जा रहा है।

लोकतंत्र की भावना को बनाए रखना चाहिए - राज्यपाल

राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान सोमवार को दिल्ली में थे और बुधवार को राज्य आएंगे। उन्होंने पत्रकारों से कहा था कि वह अध्यादेशों पर गौर किए बिना उनपर हस्ताक्षर नहीं करेंगे और इसके लिए उन्हें समय

चाहिए। खान ने दावा किया था कि अध्यादेशों की फाइलें उन्हें उसी दिन भेजी गई थीं, जिस दिन वह 'आजादी का अमृत महोत्सव' समिति की बैठक के लिए राष्ट्रीय राजधानी जा रहे थे और इसलिए उनके पास इनपर गौर करने का समय नहीं था। राज्यपाल ने कहा, ''मुझे उन्हें पढ़ने के लिए समय चाहिए. मुझे उन पर विचार करना होगा। क्या आप चाहते हैं कि मैं बिना सोचे-समझे उन पर हस्ताक्षर कर दूं? हमें लोकतंत्र की भावना को बनाए रखना चाहिए और अध्यादेशों के माध्यम से शासन करना कोई ऐसी चीज नहीं है जो लोकतंत्र के लिए सही हो।'' खान ने कहा, '' विशेष आपात स्थितियों में आप अध्यादेश ला सकते हैं। इसके बाद विधानसभा सत्र में इसे पारित किया जाता है। ऐसा नहीं हो सकता कि आप बार-बार अध्यादेश लाते रहें। यदि आप अध्यादेशों के माध्यम से शासन करेंगे, तो विधानसभा क्यों है?

राज्यपाल ने अध्यादेशों में हस्ताक्षर करने से नहीं किया इंकार - कानून मंत्री पी.राजीव

इसके बाद केरल के कानून मंत्री पी.राजीव ने सोमवार दोपहर पत्रकारों के सवाल के जवाब में कहा था कि राज्यपाल ने अध्यादेशों पर हस्ताक्षर करने से इनकार नहीं किया है और अभी दिन खत्म नहीं हुआ है। उन्होंने कहा था, "अभी भी वक्त है।" जो अध्यादेश आठ अगस्त को रद्द हो चुके हैं, उनमें केरल लोकायुक्त (संशोधन) अध्यादेश भी शामिल है, जिसमें यह प्रावधान था कि राज्यपाल, मुख्यमंत्री या राज्य सरकार सक्षम प्राधिकारी होंगे और वे लोकायुक्त की सिफारिश पर सुनवाई का अवसर देने के बाद, उसे स्वीकार या अस्वीकार कर सकते हैं। कांग्रेस के नेतृत्व वाले विपक्षी गठबंधन यूडीएफ ने अध्यादेश का विरोध किया था और फरवरी में उसने राज्यपाल से इस पर हस्ताक्षर नहीं करने का आग्रह किया था।

22 वर्षीय साधना बनी सबसे युवा नगर पंचायत अध्यक्ष, नगर में पहली बार बना भाजपा का अध्यक्ष

चित्रकूट, 9 अगस्त (एजेंसियां)। सतना जिले के चित्रकूट में सोमवार को नगर पंचायत परिषद में अध्यक्ष पद का निर्वाचन पूरा हुआ। यहां बीजेपी की प्रत्याशी साधना पटेल ने इतिहास रचते हुए कांग्रेस प्रत्याशी चुन्नी देवी को तीन वोट से हराकर जीत हासिल की। पहली बार नगर में बीजेपी का अध्यक्ष बनने के साथ ही साधना पटेल मध्यप्रदेश की सबसे कम उम्र की अध्यक्ष हैं। इस तरह साधना ने एक साथ दो उपलब्धियां हासिल की। नगर पंचायत अध्यक्ष बनने वाली साधना पटेल वर्तमान में बी.ईएल.ईडी की छात्रा है। उनकी उम्र 22 साल है। फिलहाल वे चित्रकूट के महात्मा गांधी ग्रामोदय विश्वविद्यालय से पढ़ाई कर रही हैं।साधना ने वॉर्ड क्रमांक 14 चौबेपुर से पार्षद का

चुनाव जीता था, जिसके बाद भाजपा ने उन्हें अध्यक्ष पद का दावेदार बनाया था। अध्यक्ष पद के साथ ही बीजेपी ने उपाध्यक्ष के पद पर भी कब्जा जमाया। बीजेपी के आशीष शर्मा उर्फ लक्खू यहां से चुनाव जीतकर उपाध्यक्ष बनें हैं।

दुष्कर्म के आरोप में दर्जा प्राप्त पूर्व मंत्री मिर्ची बाबा गिरफ्तार

भोपाल, 9 अगस्त (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के ग्वालियर से कांग्रेस से जुड़े मिर्ची बाबा को गिरफ्तार किया गया है। एक महिला ने भोपाल में उन पर दुष्कर्म का आरोप लगाया है। जिसके बाद भोपाल में शिकायत दर्ज करके पुलिस ने उनको ग्वालियर से गिरफ्तार कर लिया। महिला ने आरोप लगाया था कि, उसे नशीली दवा पिलाकर बेहोश किया गया। इसके बाद उसके साथ दुष्कर्म किया गया। धमकाया भी कि अगर किसी को शिकायत की तो बच्चा पैदा नहीं होगा या विकारों के साथ पैदा होगा। पुलिस को दी शिकायत में महिला ने आरोप लगाया कि, उसे संतान नहीं हो रही थी। जब वह अपनी समस्या लेकर मिर्ची बाबा के पास गई तो उसे दवा पिलाकर बेहोश किया गया। इसके बाद उसके साथ दुष्कर्म किया गया। पीड़िता ने बताया कि उसे बच्चे पैदा होने का झांसा देकर नशे की गोलियां खिलाकर उसके साथ दुष्कर्म किया गया था। इसी को लेकर आरोपी मिर्ची बाबा को पकड़ने के लिए भोपाल की पुलिस टीम बीती रात ग्वालियर पहुंची, जहां सुबह बाबा को एक होटल से गिरफ्तार कर ले गई। रायसेन की रहने वाली 28 वर्ष की महिला ने शिकायत में पुलिस को बताया है कि उसकी शादी को चार साल हो चुके हैं। बच्चे नहीं हैं। वह निसंतान है।

इस वजह से मिर्ची बाबा के संपर्क में आई थी। बाबा ने 17 जुलाई को भोपाल के मीनाल रेसीडेंसी' स्थित अपने कथित आश्रम में दुष्कर्म किया था। बाबा ने पूजा-पाठ कर संतान होने का दावा किया। उसे बुलाकर इलाज के नाम पर नशे की गोलियां खिलाकर उसके साथ दुष्कर्म किया। आपको बता दें कि कमलनाथ के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार में मिर्ची बाबा को मंत्री का दर्जा प्राप्त था। इससे पहले मिर्ची बाबा लोकसभा चुनाव 2019 के दौरान भी चर्चा में आए थे। उस दौरान उन्होंने कांग्रेस के उम्मीदवार दिग्विजय सिंह की जीत सुनिश्चित करने के लिए पांच क्विंटल लाल मिर्ची का हवन किया था।

स्वतंत्र वार्ता

बुधवार, 10 अगस्त, 2022

अपराध के राजनीतिक सूरमा

देश की राजनीतिक फिजा कैसे दूषित हो चुकी है अब किसी को बताने की जरूरत नहीं है। यह तो सभी जानते हैं कि राजनीति में आपराधिक प्रवृत्ति के लोगों ने अपनी जडें गहरे तक जमा ली है। इसके लेकर समय-समय पर चिंता जताने की औपचारिकता भी निभाई जाती रही है लेकिन कोई ठोस पहलकदमी नहीं की गई। मजेदार बात यह है कि ऐसे अपराधी सभी पार्टियों के सूरमा बन जाते हैं। जिसकी सत्ता उसके साथ सटने में एक क्षण भी नहीं गंवाते। तब सत्ता से बाहर हुई पार्टी ऐसे तत्वों की खिलाफत करने लगती है। यह हकीकत भी छुपी नहीं है कि हर चुनाव के पहले जैसे कुछ नेता राजनीतिक आस्था बदल कर दूसरे दलों में चले जाते हैं वैसे ही आपराधिक छवि लोग भी चुनाव के बाद जिसकी सत्ता आती है उसके साथ ही हो लेते हैं। ऐसे में सत्ताधारी दल भी अब इस बात तक का ध्यान नहीं रखते कि जिन लोगों पर आपराधिक मुकदमे चल रहे हैं, उन्हें सरकार से दूर रखा जाए। कई बार तो ऐसा भी होता है कि ऐसे लोगों को राज्यमंत्री तक का दर्जा दे दिया जाता है। सत्ता संरक्षण के लिए शुरू किए गए इस घिनौने खेल का नतीजा यह हुआ कि कई नामी-गिरामी अपराधियों की राजनीति में पैठ बढ़ती गई है। अब तो हालात यहां तक बदतर हो चुके हैं कि अपराध की दुनिया के बदनाम लोग राजनीति में प्रवेश ज्यादा आसानी से पा जाते हैं। वजह साफ है कि हर राजनीतिक दल ऐसे लोगों को संरक्षण देता है। इसी का नतीजा है नोएडा के श्रीकांत त्यागी जैसे बदमाशों का उदय। बदमाश किस्म का यह भाजपा कार्यकर्ता उत्तर प्रदेश के कुछ रसूखदार नेताओं से संपर्क साधा और उसका भरपूर दोहन कर अपनी अच्छी-खासी हैसियत हासिल कर ली। आर्थिक हैसियत के बल पर उसने सरकार और प्रशासन के लोगों का भी संरक्षण हासिल किया। इसके बद वह इतना मनबढ़ हो गया कि किसी को भी धौंस दपट कर अपना काम करा लेता था। उसके इस तरह की दबंगई से उसके आस पास रहने वाले भी डर के मारे कुछ नहीं बोल पा रहे थे। लेकिन उसकी सारी दबंगई को एक नारी शक्ति ने पलीता लगाया जब उक्त महिला ने उसके अतिक्रमण का डट कर विरोध किया। हुआ यूं कि उक्त बदमाश किस्म के नेता ने अपनी ही रिहाइशी कालोनी की एक महिला से बदसलूकी की। उस महिला ने उसकी करतूतों का वीडियो सार्वजनिक कर दिया और फिर बहुत सारे लोग उसके समर्थन में उतर आए। इसके बाद वह डरपोक नेता फरार हो गया, जिसे बहन के घर रह रहे मेरठ से उसे गिरफ्तार कर लिया गया। मंगलवार को सुबह उसने अपनी पत्नी को फोन लगाया जिसके आधार पर पुलिस उस तक पहुंच सकी। खबरों के अनुसार इस कथित नेता ने अपने मकान के आसपास की जमीन पर अवैध कब्जा करना शुरू कर दिया था। इस पर उस हाउसिंग सोसाइटी के लोगों ने शिकायत भी दर्ज कराई थी, लेकिन नेता के रसूख और धौंस के चलते प्रशासन की हिम्मत नहीं हुई कि उसके खिलाफ कोई कार्रवाई की जाए। जब सोसाइटी की ही एक महिला ने कब्जा करने से रोका तो उसने गालियां देते हुए अभद्र व्यवहार किया। स्वाभाविक ही उस नेता के आचरण को लेकर लोगों ने प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की आपराधिक तत्त्वों के खिलाफ सख्त नीति पर अंगुलियां उठानी शुरू कर दीं। हालांकि किसी एक कार्यकर्ता या नेता के आचरण के चलते पूरी सरकार या पार्टी को कठघरे में नहीं खड़ा किया जा सकता, लेकिन जिस तरह नोएडा के मामले में कुछ नेताओं, मंत्रियों और प्रशासनिक अधिकारियों का रवैया सामने आया है, उससे सरकार के कामकाज पर बट्टा जरूर लगा है। जो सरकार और पार्टी यह दावा करते नहीं थकती कि उसने प्रदेश से गुंडों का सफाया कर दिया है, उसी की छत्रछाया में अगर ऐसे लोग पलते हों, जो न सिर्फ महिलाओं से अभद्र व्यवहार करते हैं, बल्कि कई तरह के आपराधिक कृत्य भी करते हों। कथित नेता के आचरण के बारे में जानते हुए भी कुछ बड़े नेता और अधिकारी उसे संरक्षण देते हों, तो फिर गुंडागर्दी से सरकार कैसे लड रही है यह आसानी से समझा जा सकता है। अगर कोई सरकार अपनी पार्टी के गुंडों को संरक्षण दे और दूसरे दलों के लोगों को राडार पर रखे, तो उस पर सवाल उठना लाजमी है।

धनखड़ की जीत के अर्थ

डॉ. वेदप्रताप वैदिक

उप राष्ट्रपति पद के लिए हुए चुनाव में जगदीप धनखड़ की जीत ने देश की भावी राजनीति के अस्पष्ट पहलुओं को भी स्पष्ट कर दिया है। सबसे पहली बात तो यह कि उन्हें प्रचंड बहुमत मिला है। उन्हें कुल 528 वोट मिले और मार्गरेट अल्वा को सिर्फ 182 वोट। यानी धनखड़ को लगभग ढाई-तीन गुने ज्यादा वोट। भाजपा के पास इतने सांसद तो दोनों सदनों में नहीं हैं। फिर कैसे मिले इतने वोट? जो वोट तृणमूल कांग्रेस के धनखड़ के खिलाफ पड़ने थे, वे नहीं पड़े। वे वोट तटस्थ रहे। इसका कोई कारण आज तक बताया नहीं गया।

धनखड़ ने राज्यपाल के तौर पर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की जैसी खाट खड़ी की, वैसी किसी मुख्यमंत्री की क्या किसी राज्यपाल ने आज तक की है? इसी कारण भाजपा के विधायकों की संख्या बंगाल में 3 से 73 हो गई। इसके बावजूद ममता के सांसदों ने धनखड़ को हराने की कोशिश बिल्कुल नहीं की। इसका मुख्य कारण मुझे यह लगता है कि ममता कांग्रेस के उम्मीदवार के समर्थक के तौर पर बंगाल में दिखाई नहीं पड़ना चाहती थीं। इसका गहरा और दूरगामी अर्थ यह हुआ कि विपक्षी गठबंधन में कांग्रेस को ममता नेता की भूमिका नहीं देना चाहती हैं यानी विपक्ष का भाजपा-विरोधी गठबंधन अब धराशायी हो गया है। कई विपक्षी पार्टियों के सांसदों ने भी धनखड़ का समर्थन किया है। हालांकि राष्ट्रपति और उप राष्ट्रपति का पद पार्टीमुक्त होता है लेकिन धनखड़ का व्यक्तित्व ऐसा है कि उन्हें भाजपा के बाहर के सांसदों ने भी पसंद किया है, क्योंकि चंद्रशेखर की जनता पार्टी सरकार में वे मंत्री रहे हैं, कांग्रेस में रहे हैं और भाजपा में भी रहे हैं।

उनके मित्रों का फैलाव कम्युनिस्ट पार्टियों और प्रांतीय पार्टियों में भी रहा है। वे एक साधारण किसान परिवार में पैदा होकर अपनी गुणवत्ता के बल पर देश के उच्चतम पदों तक पहुंचे हैं। ममता बनर्जी के साथ उनकी खींचतान काफी चर्चा का विषय बनी रही लेकिन वे स्वभाव से विनम्र और सर्वसमावेशी हैं। हमारी राज्यसभा को ऐसा ही सभापति आजकल चाहिए, क्योंकि उसमें विपक्ष का बहुमत है और उसके कारण इतना हंगामा होता रहता है कि या तो किसी भी विधेयक पर सांगोपांग बहस हो ही नहीं पाती है या फिर सदन की कार्रवाई स्थगित हो जाती है। उप राष्ट्रपति पद की शपथ लेने के बाद इस सत्र के अंतिम दो दिन की अध्यक्षता वे ही करेंगे। वे काफी अनुशासनप्रिय व्यक्ति हैं लेकिन अब वे अपने पद की गरिमा का ध्यान रखते हुए पक्ष और विपक्ष में सदन के अंदर और बाहर तालमेल बिठाने की पूरी कोशिश करेंगे ताकि भारत की राज्यसभा, जो कि उच्च सदन कहलाती है, वह अपने कर्तव्य और मर्यादा का पालन कर सके। लोकसभा के अध्यक्ष ओम बिरला और राज्यसभा के अध्यक्ष जगदीप धनखड़ को अब शायद विपक्षी सांसदों को मुअत्तिल करने की जरूरत नहीं पड़ेगी।

कॉमनवेल्थ गेम्स में भारत की ऊंची उड़ान

आर.के. सिन्हा

यह कोई बहुत पुरानी बात नहीं हैं जब अंतरराष्ट्रीय खेल आयोजनों में भारत की लगभग सांकेतिक उपस्थिति रहा करती थी। हम हॉकी में तो कभी-कभार बेहतर प्रदर्शन करते थे पर शेष में हमारा प्रदर्शन औसत से नीचे या खराब ही रहता था। हमारे खिलाड़ियों-अधिकरियों की टोलियां मौज-मस्ती करके वापस आ जाया करती थीं। हिन्दुस्तानी खेलप्रेमियों की निगाहें एक अदद पदक देखने के लिए तरस जाया करती थीं। गुजरे दशक से स्थितियां तेजी से बदली हैं। खासकर मोदी सरकार के आने के बाद । सबसे बड़ी बात ये है कि हम बैडमिंटन में विश्व चैंपियन बनने लगे हैं। हमारा धावक ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीतता है और क्रिकेट में तो हम विश्व की सबस बड़ी शक्ति हैं ही। हमने इस कॉमनवेल्थ गेम्स में 50 पदक बटोरे जिसमें 18 तो स्वर्ण पदक और 15 रजत पदक हैं। बेटियां वेटलिफ्टिंग तथा कुश्ती जैसी स्पर्धाओं में देश की झोली पदकों से भर देती हैं। कॉमनवेल्थ गेम्स-2022 की वेट लिफ्टिंग स्पर्धा में मीराबाई चानू, जेरेमी लालरिनुंगा और अचिंता शुली ने भारत के लिए तीन गोल्ड मेडल जीते, जबकि संकेत महादेव सरगर, बिंद्यारानी देवी सोरोखैबम और विकास ठाकुर ने सिल्वर मेडल और लवप्रीत सिंह, गुरुराजा, हरजिंदर कौर और गुरदीप सिंह ने ब्रॉन्ज मेडल जीता। फिर कुश्ती मुकाबलों में भारतीय खिलाड़ियों का जलवा देखने को मिला। कुश्ती मुकाबलों के पहले ही दिन साक्षी मलिक ने महिला 62 किलो भारवर्ग के फाइनल में कनाडा की एना गोडिनेज गोंजालेज को हराकर गोल्ड मेडल जीता। भगवान शिव के भक्त बजरंग पूनिया ने भी भारत के लिए गोल्ड मेडल जीता। पुरुषों की फ्रीस्टाइल 65 किलो भारवर्ग के फाइनल में बजरंग पूनिया ने कनाडा के एल. मैकलीन को 9-2 मात दी। वहीं अंशु मलिक सिल्वर मेडल जीतने में कामयाब रहीं। जबकि दिव्या काकरान और मोहित ग्रेवाल कांस्य का पदक हासिल करने में सफल रहे। कुश्ती में रवि दहिया और दीपक पूनिया ने भी स्वर्ण पदक हासिल किए। एक तरफ हमारे खिलाड़ी कॉमनवेल्थ गेम्स में बेहतरीन प्रदर्शन कर रहे हैं, दूसरी तरफ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी चेन्नई में 44वें शतरंज ओलंपियाड का उद्घाटन करते हैं। यह आयोजन पहली बार भारत में हो रहा है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा,'' यह खास टूर्नामेंट है और हमारे लिये यह सम्मान की बात है कि इसका आयोजन भारत में हो रहा है और वह भी तमिलनाडु में जिसका शतरंज से सुनहरा नाता रहा है।'' तमिलनाडु सरकार ने टूर्नामेंट का जबरदस्त प्रचार भी किया है । पारंपरिक तमिल परिधान पहने ओलंपियाड के शुभंकर 'थम्बी' के कटआउट जगह-जगह लगाए गए हैं। ओलंपियाड रूस में होना था। लेकिन, यूक्रेन पर रूस के सैन्य हमले के बाद उससे मेजबानी छीन ली गई। शतरंज के जानकारों का मानना है कि इसके आयोजन संदेश में शतरंज की लोकप्रियता और बढ़ेगी। कॉमनवेल्थ गेम्स से ठीक पहले ओलंपिक चैंपियन नीरज चोपड़ा ने वर्ल्ड एथलेटिक्स चैंपियनशिप में इतिहास रच दिया था। उन्होंने इस चैंपियनशिप में 19 साल बाद भारत को पदक दिलाया। उनकी उपलब्धि पर सारा देश गर्व कर रहा था। वे दूसरे स्थान पर रहने के बावजूद इतिहास रचने में कामयाब रहे। वह भारत के पहले पुरुष खिलाड़ी बन गए हैं, जिन्होंने वर्ल्ड एथलेटिक्स चैंपियनशिप में पदक हासिल किया है। उनसे पहले लंबी कूद में भारतीय महिला एथलीट अंजू बेबी जॉर्ज ने यहां पदक जीता था। अंजू ने साल 2003 में हुई वर्ल्ड एथलेटिक्स चैंपियनशिप में मेडल अपने नाम किया था। और बीती मई महीने में भारत ने थॉमस कप जीता था। लक्ष्य सेन, किदांबी श्रीकांत, एचएस प्रणय और सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी-चिराग शेट्टी ने जो धैर्य और दृढ़ संकल्प दिखाया उसने उस धारणा को धराशायी कर दिया कि भारतीय खेलों के लिए नहीं बने हैं। लंबे समय से हम भारतीयों ने अपने मन में इन भ्रांतियों को पनपने दिया। कहा जाता रहा है कि भारतीयों में वह जीतने वाला दम नहीं होता। हम सिर्फ देश में ही अच्छा खेलते हैं और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बेकार साबित होते हैं। अफसोस कि हमने खुद दूसरों को अपने ऊपर हंसने का मौका दिया है। भारतीय बैडमिंटन की लंबी छलांग की बात करेंगे तो पी.वी. सिंधु को कैसे नजरअंदाज कर सकते हैं। उसने कुछ हफ्ते पहले सिंगापुर ओपन चैंपियनशिप को जीता। उसने अपनी चिर प्रतिद्वंद्वी चीन की वैंग झी यी को धूल चटाई। सिंधु के लिए ये किसी कड़ी परीक्षा की तरह था। लेकिन वो जंग ही क्या जिसे भारत की सिंधु पार नहीं कर पाए। मुकाबला टक्कर का था पर कोर्ट पर सिंधु की फुर्ती के सामने चीनी दीवार ढेर हो गई। सिंधु ने महत्वपूर्ण लम्हों पर धैर्य बरकरार रखना सीख लिया है। सिंधु का मौजूदा सत्र का यह तीसरा खिताब है। सिंधु ओलिंपिक में रजत और कांस्य पदक के अलावा विश्व चैंपियनशिप में एक स्वर्ण, दो रजत और दो कांस्य पदक भी जीत चुकी हैं। बहरहाल, ये कहना पड़ेगा कि भारत खेलों में चौतरफा स्तर पर आगे बढ़ रहा है। हमारी क्रिकेट टीम ने हाल ही में पहले इंग्लैंड में और वेस्ट इंडीज में शानदार प्रदर्शन किया। ये वास्तव में सुखद स्थिति है। इस सफलता पर हमें एक पहलू यह भी देखना होगा कि खेलों में उपलब्धियां पूर्वोत्तर या हरियाणा से ही अधिक क्यों मिल रही हैं। दरअसल चानू मीराबाई और साक्षी मलिक जैसी महिला खिलाड़ी सारे देश की आधी आबादी के लिए प्रेरणा बन चुकी हैं। इन सबने कठिन और विपरीत हालातों में भी अपने देश का नाम रोशन किया है। इन्होंने देश को गौरव और आनंद के अनेक लम्हे दिए हैं। ये ओलंपिक तथा कॉमनवेल्थ जैसे मंचों पर अपनी श्रेष्ठता को साबित कर रही हैं। इनकी कामयाबियों से सारा देश अपने को गौरवान्वित महसूस करता है। इनके रास्ते पर देश की लाखों-करोड़ों बेटियां भी चलें तो अच्छा रहेगा। पर अब भी बिहार, झारखंड तथा उत्तर प्रदेश जैसे राज्यों से सफल खिलाड़ियों का निकलना बाकी है। इन राज्यों में प्रतिभा की कोई कमी नहीं है। उभरती हुई प्रतिभाओं को सुविधायें देनी होंगी। झारखंड से बेहतरीन हॉकी खिलाड़ी खास तौर पर निकलते रहे हैं। भारत ने कॉमनवेल्थ गेम्स की कुश्ती स्पर्धा में उम्मीद के मुताबिक सही प्रदर्शन किया। भारत को पदक दिलवाने वाले लगभग सब पहलवान हरियाणा से थे। इन हरियाणा के पहलवानों पर देश को गर्व है। पर उत्तर प्रदेश के वाराणसी, इलाहाबाद, आजमगढ़, गाजीपुर, गोरखपुर आदि जिलों के अपने अखाडों से श्रेष्ठ पहलवान क्यों नहीं निकल रहे हैं? क्या हालत है इन जिलों के अखाड़ों के? उत्तर सुनकर सिर शर्म से झुक जाएगा कि बदहाल इन अखाड़ों को कोई पूछने वाला नहीं है। रुस्तमे हिन्द मंगला राय, हिन्द केसरी विजय बहादुर, मनोहर पहलवान कभी तो इन्हीं अखाड़ों से निकले थे।

बिहार को भी खेलना होगा। याद नहीं आता कि 10-12 करोड़ की आबादी वाले प्रदेश से कब कोई नामवर खिलाड़ी निकला । बिहारी समाज को खेलों पर फोकस करना होगा। खेलों में करियर बनाना कतई गलत नहीं है। इन सब राज्यों में श्रेष्ठ खेल मैदान बनाये जाने चाहिए। इन सब राज्यों में खेलों का कल्चर विकसित करना जरूरी है। हरेक भारतवासी की यह चाहत है कि भारत दुनिया में खेलों की महाशक्ति बने। बेशक, हम इस दिशा में तेजी से बढ़ भी रहे हैं। लेकिन, अब भी हमारे देश के कुछ राज्यों में खेलों की संस्कृति विकसित नहीं हो पा रही है। इसी तरह से दिल्ली, मुंबई, कोलकाता तथा कुछ अन्य महानगरों से भी पदक दिलवाने वाले खिलाड़ी सामने नहीं आ रहे हैं। दिल्ली में 1982 के एशियाई खेल हुए। उसके बाद 2012 में कॉमनवेल्थ खेल हुए। इसलिए यहां तमाम विश्वस्तरीय स्टेडियम बने। इनमें उच्च कोटि की सुविधाएं दी गईं। इसके बावजूद दिल्ली भी बहुत सारे खिलाड़ी देश को नहीं दे रही है। इन पहलुओं पर भी गौर करने की जरूरत है।

अनुचित बीमा लाभ के लिए जघन्य अपराध

नरेंद्र तिवारी

इंसानी चरित्र में जहां अच्छाइयाँ कूट-कूट कर भरी हैं, तो वह बुराइयों से भी लबरेज हैं। मॉनव शरीर में राम रूपी संस्कारों के दर्शन होते है तो रावण रूपी बुराइयाँ भी कम नहीं हैं। कुल मिलाकर यह कहा जा सकता हैं कि मनुष्य पाप-पुण्य का पुतला हैं। एक ओर मनुष्य भलाई के उच्च संस्कारित मूल्यों को स्थापित करने हेतु अपना सर्वस्व लुटाकर भी इंसानी अस्मिता की रक्षा करता है, तो इसी मॉनव के लालच की कोई सीमा नहीं है। कहते हैं लालच का पेट कभी नहीं भरता, यहीं कारण है कि व्यक्ति धन की लालच में आपराधिक घटनाओं को अंजाम देता है। इन घटनाओं में रिश्तों को तार-तार करता हैं। दोस्ती को कलंकित करता हैं। प्रेम के उच्च मानवीय भावों को भी दांव पर लगा देता हैं। लालच से जुड़ी ऐसी बहुतसी घटनाएं हैं जहां व्यक्ति ने रिश्तों को मौत के घाट उतार दिया, अपनी ही हत्या की साजिश की, कहीं तो परिवार को बीमा राशि दिलाने के लिए स्वयं की सुपारी दी ओर खुद को मौत के घाट उतार लिया। यहां में किसी फिल्म की बात नहीं कर रहा हूँ।

रियल लाइफ की ऐसी आपराधिक घटनाएं जिनके बारे में एक सामान्य आदमी सोच भी नहीं सकता हैं। ऐसी खबरों को सुनकर ही बदन में सिंहरन पैदा हो जाती है। ताजा घटनाक्रम मध्यप्रदेश के राजगढ़ थाना श्रेत्र के कुरावर इलाके का हैं जहां 26 जून 22 को पूजा मीणा नामक महिला की गोली मारकर हत्या कर दी गयी थी। मामले का खुलासा करतें हुए राजगढ़ के एडिशनल एसपी मनकामना प्रसाद ने बताया की महिला पूजा मीणा की हत्या उसके पति बद्रीप्रसाद मीणा द्वारा ही करवाई गई थी। उक्त हत्या की घटना को अंजाम देने के पीछे पूजा की बीमा राशि प्राप्त करने का लालच था। राजगढ़ पुलिस के अनुसार आरोपी बद्रीप्रसाद पर 30 से 40 लाख रु का कर्ज था। इस कर्ज को उतारने के लिए पहले तो उसने अपनी पत्नी का 35 लाख रुपयों का बीमा करवाया फिर उसकी हत्या की सुपारी देकर हत्या करवा दी। बीमे की राशि प्राप्त करने के लिए अपनी पत्नी की सुपारी देकर हत्या करवा देने की यह घटना इंसान की आपराधिक मानसिकता ओर षड्यंत्रकारी दिमाग का उदाहरण है। यह घटना बताती हैं कि बीमा राशि की प्राप्ति के लिए किस तरह विवाह के बंधनों में बंधे पति ने अपनी ही पत्नी की हत्या की सुपारी देकर हत्या की घटना को अंजाम दिया। बद्रीप्रसाद ने लालच ओर कर्जे से उभरने के लिए हत्या जैसे आपराधिक कृत्य को अंजाम दिया है। फर्जी तरीके से बीमा राशि प्राप्त करने के बेहद रोचक ओर शर्मनाक किस्से हमारे समाज मे घटित होते हैं। इन किस्सों से व्यक्तियों की आपराधिक मानसिकता की हद का अंदाजा लगाया जा सकता हैं। इस तरह की एक घटना जिसमे बीमा राशि प्राप्त करने के लिए फर्जी डेथ सर्टिफिकेट तैयार किया गया। एक बेहद सनसनीखेज घटनाक्रम में अपराधी द्वारा खुद के जैसे दिखने वाले व्यक्ति को ढूंढकर पहले तो उसका बेहरमी से कत्ल किया गया। फिर इस हत्या को वाहन दुर्घटना बताकर बीमा राशि प्राप्त कर घटना का मुख्य आरोपी फरार हो गया जो अब तक फरार है। यह घटना 22 जनवरी 1984 की है। मृतक चाको की पत्नी घटना के 33 वर्ष बाद भी न्याय की गुहार लगा रही है। इस मामले में केरल की मवेलिकार न्यायिक मजिस्ट्रेट ने सीआईडी को फरार आरोपी कुरूप सुकुमार को पकड़ने के आदेश दिए हैं। घटना में आरोपी कुरूप सुकुमार ने अपने भाई और ड्रायवर के साथ मिल कर रुपयों की लालच ओर ऊंचा जीवन जीने की लालसा में इस हत्या की घटना को अंजाम दिया। बीमा राशि प्राप्त करने के लिए पहले तो आरोपी सुकुमार ने अपने चेहरे और कदकाठी के मृत शव को खोजने की कोशिश की, जब वह लाश नही खोज पाएं तो खुद के जैसे दिखने वाले जिंदा आदमी चाको को कार में लिफ्ट देकर बिठाया फिर उसकी कुरूप सुकुमार के भाई पिल्लई ने उसे मौत के घाट उतार दिया। उसके चेहरे को जला दिया गया। अंत मे चाको की लाश को ड्राइवर सीट पर बैठाकर ऐंम्बेसेडर कार में आग लगा दी। कुरूप सुकुमार ने इस घटना में स्वयं की मौत का फर्जी प्रमाण-पत्र बनाकर षड्यंत्रपूर्वक बीमा राशि 8 लाख रु प्राप्त कर फरार हो गया। घटना के एक वर्ष पूर्व ही मृतक चाको की शादी हुई थी, उसकी पत्नी प्रेग्नेंट थी। उसे अपने पति को इंसाफ दिलाने के लिए काफी मुसीबतों का सामना करना पड़ा। घटना के एक आरोपी पिल्लई को तो उम्र कैद हो गयी। किन्तु घटना के बाद से मास्टर माइंड सुकुमार कुरुप अब तक फरार है। उसे आखरी बार 1990 मे मुम्बई के शांता क्रूज हवाई अड्डे पर देखें जाने की सूचना हैं। धन की लालच ओर भौतिक सुख सुविधायुक्त जीवन जीने की लालसा में खुद की हत्या की झूठी घटना को अंजाम देने के लिए एक निर्दोष व्यक्ति की जघन्य हत्या कारित करना ओर घटना के 33 वर्षो के बाद भी पुलिस की गिरफ्त में नहीं आना। एक सामान्य व्यक्ति की कल्पना से बाहर की बात हैं। एक अन्य घटनाक्रम में परिवार को 50 लाख रु का बीमा दिलाने के लिए फाइनेंसर ने सुपारी देकर खुद की हत्या ही करवा ली। यह मामला भी खासा सुर्खियों में रहा। घटना सितम्बर 2019 की है।

राजस्थान के भीलवाड़ा जिले के मंगरोप थाना क्षेत्र में फायनेंसर बलबीर खारोल ने आरोपी राजवीर सिंह और सुनील यादव को स्वयं की हत्या करवाने की सुपारी दी थी। आरोपियों ने योजना अनुसार फायनेंसर की गला घोंटकर हत्या की घटना को अंजाम दिया। अपने परिवार को बीमा राशि का लाभ दिलाने हेतु रची गयी उक्त साजिश भी व्यक्ति के अनुचित लाभ प्राप्त करने की लालसा में आपराधिक घटना को अंजाम दिए जानें का उदाहरण हैं । दरअसल समाज मे अधिकांश आम लोग कानून का पालन करने वाले होते हैं। किंतु इन आपराधिक मानसिकता वाले जघन्य अपराधियों का शिकार कभी पूजा तो कभी चाको जैसे आमजन ही होतें है। इस प्रकार के अपराध हमारे समाज में भौतिक सुखों के प्रति बढ़ती लालसा ओर अनुचित लाभ प्राप्त करने की बढ़ती प्रवृति की ओर इशारा करतें है। भौतिक सुख सुविधाएं प्राप्ति की लालसाएं, अपराध कारित कर अनुचित धन प्राप्ति की आपराधिक मानसिकता व्यक्ति को जेल की सलाखों के पीछे पहुचा देती हैं। लालच की इन प्रवृतियों से बचने हेतु धर्म-कर्म का सहारा तो लेना ही चाहिए। अध्ययन और अध्यात्म से सादा जीवन जीवन और उच्च विचार की जीवन शैली को विकसित किया जा सकता है। कानून का पालन और धर्म की शिक्षा ईमानदार चरित्रों का निर्माण करती है।

सब बलिहारी है कुर्सी की

डॉ.विलास जोशी

एक प्रजातांत्रिक देश में की सदा ही बलिहारी और सब दूर उसके ही बोलबाले होते है।यदि आपके पास कोई चेयर है,तो आप बहुत मुल्यवान इंसान है। आपके पास चेयर है तो आपकी इज्जत है,समाज में प्रतिष्ठा है।यकीन मानिए यह एकदम कटू सत्य है कि चेयर का आदमी सिर्फ कहलाता है। हमारे देश में तो आदमी की पहचान ही उसकी चेयर से होती हैऔर यकीन मानिए कि हमारे यहां भांति भांति की चेयर विद्यमान है और उसपर विराजमान होनेवाले लोग भी अलग अलग नामों से जाने पहचाने जाते है। आपको यकीन आए इसलिए कुछ के नाम प्रस्तुत है-प्रजातंत्र का नाम आया कि सर्वप्रथम नाम आता है- । जिस चेयर पर मंत्रीजी बैठते है,वह की चेयर कहलाती है। चमत्कार देखिए इस चेयर का, कि एक बार जो नेता किसी मंत्री पद की कुर्सी पर बैठ गया कि फिर उस चेयर का रूतबा बोलने लगता है। फिर जो कभी केवल नेता था,वह मंत्री बनते ही,वह नहीं, मंत्री की चेयर उसके अंदर से बोलने लगती है। देखा कमाल मंत्रायल की चेयर का। आदमी वही रहता है, चेहरे बदल जाते है। आपने अपने देश में बहुत बडे.बडे बैंक देखे होंगे। सहकारी बैंक के सर्वोच्च पद पर आसीन व्यक्तित्व को पर्सन कहा जाता है। अब एक खेल की तरफ देखते है,जो पूरे विश्व में खेला जाता है और उसका नाम है-चेयर इस खेल में खिलाडी संगीत बजने के साथ उसके आसपास घूमते है और म्यूजिक के थमते ही हर कोई खिलाडी अपने पास स्थित चेयर पर बैठ जाता है। इस प्रकार यह खेल चलने के साथ साथ एक एक चेयर कम होते जाती है और अंत में केवल एक चेयर रह जाती है और खिलाड़ी-दो। उनमे से जो अंतिम स्थिति में चेयर पर बैठने में कामयाब हो जाता है-वह इस चेयर का विजेता माना जाता है। टीवी के एक चैनल पर एक गेम शो चलता है जो बनेगा करोडपति के नाम से प्रसिद्ध है।इस खेल में जो केंडिडेट खेलने के लिए जिस चेयर पर बैठता है उसे - सीट कहते है। है न यह भी चेयर का एक अजीब नाम?,जबकि उस चेयर में हॉट नाम की कोई चीज है ही नहीं। उस सीट पर बैठने के बाद यदि हॉट मससूस होता हो तो यह एक अलग बात है। सरकारी कार्यालयो में भी चेयर के भांति भांति नाम होते है।जिस चेयर पर उस विभाग का सबसे बड़ा अधिकरी बैठता है वह-चेयर कहलाती है। यदि हम व्यंग्य विनाद की बात करे तो एक जमाना ऐसा भी था कि जिस चेयर पर सरकारी कार्यालय का बाबू लोग बैठ कर फाइलों की नोटशीट पर लिख लिख कर अपने कमाल दिखाते थे, उसे मजाक में का सिंहासन भी कहा जाता था,लेकिन अब यह बात अलग है कि कम्पूटराइजेशन के जमाने में सब बाबुओं की चेयर एक समान हो गई है। बडे. बडे. शॉपो व शो रूम की चेयर पर बैठने वाले मालिकों की चेयर - की कुर्सी कहलाती है।

अक्षुण्ण एकता की मिसाल है हर घर तिरंगा

डॉ. शंकर सुवन सिंह

स्वतंत्रता दिवस का त्यौहार आजादी का द्योतक है। भारत में वर्ष 2022 में 76वाँ स्वतन्त्रता दिवस मनाया जा रहा है। यह आजादी की 75वीं वर्षगाँठ है। स्वाधीनता के 75 वर्ष पूरे हो गए। 15 अगस्त 1947 को भारत में प्रथम स्वतंत्रता दिवस मनाया गया था। स्वतंत्रता दिवस 2022 की थीम/विषय है- ₹हर घर तिरंगा₹। आजादी का अमृत महोत्सव के तहत शुरू किया गया एक अभियान ₹हर घर तिरंगा₹ वर्ष 2022 के स्वतन्त्रता दिवस को ख़ास बनाता है। इस अभियान के तहत 13 अगस्त से 15 अगस्त तक देश भर में 20 करोड़ से अधिक घरों पर तिरंगा झंडा फहराया जाएगा। हर घर तिरंगा अभियान हमारे तिरंगे झंडे के प्रति सम्मान दिखाने के लिए है, जो हमारे राष्ट्र के लिए एक गौरव का प्रतीक है। इंडियन फ्लैग कोड (फ्लैग कोड, 2002) के मुताबिक नेशनल फ्लैग तिरंगा को केवल दिन में ही फहराने की अनुमति थी। शाम होने के साथ ही इसे उतार लिया जाता था। वर्ष 2022 में केंद्र की मोदी सरकार ने हर घर तिरंगा अभियान के लिए फ्लैग कोड के नियमों में बदलाव किया है, जिसके मुताबिक अब दिन और रात दोनों में तिरंगा झंडा फहराया जा सकता है। इसके लिए 20 जुलाई, 2022 को भारतीय झंडा संहिता 2002 में संशोधन किया गया है। फ्लैग कोड में एक और बड़ी तब्दिली करते हुए सरकार ने पॉलिस्टर और मशीन के झंडों को भी मंजूरी दे दी है। इसके पहले केवल हाथ से बनाए गए कपास, ऊन और रेशमी खादी के झंडों को फहराने की अनुमति थी। तिरंगा फहराने को लेकर कुछ खास बातों का ध्यान रखना चाहिए - 1. किसी भी दूसरे झंडे को नेशनल फ्लैग से ऊंचा या बराबर नहीं फहराया जाना चाहिए। 2. फटा हुआ या गंदा तिरंगा कभी न फहराएं और अगर फहराने के बाद भी यह फट जाए तो इसे उतार लेना चाहिए। 3. तिरंगे को हमेशा पूरे आदर और जोश के साथ फहराया जाता है और धीरे-धीरे उतारा जाता है। इसको कभी जमीन पर स्पर्श नहीं कराना चाहिए। तिरंगा, राष्ट्रीय चेतना का प्रतीक है। भारत के राष्ट्रीय ध्वज की ऊपरी पट्टी में केसरिया रंग है जो देश की शक्ति और साहस को दर्शाता है। बीच में स्थित सफेद पट्टी धर्म चक्र के साथ शांति और सत्य का प्रतीक है। निचली हरी पट्टी उर्वरता, वृद्धि और भूमि की पवित्रता को दर्शाती है। राष्ट्रीय ध्वज की सफेद पट्टी के बीच में नीले रंग का अशोक चक्र स्थित होता है। अशोक चक्र की 24 तीलियों से ही मनुष्य के लिए बनाये गए 24 धर्म मार्ग की तुलना की गई है। इसलिए इन्हें मनुष्य के लिए बनाये गए 24 धर्म मार्ग भी कहा जाता है। इन 24 तीलियों का मतलब क्रमशः इस प्रकार है- संयम, आरोग्य, शांति, त्याग, शील, सेवा, क्षमा, प्रेम, मैत्री, बन्धुत्व, संगठन, कल्याण, समृद्धि, उद्योग, सुरक्षा, नियम, समता, अर्थ, नीति, न्याय, सहकार्य, कर्तव्य, अधिकार, बुद्धिमत्ता। किसी भी राष्ट्र का ध्वज उस राष्ट्र की अभिव्यक्ति का आधार होता है। राष्ट्रीय ध्वज की परिकल्पना बिना राष्ट्र के संभव नहीं है। राष्ट्रीय ध्वज को समझना है तो पहले राष्ट्र को समझना होगा। राष्ट्रीय ध्वज और राष्ट्र एक दूसरे के पूरक हैं। 'राष्ट्र' शब्द अंग्रेजी के शब्द 'नेशन' का एक अनुवाद है। 'नेशन' शब्द लैटिन भाषा के 'नेशीऊ' शब्द से लिया गया है। लैटिन में, 'नेशीऊ' शब्द का अर्थ जन्म या जाती है। राष्ट्र, भूमि का टुकड़ा नहीं होता है। राष्ट्र बहुत से लोगों का समूह होता है। वह समूह जिसमे सभी लोग एक केंद्र बिंदु को अपना मानकर आपस में एक जुड़ाव महसूस करते हैं। देश के बाहर रहने वाले लोगों का जुड़ाव यदि इस केंद्र बिंदु से है तो ये लोग भी राष्ट्र के दायरे में आएँगे। कहने का तात्पर्य यह है कि दुनिया में कोई व्यक्ति चाहे किसी भी देश में रहता हो यदि वो किसी एक केंद्र बिंदु के आधार पर अपने लोगों से जुड़ाव महसूस करता है तो वो अपने राष्ट्र का हिस्सा है। केंद्र बिंदु धर्म के आधार पर जुड़ाव वाला हो सकता है। ऐतिहासिक आधार पर जुड़ाव वाला हो सकता है। भौगोलिक स्थिति के आधार पर जुड़ाव वाला हो सकता है। भारतीय संस्कृति के आधार पर जुड़ाव वाला हो सकता है। भाषा भी केंद्र बिंदु के स्थान पर हो सकती है अर्थात समान भाषा बोलने वाले लोग भी जुड़ाव का कारण हो सकते हैं। जब जनों का समूह एक केंद्र बिंदु को केंद्र में रखते हुए उसके आधार पर आपस में जुड़ाव महसूस करता है तो उसे ही राष्ट्र कहा जाता है। राष्ट्र एक सांस्कृतिक, मनोवैज्ञानिक, धार्मिक, ऐतिहासिक या किसी भी अन्य केंद्र बिंदु के आधार पर स्थापित लोगों के बीच के सम्बन्ध से बने एक जनसमूह को कहा जाता है। इस तथ्य के साथ यह भी जरुरी है कि यहाँ पर जो केंद्र बिंदु है वह उन सभी लोगों को एकजुट रहने हेतु बाध्य करता हो।

11 ही नहीं 12 अगस्त को भी बहनें बांध सकेंगी भाइयों को राखी

रक्षाबंधन 2022 का शुभ मुहूर्त
ज्योतिष शास्त्र के अनुसार सावन मास की पूर्णिमा तिथि का प्रारंभ 11 अगस्त को सुबह 9:35 बजे से होकर इसका समापन अगले दिन 12 अगस्त को सुबह 7:16 बजे होगा। रक्षाबंधन का त्योहार 11 अगस्त, गुरुवार को पूरा दिन मनाया जाएगा। 12 अगस्त को सुबह 7:00 बजे से पहले बहनें अपने भाईयों को राखी बांध सकती हैं।

सावन में भाई-बहन के पवित्र रिश्ते और प्रेम की अटूट डोर का एहसास दिलाने वाला रक्षाबंधन का त्योहार आता है। इस साल पंचांग के अनुसार 11 और 12 अगस्त दोनों दिन बहनें अपने भाइयों को राखी बांध सकेंगी।

हिंदू धर्म में हर महीने कई व्रत और त्योहार पड़ते हैं जिनका अपना अलग महत्व होता है। उन्हीं में से एक है रक्षाबंधन का पर्व। यह त्योहार हर साल सावन मास में पूर्णिमा को मनाया जाता है। यह न केवल भाइयों को राखी बांधने का त्योहार है बल्कि उस कामना की याद दिलाता है जो बहनें अपने भाई की दीर्घायु के लिए करती हैं और भाई संकल्प लेता है कि वह हर मुश्किल में अपनी बहन की प्रतिष्ठा की रक्षा करेगा। इस दिन की शुभता बनाए रखने के लिए राखी बांधते समय शुभ मुहूर्त और भद्रा काल का ध्यान रखना आवश्यक है।

इस साल 2022 में ज्योतिष अनुसार 11 और 12 अगस्त दोनों दिन राखी बांधने के लिए शुभ मुहूर्त हैं। तो आइए जानते हैं किस शुभ मुहूर्त में बहनें भाइयों को राखी बांध सकती हैं...

इसके अलावा ज्योतिष के जानकारों के मुताबिक भद्राकाल 11 अगस्त, गुरुवार को सुबह 9:35 बजे से आरंभ होकर रात्रि 8:25 बजे तक रहेगा। लेकिन भद्रा पाताल में होने के कारण इसका दोष नहीं लगेगा। यानी 11 अगस्त को पूरे दिन बहनें अपने भाईयों को राखी बांध सकती हैं।

सावन पूर्णिमा पर अपनी राशि के अनुसार कर सकते हैं शिव पूजा

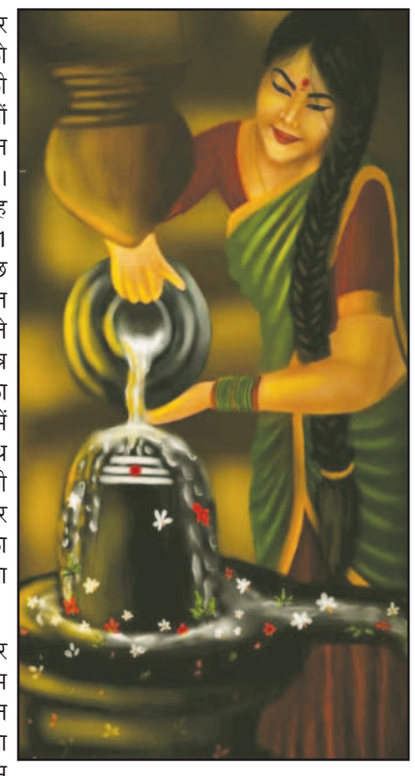

इस सप्ताह गुरुवार और शुक्रवार को सावन महीने की पूर्णिमा है। इन दोनों दिनों में रक्षा बंधन पर्व मनाया जाएगा। पंचांग भेद की वजह से कुछ जगहों पर 11 अगस्त और कुछ जगहों पर 12 अगस्त को बहनें अपने भाइयों को रक्षा सूत्र बांधेंगी। इस पर्व का संदेश यह है कि हमें अपनी बहनों के साथ ही अन्य सभी लड़कियों और महिलाओं का सम्मान करना चाहिए।

इस पूर्णिमा पर सावन महीना खत्म हो जाएगा। सावन महीने में शिव पूजा करने का ये अंतिम दिन रहेगा। इस दिन शिवलिंग पर सभी भक्तों को तांबे के लोटे से जल चढ़ाना चाहिए। चांदी के लोटे से दूध अर्पित करें। बिल्व पत्र, दूर्वा, आंकड़े के फूल, गुलाब, चंदन आदि पूजन सामग्री, भोग चढ़ाएं और धूप-दीप जलाकर आरती करें।

अगर सावन पूर्णिमा पर राशि अनुसार शिव पूजन किया जाए तो ये सभी नौ ग्रहों की पूजा करने जैसा शुभ रह सकता है।

जानिए सभी 12 राशियों के लिए शिव पूजा से जुड़ी खास बातें...

मेष- शिवलिंग का श्रृंगार चंदन से करें। भगवान को माखन-मिश्री का भोग बिल्व पत्र के साथ लगाएं।

वृषभ- शिव मंदिर में पूजा करें और शिवलिंग का श्रृंगार सफेद फूलों से करें। मौसमी फलों का भोग लगाएं।

मिथुन- इस राशि के लोग शिवलिंग का श्रृंगार आंकड़े के फूलों से करें। पूजा करें और इसके बाद जरूरतमंद लोगों को दूध का दान करें।

कर्क- ये लोग चंदन और सफेद फूलों से शिवलिंग का श्रृंगार करें और दूध से बनी मिठाई का भोग लगाएं।

सिंह- शिव मंदिर में शिवलिंग पर सफेद वस्त्र अर्पित करें। नारीयल चढ़ाकर पूजा करें।

कन्या- इस राशि के लोगों को शिवलिंग पर दूर्वा विशेष रूप से चढ़ानी चाहिए। मिठाई का भोग लगाकर आरती करें।

तुला- ये लोग शिवलिंग का अभिषेक गाय के दूध से बने घी से करें। दूध से बनी मिठाई का भोग लगाएं और पूजा करें।

वृश्चिक- इन लोगों को शिवलिंग का अभिषेक दूध से करना चाहिए। शिवलिंग का श्रृंगार सफेद फूलों से करें।

धनु- इस राशि के लोग पीले फूलों से शिवलिंग का श्रृंगार करें। गुड़ का भोग लगाएं।

मकर- ये लोग शिव पूजा में नीले फूलों का उपयोग ज्यादा करें। जरूरतमंद लोगों को तेल का दान करें।

कुंभ- इस राशि के लोग शिवलिंग पर चंदन का लेपन करें। मिठाई का भोग लगाकर भगवान की पूजा करें।

मीन- इस राशि के लोग शिवलिंग के पास मूंग और उड़द के आटे से बने दीपक जलाएं। भगवान को पीले फूल चढ़ाएं।

पूर्णिमा पर कर सकते हैं ये शुभ काम भी

पूर्णिमा पर भगवान विष्णु के साथ देवी लक्ष्मी का अभिषेक भी करना चाहिए। अभिषेक केसर मिश्रित दूध से और दक्षिणावर्ती शंख की मदद से करना चाहिए।

गुरुवार और पूर्णिमा के योग में गुरु ग्रह की पूजा भी करें। गुरु ग्रह की पूजा शिवलिंग रूप में की जाती है। शिवलिंग चने की दाल, पीले फूल चढ़ाएं। बेसन के लड्डू का भोग लगाएं। भगवान सत्यनारायण की कथा पढ़ें और सुनें।

तनाव दूर कर सकता है मोती

ज्योतिषियों के अनुसार हमारे जीवन में रत्नों का भी विशेष महत्व होता है। रत्न 84 प्रकार के होते हैं। 84 रत्नों में से 9 मुख्य रत्न माने जाते हैं। शेष रत्नों को उपरत्न के रूप में स्वीकार किया गया है।

किन राशि वालों के लिए कौनसा रत्न है लाभकारी

माणिक्य

माणिक्य का संबंध सूर्य से है। सूर्य से जुड़ी समस्याओं के निवारण के लिए इसका प्रयोग किया जाता है। लेकिन, कन्या, तुला, मकर, कुम्भ लग्न वाले लोगों को इससे बचना चाहिए।

मोती

मोती को चंद्रमा का स्वरूप माना जाता है। चंद्रमा से जुड़ी समस्याओं के निवारण के लिए इसे धारण किया जाता है। इसको वृष, मिथुन, कन्या और मकर लग्न वालों को धारण नहीं करना चाहिए।

मूंगा

मूंगा को भी श्रेष्ठ रत्नों में माना गया है। जिन लोगों को गुस्सा ज्यादा आता है, उन्हें यह रत्न धारण नहीं करना चाहिए। इसके अलावा मिथुन और कन्या लग्न वालों को मूंगा पहनने से बचना चाहिए।

पन्ना

पन्ना धारण करने से मन और दिमाग शांत रहता है लेकिन, मेष, कर्क और वृश्चिक लग्न वालों को इससे बचना चाहिए। ऐसा करने से त्वचा से जुड़ी समस्या हो सकती है।

पीला पुखराज

पीला पुखराज आध्यात्मिक शक्ति और वाणी, ज्ञान में वृद्धि का प्रतीक है परंतु वृष, तुला, मकर और कुंभ राशि वालों को इसे धारण करना खतरनाक साबित हो सकता है। पेट से संबंधित समस्याओं के लिए इसे धारण किया जाता है।

हीरा

हीरा प्रेम, सौंदर्य के लिए जाना जाता है। इससे वैवाहिक जीवन में उथल-पुथल हो सकती है। इससे वृष, मिथुन, कन्या, तुला, मकर और कुंभ लग्न वालों को ही धारण करना चाहिए।

नीलम

नीलम को सिंह लग्न में धारण नहीं करना चाहिए। इससे भारी नुकसान हो सकता है।

गोमेद

गोमेद को राहु का रत्न कहा जाता है। आमतौर पर इसे कम लोग ही धारण करते हैं।

लहसुनिया

अगर कुंडली मे केतु अनुकूल बना हुआ है, तभी लहसुनिया को धारण करना चाहिए।

महीने की अंतिम तिथि होती है पूर्णिमा

इस दिन जो नक्षत्र रहता है, उसी से तय किए गए हैं हिन्दी महीनों के नाम

पंचांग भेद की वजह से सावन महीने की पूर्णिमा 11 और 12 अगस्त को रहेगी। इस वजह से रक्षा बंधन भी दो दिन मनाया जाएगा। हमें अपने-अपने क्षेत्र के विद्वानों और पंचांगों में बताई गई तारीख पर ये पर्व मनाना चाहिए। इस पूर्णिमा सावन महीना खत्म होगा और इसके बाद भाद्रपद महीने की शुरुआत हो जाएगी।

पूर्णिमा महीने की अंतिम तिथि होती है। इस तिथि जो नक्षत्र रहता है, उसी के आधार पर हिन्दी महीनों के नाम तय किए गए हैं। जैसे सावन पूर्णिमा पर श्रवण नक्षत्र रहता है, इस वजह से इस महीने को श्रावण कहते हैं, जिसे बोलचाल की भाषा में सावन कहा जाता है। सावन के बाद वाले महीने की पूर्णिमा पर पूर्वा भाद्रपद नक्षत्र रहता है, जिसकी वजह से इस महीने का नाम भाद्रपद रखा गया है।

पूर्णिमा भी है एक पर्व

हिन्दी पंचांग में एक वर्ष में 12 पूर्णिमाएं आती हैं। पूर्णिमा तिथि का महत्व भी त्योहारों की तरह ही है। इस दिन पवित्र नदियों में स्नान करने की, तीर्थ दर्शन करने की परंपरा है। पूर्णिमा पर अपने-अपने क्षेत्र की पवित्र नदियों में स्नान के लिए भक्त पहुंचते हैं। नदी में स्नान के बाद सूर्य को अर्घ्य देना चाहिए। तीर्थ क्षेत्र में दान-पुण्य करें। जरूरतमंद लोगों को जीवन उपयोग चीजें भेंट करें। मंदिरों में पूजा करें। ध्यान और मंत्र जप करें।

पूर्णिमा पर चंद्र दिखाई देता है अपनी सभी 16 कलाओं के साथ

पूर्णिमा पर चंद्र अपनी सभी 16 कलाओं के साथ दिखाई देता है। इस तिथि पर चंद्र आम दिनों की अपेक्षा अधिक चमकीला और बड़ा दिखता है। शाम को चंद्र उदय के बाद चंद्रदेव को चांदी के लोटे से दूध अर्पित करना चाहिए। इस दौरान ऊँ सों सोमाय नमः मंत्र का जप करें। चंद्रदेव के लिए दूध का दान करना चाहिए।

गुरुवार और पूर्णिमा का योग 11 अगस्त को

जो लोग 11 अगस्त को रक्षा बंधन मनाएंगे, उनके लिए गुरुवार और पूर्णिमा का योग रहेगा। इस दिन शिव जी, विष्णु जी, चंद्रदेव के साथ ही गुरु ग्रह की भी विशेष पूजा करें। गुरुवार का कारक ग्रह गुरु ही है। अगर आप शुक्रवार को रक्षा बंधन मना रहे हैं तो इस दिन शुक्र ग्रह के विशेष पूजा कर सकते हैं।

सावन पूर्णिमा पर करें शिव जी का अभिषेक

इस तिथि पर सावन महीना खत्म हो जाएगा। इस दिन भगवान शिव का जल से और दूध से अभिषेक जरूर करें। भगवान को बिल्व पत्र खासतौर पर चढ़ाएं और ऊँ नमः शिवाय मंत्र का जप करें। आप चाहें किसी ब्राह्मण की मदद से विधिवत अभिषेक कर सकते हैं।

क्या होती है सम्मोहन क्रिया?

सम्मोहन को अंग्रेजी भाषा में हिप्नोटिज्म कहा जाता है। साधारण शब्दों में हिप्नोटिज्म वह प्रक्रिया है, जिसमें कोई व्यक्ति किसी दूसरे व्यक्ति को उसकी इच्छा के बिना अपने काम करवाने के लिए विवश कर देता है।

सम्मोहित व्यक्ति का अपने ऊपर किसी भी प्रकार का कोई नियंत्रण नहीं रहता और वह एक मशीन की तरह सिर्फ दूसरे व्यक्ति की आज्ञा का पालन करता है। सम्मोहन का प्रचलन 18वीं सदी से माना जाता है। वैज्ञानिक तौर पर हिप्नोटिज्म शब्द का आविष्कार 19वीं शताब्दी में डॉक्टर जेम्स ब्रेड ने किया था। धार्मिक ग्रंथों में इसको लेकर क्या जानकारी मिलती है इसके बारे में हमें बता रहे हैं

भारत में सम्मोहन का इतिहास

भारतवर्ष में सम्मोहन विद्या काफी पुरानी मानी जाती है। इसका वर्णन धर्म ग्रंथों में मिलता है। वहीं तंत्र शास्त्र में इसे मोहिनी और वशीकरण विद्या के नाम से भी जानते हैं। प्राचीन समय में इस विद्या का इस्तेमाल भारतीय साधु संत सिद्धियां और मोक्ष की प्राप्ति के लिए किया करते थे। सम्मोहन विद्या एक प्रकार की गुप्त सिद्धियां है, जिसे पाने के लिए साधु संत बहुत कठिन साधनाएं किया करते थे।

सपने जैसी अवस्था है सम्मोहन

-ऐसा माना जाता है कि सम्मोहन की स्थिति सपने जैसी अवस्था होती है। सम्मोहित हुआ व्यक्ति बोल, पढ़ लिख सकता है, बहुत सारे अन्य कार्य भी कर सकता है। परंतु उसे इस बात का भान नहीं होता कि वह क्या कर रहा है। यह ऐसी अवस्था है कि यदि इस अवस्था में व्यक्ति की हत्या भी कर दे तो उसे सम्मोहन टूटने पर कुछ याद नहीं रहता।

अवचेतन मन को साधना ही सम्मोहन

-वैज्ञानिक शोधों से यह बात सिद्ध हो चुकी है कि **हमारे मन की मुख्यतः** दो अवस्थाएं होती हैं। चेतन मन और अवचेतन मन, सम्मोहन के दौरान अवचेतन मन को जागृत किया जाता है।

चेतन मन : खुली आंखों से हम जो भी कार्य करते हैं वह हमारे चेतन मन के द्वारा किया जाता है। विज्ञान की मानें तो यह हमारे मस्तिष्क का वह भाग होता है, जिसके दिए गए निर्देश हमें पता होते हैं। यह तर्क पर आधारित होता है।

अवचेतन मन : गहरी नींद में जब कोई सपना देख रहे होते हैं तो वह हमें अवचेतन मन के द्वारा दिखाए जाते हैं। इसे अर्ध चेतन मन भी कहा जा सकता है।

जब हम गहरी नींद में होते हैं तो हमारा यह मन जागृत होता है। विज्ञान के अनुसार अवचेतन मन की अवस्था में किए गए कार्य हमें याद नहीं रहते या फिर बहुत धुंधले याद होते हैं।

गले में लॉकेट पहनने के लाभ ही नहीं, हैं कुछ नुकसान भी

फैशन के इस दौर में लोग लॉकेट, अंगूठी समेत कई वस्तुएं धारण करते हैं। कोई देवी-देवताओं के लॉकेट पहनते हैं तो कोई क्रॉस, गिटार, प्लस के लॉकेट धारण करते हैं। वहीं, कुछ लोग रुद्राक्ष, स्फटिक माला पहनते हैं। भले ही इनको लोग फैशन के लिए पहनते हैं, लेकिन वास्तु विज्ञान में इनका महत्व बताया गया है। ये आपके जीवन पर शुभ-अशुभ दोनों प्रभाव डाल सकते हैं। ऐसे में किसी भी तरह के लॉकेट, माला धारण करने से पहले इनके नियम जानना ज़रूरी है। आइए जानते हैं पंडित इंद्रमणि घनस्याल से लॉकेट धारण करने के फायदे और नुकसान।

ये लॉकेट होते हैं शुभ

वास्तु शास्त्र के अनुसार, चांदी, पीतल और तांबे से बना लॉकेट धारण करना शुभ माना जाता है। इनको भी धारण करने के वास्तु में नियम बताए गए हैं। हर एक धातु का एक ग्रह नक्षत्र होता है। उस ग्रह नक्षत्र का प्रभाव व्यक्ति के जीवन पर पड़ता है। किसी भी धातु को बिना जानकारी के धारण नहीं करना चाहिए वरना इससे आपको परेशानी का सामना करना पड़ सकता है।

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, शरीर पर देवी-देवताओं के लॉकेट धारण करना अच्छा नहीं माना जाता। शास्त्रों के मुताबिक, हमारा शरीर स्वच्छ नहीं रहता। शरीर पर गंदगी आती है। जैसे मंदिर में प्रवेश करने से पहले हाथों को धोते हैं। लेकिन, लॉकेट को बिना हाथ धोए ही छू लेते हैं, जो भगवान का अपमान है। इससे जीवन में परेशानी आ सकती है। घर में नकारात्मक शक्तियां हावी हो सकती है। इसलिए भगवान का लॉकेट धारण नहीं करना चाहिए।

इन लॉकेट को कर सकते हैं धारण

ज्योतिष विज्ञान के अनुसार, भगवान के प्रतीक चिन्ह के रूप में यंत्र वाले लॉकेट धारण करना शुभ माना जाता है। इन लॉकेट को धारण करने से घर में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है और वास्तु दोष भी समाप्त होते हैं। कहा जाता है यंत्र लॉकेट धारण करने से प्रभु की कृपा बनी रहती है और घर परिवार में सुख-समृद्धि का वास रहता है।

'रक्षाबंधन' को बायकॉट करने पर अक्षय कुमार का रिएक्शन : बोले- ये एक फ्री कंट्री है और हर कोई जो चाहे कर सकता है

बॉलीवुड एक्टर अक्षय कुमार की फिल्म 'रक्षाबंधन' 11 अगस्त को रिलीज होने वाली है। फिल्म की रिलीज से पहले ही यूजर्स इसे बायकॉट करने की मांग कर रहे हैं। अब हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान अक्षय कुमार ने इस पर रिएक्ट किया और कहा इन सारी चीजों में न पड़ें, ये एक फ्री कंट्री है और हर कोई जो चाहे कर सकता है।

अक्षय कुमार ने कहा, 'जैसा कि मैंने अभी कहा कि ये एक फ्री कंट्री है और हर कोई जो चाहे कर सकता है। मैं यही कहना चाहता हूं कि कोई भी इंडस्ट्री हो, चाहें फिल्म इंडस्ट्री हो या फिर कपड़ों की इंडस्ट्री हो, ये सब भारत की अर्थव्यवस्था में मदद करती है।

हम सब अपने देश को सबसे बड़ा और महान बनाने की कोशिश कर रहे हैं। मैं उनसे (ट्रोलर्स) और आप (मीडिया) से अनुरोध करता हूं कि इसमें न पड़ें। इस तरह की चीजें करने का कोई मतलब नहीं है।'

दरअसल, लोगों का आरोप है कि कुछ समय पहले अक्षय ने धर्म का मजाक उड़ाया था और कहा था कि महाशिवरात्रि पर दूध बर्बाद करने के बजाय किसी गरीब को दें। तो लोग इस बात पर उन्हें और उनकी फिल्म को बायकॉट करने की मांग कर रहे हैं। वहीं लोग फिल्म की राइटर कनिका ढिल्लों के पुराने ट्वीट्स को शेयर करके उन्हें ट्रोल कर रहे हैं।

फिल्म 'रक्षाबंधन' 11 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। इस फिल्म को आनंद एल राय ने डायरेक्ट किया है। ये मूवी भाई-बहन के बॉन्ड और प्यार को दिखाती है। फिल्म इमोशंस से भरपूर है। इस फिल्म में अक्षय एक ऐसे भाई का किरदार निभा रहे हैं, जिसकी चार बहनें हैं। उसके ऊपर अपनी बहनों की शादी की जिम्मेदारी है। इस फिल्म में अक्षय कुमार संग भूमि पेडनेकर लीड रोल में हैं।

आप तमीज से बात करिए; बाद में कहा- सारी गलती एक्टर की होती है : तापसी पन्नू

तापसी पन्नू सोमवार को मुंबई में अपनी फिल्म दोबारा को प्रमोट करने के लिए एक इवेंट में पहुंची। यहां उनकी मीडिया और पैपराजी से बहस हो गई, इसका वीडियो सोशल मीडिया पर भी तेजी से वायरल हो रहा है। दरअसल, तापसी इवेंट पर पहुंची और उनकी फोटोज क्लिक करने के लिए पैप रोकने लगे पर वह रुकी नहीं। इसके बाद दोनों के बीच थोड़ी बहस हुई, इसपर पहले तापसी बोलीं- आप तमीज से बात करिए। हां, गलती तो एक्टर की होती है।

अर्जुन कपूर के फोन में इस नाम से सेव है मलाइका का नंबर, एक्टर ने खुद किया खुलासा

मशहूर सेलिब्रिटी टॉक शो कॉफी विथ करण का नया सीजन शुरू होने के साथ ही चर्चाओं में बना हुआ है। 'कॉफी विद करण 7' के बीते कई एपिसोड्स ने दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया। हर बार की तरह इस बार भी शो में फिल्मी सितारों से जुड़े कई तरह के खुलासे सुनने को मिल रहे हैं। इसी क्रम में अब इस हफ्ते प्रसारित होने वाले एपिसोड का प्रोमो वीडियो सामने आ चुका है। सामने आए शो के इस प्रोमो वीडियो में बॉलीवुड एक्ट्रेस सोनम कपूर और अभिनेता अर्जुन कपूर बतौर मेहमान नजर आ रहे हैं।

शो का यह एपिसोड इस गुरुवार को रक्षाबंधन के मौके पर टेलीकास्ट किया जाएगा। ऐसे में शो में भाई- बहन की यह जोड़ी मिलकर धमाल करती नजर आएगी। प्रोमो वीडियो को देख यह कहा जा सकता है कि आने वाले एपिसोड काफी मनोरंजक और धमाकेदार होगा। इसी बीच प्रोमो में एक्टर अर्जुन ने करण जौहर एक सवाल पूछते नजर आ रहे हैं। करण ने अर्जुन से पूछा कि उन्होंने अपने मोबाइल में अपनी गर्लफ्रेंड एक्ट्रेस मलाइका अरोड़ा का फोन नंबर किस नाम से सेव कर रखा है।

इस पर तुरंत जवाब देते हुए अर्जुन ने कहा कि उन्होंने एक्ट्रेस का नाम मलाइका के नाम से ही सेव किया है। इसके साथ ही अभिनेता ने इसके पीछे एक बेहद प्यारी वजह भी बताई। अर्जुन ने कहा कि उन्होंने मलाइका का नाम उन्हीं के नाम से इसलिए सेव किया है क्योंकि उन्हें एक्ट्रेस का नाम काफी पसंद है। इसके अलावा सोनम और अर्जुन ने एक-दूसरे से जुड़े कई हैरान कर देने वाले खुलासे भी किए। ऐसे में यह कहना गलत नहीं होगी कि भाई- बहन की यह जोड़ी इस बार शो में धमाल मचाती नजर आएंगे।

यह पहली बार नहीं है जब दोनों कलाकार इस शो में शिरकत कर रहे हैं। इससे पहले भी सोनम और अर्जुन करीना इस शो में नजर आ चुके हैं। वर्कफ्रंट भी बात करें तो अभिनेता अर्जुन कपूर हाल ही में रिलीज हुई फिल्म 'एक विलेन रिटर्न्स' में नजर आए थे। इस फिल्म में अभिनेता के साथ एक्ट्रेस दिशा पाटनी, तारा सुतारिया और एक्टर जॉन अब्राहिम भी नजर आए थे।

'अंगुलियां उठेंगी लेकिन..' रणवीर सिंह के बोल्ड फोटो पर सोनू सूद ने दी प्रतिक्रिया

बीते दिनों रणवीर सिंह ने अपने बोल्ड फोटोशूट से विवाद खड़ा कर दिया था। अभिनेता ने एक मैग्जीन के लिए बिना कपडे. पहने फोटोशूट करवाया था, जिस वजह से रणवीर को खूब ट्रोल किया गया। सोशल मीडिया पर अभिनेता के कई सारे मीम्स भी वायरल हुए थे। लेकिन बॉलीवुड कलाकारों ने रणवीर का खुलकर समर्थन किया था। कई कलाकारों ने इस फोटोशूट पर प्रतिक्रिया दी और अब रणवीर के बोल्ड फोटोशूट पर सोनू सूद का रिएक्शन भी सामने आ गया है।

सोनू सूद ने अपने बयान में रणवीर सिंह के समर्थन में बात की है। उन्होंने कहा, 'यह एक व्यक्ति की अपनी पसंद है कि वह किस तरह का फोटोशूट करवाना चाहता है और जो वह चाहता है वह करें। हम एक ऐसी दुनिया में रहते हैं कि जहां अगर आप कुछ अलग करते हैं तो लोग आप पर अंगुलियां जरूर उठाएंगे।

इसके आगे उन्होंने कहा कि लेकिन मुझे लगता है कि अगर आप इस तरह का शूट या फिर कुछ और भी करते हैं तो आप पहले से ही तैयार हो जाते हैं क्योंकि आपको भी पता है कि इस तरह की प्रतिक्रिया मिलने वाली हैं। इसलिए अगर कोई तैयार है तो क्यों नहीं? लोग अपने हिसाब से कुछ भी बोल सकते हैं लेकिन फोटोशूट करवाना व्यक्ति की खुद की मर्जी है। एक व्यक्ति अपने लिए कुछ भी सोच सकता है और कर सकता है।

इससे पहले रणवीर सिंह के बोल्ड फोटोशूट पर ट्विंकल खन्ना, आलिया भट्ट, करीना कपूर, उर्फी जावेद, दीपिका पादुकोण, राखी सावंत, स्वरा भास्कर समेत कई अभिनेत्रियों के बयान सामने आ चुके हैं। इन तमाम अभिनेत्रियों ने रणवीर का बचाव किया था और उन्हें ट्रोल करने वालों को खूब खरी-खोटी सुनाई थी।

सोशल मीडिया ने अंजलि अरोड़ा को बनाया करोड़पति

सोशल मीडिया सेंसेशल अंजलि अरोड़ा अक्सर अपने वीडियोज को लेकर चर्चा में रहती हैं। कच्चा बादाम गाने पर अपने वीडियो से फेमस हुईं अंजलि अरोड़ा आज सोशल मीडिया पर एक बड़ी फैन फॉलोइंग रखती हैं। बीते दिनों बॉलीवुड अभिनेत्री कंगना रणौत के रियलिटी शो लॉकअप में नजर आईं अंजलि एक बार फिर सुर्खियों में हैं। दरअसल, हाल ही में इंटरनेट पर अंजलि अरोड़ा एक प्राइवेट वीडियो लीक होने के बाद से ही वह सुर्खियों में बनी हुई हैं। हालांकि, अभी तक इस वीडियो की पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन सोशल मीडिया यूजर्स का मानना है कि इस वीडियो में दिख रही लड़की अंजलि अरोड़ा ही है। अपने इस वीडियो को लेकर सुर्खियां बटोर रहीं अंजलि को तो हर कोई जानता है।

इस साल फरवरी में शुरू हुए एकता कपूर के शो लॉकअप में मशहूर सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर अंजलि अरोड़ा भी बतौर कंटेस्टेंट नजर आई थीं। सोशल मीडिया पर अपने वीडियोज के लिए मशहूर अंजलि को इस शो ने देशभर में पहचान दिला दी। वह इस शो की रनर अप कभी रहीं। शो से बाहर आने के बाद से ही वह सुर्खियां बटोर रही हैं। इंस्टाग्राम रील्स हों या उनके ग्रेसफुल लुक्स प्रशंसकों से उन्हें ढेर सारा प्यार मिला है। सोशल मीडिया के जरिए अपनी पहचान बनाने वालीं अंजलि अरोड़ा ने अपने करियर की शुरुआत वीडियो शेयरिंग ऐप टिकटॉक से की थी। लेकिन फिर देश में इस पर लगे प्रतिबंध की बाद उन्होंने यूट्यूब और इंस्टाग्राम पर अपने वीडियोज बनाने शुरू किए। देखते ही देखते अंजलि इंटरनेट पर काफी मशहूर हो गईं। मौजूदा समय में उनके इंस्टाग्राम अकांउट उनके करीब 11.2 मिलियन फॉलोअर्स हैं। हालांकि, उन्हें सोशल मीडिया पर मशहूर गाने 'कच्चा बादाम' पर अपना लिप सिंक वीडियो के बाद शोहरत हासिल हुई।

सोशल मीडिया इंफ्यूएंसर होने के साथ ही अंजलि अरोड़ा एक अभिनेत्री और मॉडल भी हैं। उन्होंने अपने डेब्यू म्यूजिक वीडियो 'सुपना' के साथ मॉडलिंग और अभिनय में भी अपना पैर जमा लिए हैं। इस वीडियो एल्बम के बाद अंजलि कई संगीत वीडियो में नजर आईं, जिसमें 'टेम्पोरेरी प्यार''तेरे बरगी', 'आशिक पुराना', 'पौने 12,'शायद फिर से' आदि शामिल हैं। वहीं, नेटवर्थ की बात करें तो अंजलि करोड़ों की संपत्ति की मालकिन हैं।

रिपोर्ट्स की मानें तो वर्तमान में अंजलि अरोड़ा की कुल संपत्ति लगभग तीन करोड़ रुपये है। वहीं, उनकी मासिक आय की बात करें तो वह मुख्य रूप से मॉडलिंग और ब्रांड एंडोर्समेंट के जरिए हर महीने तीन लाख तक की कमाई करती हैं। साथ ही वह अपने एक इंस्टाग्राम पोस्ट के लिए 50 हजार से एक लाख की रकम वसूलती हैं। इसके अलावा खबरों के मुताबिक कंगना रणौत के शो लॉकअप के लिए उन्होंने हर हफ्ते तीन से चार लाख रुपये चार्ज किए थे।

हीरो नहीं खूखार विलेन बन विजय सेतुपति ने कमाए 80 करोड़, शाहरुख-अल्लू अर्जुन को दी टक्कर

साउथ अभिनेता विजय सेतुपति अब पैन इंडिया स्टार बन गए हैं। उनकी वर्सेटाइल एक्टिंग के फैंस दीवाने हैं और इसी वजह से जब भी किसी फिल्म के साथ विजय सेतुपति का नाम जुड़ जाता है तो फैंस काफी एक्साइडेट हो जाते हैं। इन दिनों विजय सेतुपति के पास कई बड़े प्रोजेक्ट हैं, जिसमें वह विलेन का किरदार निभाते हुए नजर आएंगे। इस लिस्ट में शाहरुख खान की 'जवान' और अल्लू अर्जुन की 'पुष्पा 2' जैसी फिल्में शामिल हैं। लेकिन क्या आपको पता है कि विजय सुतपति सबसे महंगे विलेन भी बन गए हैं। अभिनेता सिर्फ अपनी फिल्मों से 100 करोड़ से ज्यादा की कमाई करने वाले हैं। आइए आपको इसके बारे में बताते हैं।

एक रिपोर्ट के मुताबिक, विजय सेतुपति को शाहरुख खान की फिल्म 'जवान' में खलनायक की भूमिका के लिए साइन किया गया है। एटली के निर्देशन में बन रही इस फिल्म के लिए विजय सेतुपति 30 करोड़ रुपये चार्ज कर रहे हैं, जो एक मोटी रकम है। वहीं, अल्लू अर्जुन की फिल्म 'पुष्पा 2' के लिए विजय सेतुपति लगभग 25 करोड़ रुपये फीस ले रहे हैं। इस फिल्म में विजय सेतुपति अल्लू अर्जुन से भिड़ते हुए नजर आएंगे। ये कहा जा सकता है कि इस फिल्म में दोनों की टक्कर फैंस को खुश कर देगी। इस फिल्म का निर्देशन सुकुमार कर रहे हैं।

साउथ सुपरस्टार नंदामुरी बाला कृष्णा की आने वाली फिल्म 'वीजेएस' में भी विजय सेतुपति का अहम किरदार है और इस रोल के लिए भी अभिनेता अच्छी खासी रकम चार्ज कर रहे हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक, इस फिल्म के लिए विजय की फीस 25 करोड़ रुपये फाइनल हुई है, जिसके लिए अभिनेता ने हां भी कर दी। 'जवान', 'पुष्पा 2' और 'वीजेएस' की फीस को मिला दिया जाए तो विजय सेतुपति महज इन तीन फिल्मों से 80 करोड़ रुपये कमा लिए हैं।

शाहिद कपूर और विजय सेतुपति

इन तीन फिल्मों के अलावा, विजय सेतुपति हिंदी में कटरीना कैफ के साथ फिल्म 'मैरी क्रिसमस' और 'गांधी वार्ता' में भी दिखाई देंगे। वह वेत्रिमारन द्वारा निर्देशित 'विदुथलाई' और तमिल में निर्देशक एच. विनोद की एक फिल्म में भी नजर आने वाले हैं।

विजय सेतुपति के पास शाहिद कपूर की वेब सीरीज 'फर्जी' भी है, जिसका निर्देशन 'द फैमिली मैन' राज और डीके कर रहे हैं। इस सीरीज में राशी खन्ना और रेजिना कैसेंड्रा भी नजर आने वाली हैं।

अब महेश बाबू को पैन इंडिया स्टार बनाएंगे एसएस राजामौली, जल्द फिल्म का नाम करेंगे एलान

महेश बाबू की गिनती तेलुगू फिल्म इंडस्ट्री के बड़े सुपरस्टार्स में की जाती है। आज वह अपना जन्मदिन मना रहे हैं। एक्टर के बर्थडे के दिन उनके फैंस के लिए इससे बड़ी खुशखबरी और क्या हो सकती है कि वह मशहूर निर्देशक एसएस राजामौली के साथ काम फिल्म करने के लिए पूरी तरह से तैयार है। उनके इस खुलासे के बाद से ही फैंस की बेसब्री काफी ज्यादा बढ़ गई है। हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान राजामौली के साथ काम करने के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा, 'मेरे लिए उनके साथ काम करना एक सपने के सच होने जैसा है। राजामौली गारु के साथ एक फिल्म करना 25 फिल्मों के बराबर है। यह शारीरिक रूप से बहुत कठिन होने वाला है, लेकिन मैं इसके बारे में वास्तव में बहुत उत्साहित हूं। यह एक पैन इंडिया फिल्म होगी। मुझे उम्मीद है कि हम कई बाधाओं को तोड़कर अपने काम को देश भर के दर्शकों तक पहुंचाएंगे।'

इस फिल्म में नजर आएंगे महेश बाबू

कुछ समय पहले ही विदेश से छुट्टी मनाकर लौटे महेश बाबू जल्द ही त्रिविक्रम श्रीनिवास के साथ काम करते नजर आने वाले हैं। इससे पहले वह उनके साथ अठाडु और खलेजा में नजर आ चुके हैं। महेश बाबू की त्रिविक्रम के साथ यह तीसरी फिल्म होगी। इस फिल्म के बाद ही वह राजामौली की फिल्म शुरू करेंगे।

बता दें कि महेश बाबू न केवल दक्षिण के सुपरस्टार हैं, बल्कि हिंदी दर्शकों सहित देश भर में उनके प्रशंसक हैं। हालांकि हाल ही में अभिनेता को उनके बॉलीवुड पर दिए गए बयान पर काफी ट्रोलिंग का सामना करना पड़ा था। वहीं, राजमौली की बात करें तो वह केवल साउथ ही नहीं बल्कि देश के सबसे बड़े डायरेक्टर्स में से एक हैं। अब तक उन्होंने कई सुपरहिट फिल्में बनाई हैं। हाल ही में रिलीज हुई उनकी फिल्म आरआरआर ने बॉक्स ऑफिस पर जबरदस्त कलेक्शन किया था।

हिंदी के साथ-साथ तमिल, तेलुगू, मराठी, मलयालम की 130 से ज्यादा फिल्मों में काम किया मुरली शर्मा ने

भारतीय सिनेमा में हीरो और हीरोइन की बात हर कोई करता है लेकिन इस इंडस्ट्री में कई ऐसे कलाकार भी हैं जिन्होंने अनगिनत फिल्मों में बतौर साइड अभिनेता या अभिनेत्री के रूप में काम करके लोगों का मनोरंजन किया है। इन्हीं में अभिनेता मुरली शर्मा का नाम भी शामिल है। मुरली शर्मा को अगर पैन इंडिया कलाकार कहा जाए तो गलत नहीं होगा। उन्होंने हिंदी के साथ-साथ तमिल, तेलुगू, मराठी, मलयालम भाषा में रिलीज हुई कई फिल्मों में काम किया है। लेकिन उन्हें इस इंडस्ट्री में अपनी एक अलग पहचान बनाने के लिए काफी संघर्ष करना पड़ा। आइए आज आपको अभिनेता के जन्मदिन पर उनके करियर और शादीशुदा जिंदगी के बारे में बताते हैं।

9 अगस्त 1972 को मुरली शर्मा का जन्म आंध्र प्रदेश के गुंटूर में हुआ था। उनके पिता बृजभूषण शर्मा एक मराठी हैं लेकिन मां तेलुगू हैं। हालांकि, मुरली छोटी उम्र में ही मुंबई आ गए थे और यहीं रहकर उन्होंने अपनी शिक्षा को पूरा किया। इसी वजह से वह खुद को आंध्र प्रदेश का न मानकर मुंबई का मानते हैं और खुद को 'बॉम्बेलाला' कहते हैं। अभिनेता ने

अपना ग्रेजुएशन पूरा करने के बाद ही एक्टिंग की दुनिया में कदम रख दिया था लेकिन इससे पहले उन्होंने रोशन तनेजा एक्टिंग स्कूल में अभिनय का अध्ययन किया।

130 से ज्यादा फिल्मों में किया काम

मुरली शर्मा ने अलग भाषाओं की 130 से ज्यादा फिल्मों में काम किया है। उन्होंने कई बड़े कलाकारों के साथ स्क्रीन शेयर की है। इतना ही नहीं, कुछ फिल्मों में उन्होंने ऐसे दमदार किरदार निभाए हैं, जो फैंस के बीच लोकप्रिय है। मुरली को 'मैं हूं न', 'डोल', 'धमाल', 'ब्लैक फ्राइडे', 'गोलमाल रिटर्न' जैसी कई शानदार फिल्मों के लिए जाना जाता है। इसके अलावा, उन्होंने साउथ सिनेमा में भी कई शानदार फिल्मों में काम किया है। हालांकि, एक सच्चाई ये भी है कि वह फिल्मों में हमेशा निगेटिव किरदार में दिखाई देते हैं। अपने शानदार काम के लिए मुरली बेस्ट विलेन के लिए नंदी अवॉर्ड, बेस्ट सपोर्टिंग रोल के लिए सीमा अवॉर्ड से सम्मानित हो चुके हैं।

अश्विनी कालसेकर से रचाई शादी

सिनेमा जगत के लोगों को हटा दिया जाए तो कम ही लोग जानते हैं कि मुरली शर्मा ने साल 2009 में अश्विनी कालसेकर से शादी रचाई थी। अश्विनी की यह दूसरी शादी थी। उनकी पहली शादी साल 1998 में नीतीश पांडे नाम के शख्स से हुई थी। अश्विनी भी मुरली शर्मा की तरह कई फिल्मों में नजर आ चुकी हैं। वह टीवी में भी काफी सक्रिय रहीं। एक बार अश्विनी ने अपने पति मुरली शर्मा के साथ अपने संबंधों के बारे में बात की थी और कहा था, 'मुरली और मैं दोस्त हैं। वह किताबों और संगीत में अधिक रहना पसंद करते हैं। ईमानदारी से कहूं तो हम एक दूसरे से अलग हैं लेकिन हमें एक दूसरे की पसंद और प्राथमिकताओं को महत्व देने के बारे में अच्छी समझ है। मुझे लगता है कि यह हमें चलता रहता है!

हॉस्टल रूपी घर में सुकून तलाशने के लिए इन बातों का ध्यान रखना चाहिए

आज बात हो रही है आपके लाड़ले बच्चों के आगे की पढ़ाई के लिए नए शहर जाने और वहां हॉस्टल में एक नई शुरुआत करने की, तो चलिए जानते हैं इस बारे में क्या कुछ किया जा सकता है।

कहते हैं कि - 'घर से बाहर घर नहीं मिलता' लेकिन कोशिश और उम्मीद पर ही दुनिया क़ायम है, इसलिए हॉस्टल रूपी घर में सुकून तलाशने के लिए ये दोनों ही करना बेहतर है।

सुरक्षा है ज़रूरी

ये शुरुआत बच्चों और पैरेंट्स दोनों के लिए ही नई होती है। मन में सबसे ज़्यादा दुविधाएं होती हैं सुरक्षा को लेकर, यह अहम भी है। इस मामले में फिलहाल सबसे अहम बात है कोविड प्रोटोकॉल फॉलो करने की। वैसे तो इंस्टीट्यूशंस इस मामले में ख़ुद ही निर्देश जारी करते हैं, लेकिन आपको भी पूछने का पूरा हक़ है, झिझकें नहीं। इसके अलावा बायोमेट्रिक अटेंडेंस, खाने की विविधताएं (वेज-नॉनवेज), कैंपस का प्रबंधन और सफ़ाई, गार्ड्स की व्यवस्था जान लेना ज़रूरी है।

रूम का चयन

अधिकतर हॉस्टल्स में एक सैंपल रूम तैयार कर लिया जाता है, ताकि पैरेंट्स इसे देखकर बच्चे की होने वाली रिहाइश का अंदाज़ लगा सकें और पैरेंट्स को हॉस्टल दिखाए जाने की ज़हमत से बचा जा सके। हॉस्टल ज्वॉइन करने से पहले बच्चे के साथ यह तय कर लें कि वह सिंगल, डबल या ट्रिपल शेयरिंग रूम में से क्या पसंद करेगा। एसी या नॉन एसी रूम के बारे में भी बात करें। रूम की पसंद काफ़ी हद तक बच्चे की घुलने-मिलने और शेयरिंग की

आदतों पर भी निर्भर करती है। अगर बच्चा प्राइवेसी पसंद करता है, तो मुमकिन है शेयरिंग पसंद न करे। हालांकि रूममेट के साथ रहने का अलग ही आनंद है, कौन जाने कि भविष्य में इन्हीं में से कोई आपके बच्चे का जिगरी यार बन जाए।

सुविधाएं भी जान लें

जब बात सुविधाओं की आती है तो बात शुरू होती है घर में सहजता से मिली सुविधाओं की जिसे अमूमन बच्चे 'बेसिक्स' का नाम देते हैं। लेकिन यही बेसिक्स घर से बाहर निकलते ही 'एसेंशियल्स' यानी ज़रूरत के दायरे में आ जाते हैं। इसमें वाय-फाय, हाउसकीपिंग, लॉन्ड्री सर्विस, नहाने का गर्म पानी, चार्जिंग पॉइंट्स, विंडो नेट्स, ए.सी., एक अदद अलमारी और सबसे अहम चीज़ स्टडी टेबल शामिल है। लब्बो-लुबाब यह है कि ये वो चीज़ें हैं जिनके बिना पढाई, टाइम व ख़र्चों का प्रबंधन

और सोशल लाइफ आसान नहीं होगी।

खानपान की जानकारी

किसी भी शख़्स के तन और मन से ख़ुश रहने में सबसे महती भूमिका निभाता है खान-पान। वैसे तो खाने की गुणवत्ता जांचना हमारे दायरे में नहीं आता, फिर भी सीनियर स्टूडेंट्स, पहचान के पढ़ने वालों और कैंटीन मैनेजमेंट से जुड़े लोगों से बात करके मोटा-मोटा अंदाज़ा लगा सकते हैं। अमूमन जगहों पर नाश्ता, दोपहर का भोजन, रात का खाना मिलने का वक़्त दो से ढाई घंटे के बीच रखा जाता है। वक़्त रहते भरपेट भोजन करने के लिए आपको ये पता होना बेहद ज़रूरी है।

पैसों का लेखा-जोखा

पहली बार घर से बाहर जाने से पहले बच्चे का बैंक एकाउंट ज़रूर खुलवा दें और बेसिक बैंक ट्रांजैक्शंस से उसको अवगत करवाएं।

चंकि यूपीआई पेमेंट्स का चलन बढ़ चुका है, तो उसे एक ऐसे माध्यम से ज़रूर जोड़ें।

लेकिन यह ज़रूर बताएं कि पॉकेट में कुछ कैश हमेशा रखा होना चाहिए। वरना मुमकिन है कि कुछ वक़्त के लिए कोई अहम काम अटक जाए।

बच्चे को जहां सीमा में रहते हुए पॉकेट मनी दें, वहीं उसको समझाएं कि इसमें से थोड़ा ही सही लेकिन कुछ पैसा महीना पूरा होने तक एकाउंट में ज़रूर बचाए। वह ठनठन गोपाल होने की आदत से बचे।

बच्चे वीकेंड्स पर फ्रेंड्स के साथ ज़रूर बाहर जाते हैं, ऐसे में कॉन्ट्री करना बेहतर है। लेकिन बच्चे का जितना ध्यान अपने पैसों का शेयर दूसरों से वापस लेने का हो, उतना ही ख़्याल वह दूसरे का वापस करने का भी रखे।

स्टार फैक्ट

नई जगह पर नए दोस्त बनाते वक़्त 'नो इमीजिएट कनेक्शंस, नो इमीजिएट रिएक्शंस' का बेसिक रूल बतलाइए। यानी न फौरन किसी को बेहतरीन दोस्त समझ लीजिए, न ही फौरन उसको बुरा समझकर दोस्ती ख़त्म कर दीजिए।

ये न भूलें : बच्चों को यक़ीन दिलाएं कि दूर होने के बावजूद आप उनसे सिर्फ़ एक फोन की दूरी पर हैं। बच्चे को बताएं कि उसका शौक़ चाहे पेंटिंग, फिटनेस, पढ़ना, वाद्य यंत्र बजाना या कुछ भी हो, वह उसे हॉस्टल में भी जारी रखे। बेसिक फर्स्ट एड किट ज़रूर साथ में दें, बेहतर हो कि इस बॉक्स में एक काग़ज पर लिख दें कि किस बीमारी में क्या बेसिक दवा ली जाए। हालांकि डॉक्टर को ज़रूर दिखाया जाए। बच्चों को उनके नए माहौल में अकेला न छोड़ें, रोज़ बातचीत बनाए रखें।

सही पढ़ने के लिए चुनें सही किताबें

पढ़ने के लिए पुस्तकें अब सहज उपलब्ध हैं, परंतु उनमें से अपने लिए चुनाव करना काफ़ी मुश्किल हो गया है। ऐसे में ये सुझाव आपकी मदद करेंगे।

किताब ख़रीदते समय आप यही सोचते हैं कि वह आपकी उम्मीदों के अनुरूप होगी। जब पढ़ते हैं तो कई बार वह मनमुताबिक़ होती है तो कभी शीर्षक से ठीक उलट निकल जाती है। नतीजतन अगली बार जब नई किताब ख़रीदने का विचार कर रहे होते हैं तो सही चुनाव कर पाना आपके लिए और भी मुश्किल हो जाता है। किताब की डिज़ाइन, तस्वीर और शीर्षक से अंदाज़ा लगा पाना मुश्किल होता है कि वह आपकी पसंद से मिलती-जुलती है भी या नहीं। लिहाज़ा कुछ तरीक़ों से सही और पसंद की किताब चुन सकते हैं।

किताब का फ्लैप पढ़ें

अगर आप दुकान या प्रदर्शनी में किताब खोज रहे हैं तो जो पुस्तक आपको आकर्षक नज़र आए उसे उठा लें। किताब के पीछे का कवर पढ़ें, जिसमें आप जान सकेंगे कि यह किस विषय पर आधारित है और आपकी दिलचस्प की है या नहीं। फ्लैप पर लिखा संक्षेप पढ़ने में आकर्षक

लग रहा है तो किताब खोलें और उसका पहला पन्ना पढ़ें। यदि मुमकिन हो तो दो-चार पन्ने पढ़कर देखें ताकि किताब की भाषा और लेखन शैली समझ में आए। अगर पढ़ने में अच्छी लग रही है तो इसे चुन सकते हैं। यदि किताब ऑनलाइन ख़रीद रहे हैं तो उसमें भी पुस्तक विवरण पढ़कर सही चुनाव कर सकते हैं। कुछ ऑनलाइन किताबों का पहला अध्याय मुफ़्त होता है जिसे पढ़कर पुस्तक की विषयवस्तु जान सकते हैं।

सही लेखक का चुनाव

यदि लेखक का चुनाव करने में समस्या हो रही है तो उनकी किताबें पढ़ें जो प्रसिद्ध हैं। लोकप्रिय लेखकों की पुस्तकें आमतौर पर उबाऊ नहीं होतीं। इसकी सूची इंटरनेट पर आसानी से मिल जाएगी। इनमें से जो विषय आपको पसंद आए उसके बारे में थोड़ा खोजें और फिर ख़रीदें।

पसंद को महत्व दें

कुछ लोग दूसरों को देखकर पुस्तक का चयन करते हैं। परंतु किताब का विषय हमेशा वही चुनें जिसमें आपकी दिलचस्पी हो। किसी को देखकर अपनी पसंद तय नहीं करें। इसी तरह जो भाषा आपको सहज लगती है उसी में किताब पढ़ें। दिखावे के लिए या दूसरों की देखा-देखी भाषा न चुनें। पसंद की भाषा होगी तो किताब पढ़ने में दिलचस्पी बनी रहेगी।

रिव्यू ज़रूर पढ़ें

कई समीक्षक किताब की समीक्षा करते हैं जिससे आपको मदद मिल सकती है। उनके ब्लॉग में समीक्षा पढ़कर सही पुस्तक का चयन कर सकते हैं। इसके लिए किसी प्रसिद्ध या अच्छे समीक्षक के सोशल मीडिया अकाउंट पर जाएं जहां हर प्रकार की किताब की सूची मिल जाएगी। उनकी वेबसाइट पर भी जा सकते हैं। सोशल मीडिया और ब्लॉग पर जाने का दूसरा फ़ायदा यह भी है कि वहां कई पाठकों के कमेंट्स भी होंगे जिनसे आप यह जान सकेंगे कि वाक़ई वह किताब आपको पढ़नी चाहिए या नहीं।

इसके अलावा अख़बार और मैगज़ीन में भी बुक रिव्यूज़ पढ़ सकते हैं। इनमें आपको नई किताबों की जानकारी मिलेगी और कम शब्दों में उनकी ख़ासियत भी जान सकेंगे।

फिल्म से मदद लें

कई फिल्में किताबों या साहित्यिक कहानियों पर भी आधारित होती हैं। देवदास, टू स्टेट्स, तीसरी क़सम, रजनीगंधा, परिणीता, गाइड, नदिया के पार आदि फिल्में ऐसी ही हैं। फिल्में देखकर अच्छी किताब का चुनाव कर सकते हैं या उस लेखक की अन्य पुस्तकें पढ़ सकते हैं।

स्वरोज़गार शुरू करने से पहले...

घर पर रहकर व्यवसाय करना बहुत आसान है। बेहतर योजना, समझदारी और बुनियादी तैयारी के साथ आप इसकी शुरुआत कर सकती हैं

कई महिलाएं ख़ुद का व्यवसाय शुरू तो करना चाहती हैं, किंतु इसे पहले ही अपनी क्षमता से बाहर मानकर मन बदल लेती हैं। हालांकि स्वरोज़गार उतना मुश्किल भी नहीं है जितना आप सोचती हैं। हर व्यवसाय के लिए न ही बड़ी-बड़ी मशीनों की ज़रूरत है और न ही बहुत सारे कर्मचारियों और बड़ी जगह की। ज़रूरत है तो केवल कौशल, दिलचस्पी और कुछ तैयारियों की। हम बताएंगे कि शुरुआत कैसे करनी है और कौन-से विकल्प आपके लिए आसान होंगे।

पहले जानें दिलचस्पी

आप कोई भी व्यवसाय तभी बेहतर ढंग से कर सकती हैं जब उसमें आपकी दिलचस्पी हो। मान लीजिए कि आपको मिट्टी के बर्तनों को रंगने और सजाने का शौक़ है, तो आप उस काम को मन लगाकर करेंगी। अगर केवल व्यवसाय सोचकर करेंगी, तो वो आपके लिए बस काम होगा। संभव है कुछ दिन बाद ऊब भी हो जाए। लिहाज़ा पहले अपनी दिलचस्पी जानें और उसके बाद उसे व्यवसाय में बदलें।

आरंभिक तैयारियां

देखें कि आपकी रुचि या शौक़ में व्यावसायिक लाभ की कितनी संभावनाएं हैं। वैसे, सच तो यह है कि इंटरनेट के दौर में आप कहीं भी हों, अपने किसी भी शौक़ को व्यवसाय का रूप दे सकती हैं।

ज़रूरत है तो बस एक आइडिया की।— अब चाहिए आपके ब्रांड का

नाम। नाम के आधार पर लोगो या लेबल तैयार करें। लोगो या लेबल वस्तु से जुड़ा होना चाहिए, जैसे कि अगर पौधों का व्यवसाय है तो पत्तियों और हरे रंग से संबंधित लोगो या लेबल चुनें। ब्लॉग, वेबसाइट और सोशल मीडिया के ज़रिए भी ग्राहकों तक पहुंचें। सोशल मीडिया पर लोगों से जुड़ें। हैशटैग बनाएं और इसकी मदद से ग्राहकों तक पहुंचें। मोबाइल या डिजिटल कैमरे से सामान की अच्छी तस्वीरें खींचें। इन्हें सोशल मीडिया और ब्लॉग पेज पर डालें। देखें कि संभावित उपभोक्ता या क्लाइंट कौन हो सकते हैं। उन तक कैसे पहुंचेंगी, प्रॉडक्ट-सर्विस के बारे में कैसे बताएंगी।

ये हैं कुछ विकल्प

पौधों का व्यवसाय

बीते कुछ सालों से लोगों में पौधों की तरफ़ रुझान बढ़ा है। ख़ासतौर पर सब्ज़ियों के पौधे और इनडोर प्लांट्स की मांग बढ़ी है। अगर आपके घर में भी कई तरह के पौधे हैं, तो उनसे नई क़लम और पौधे तैयार करके बेच सकती हैं। कई तरह की घास जो सजावट में उपयोग होती हैं उनका व्यवसाय भी कर सकती हैं। सब्ज़ियों के फूलों से बीज बनाकर या पौधे बेच सकती हैं।

बाथ बम या साबुन

आजकल लोग प्राकृतिक चीज़ों से बने साबुन, क्रीम आदि पसंद कर रहे हैं। आप अभिरुचि के अनुसार बाथ बम या साबुन घर पर तैयार कर सकती हैं। आकार देने के लिए कई तरह के मोल्ड का प्रयोग करें जिससे साबुन की ख़ूबसूरती बढ़ेगी। वहीं पैकेजिंग पारदर्शी रख सकती हैं और उसमें अपने लोगो का स्टिकर लगा सकती हैं। इसी तरह ख़ुशबूदार और सुंदर मोमबत्तियों का विकल्प भी अच्छा है। इनके लिए कलात्मक अभिरुचि आवश्यक है।

घर की बनी मिठाई

बाज़ार में मिलावट की आशंका के चलते अब बहुत से लोग घर की बनी मिठाइयां या स्नैक्स ख़रीदना पसंद करते हैं। ख़ासतौर पर त्योहारों पर इनकी मांग बढ़ जाती है। अगर आप मिठाई और स्नैक्स बनाने की शौक़ीन हैं, तो इनका भी व्यवसाय कर सकती हैं। इसे ऑर्डर के मुताबिक़ तैयार करें। पैकेजिंग के लिए पारदर्शी डिस्पोज़ेबल डिब्बों का उपयोग करके अपना स्टिकर लगाकर दें, बस।

इनका रखें ध्यान

सोशल मीडिया या ब्लॉग पर सामान की असली तस्वीर साझा करें। तस्वीर एडिट न करें। इससे ब्रांड की विश्वसनीयता बनी रहेगी।

गुणवत्ता का ध्यान रखें। बुनियादी सामग्री अच्छी और ताज़ी हो।

आप जिस शहर में हैं शुरूआत में वहीं पर सामान बेचें ताकि ग्राहकों तक पहुंचना आसान रहे।

ऐसे तैयार करें ब्रांड

प्रॉडक्ट की लेबलिंग या लोगो स्टिकर के लिए छोटी-सी मशीन ख़रीद सकती हैं। इसमें लोगो या लेबल स्टिकी कागज़ पर प्रिंट किया जाता है। लोगों तैयार करके बाज़ार से भी निकलवा सकती हैं। प्रिंट पेन ले सकती हैं जिसे मोबाइल से कनेक्ट करके जो चाहे जिस पर चाहे प्रिंट कर सकती हैं। इस पेन की शुरुआती क़ीमत 200 रुपये है। पैकेजिंग साधारण रखें, जैसे कि पारदर्शी डिब्बे या प्लेन कागज़। इस पर सिर्फ़ लोगो लगाना काफ़ी होगा।

घर का मुखिया अनुशासित होता है, तो परिवार भी अनुशासन में रहता है

घर का मुखिया अनुशासित होता है, तो परिवार भी अनुशासन में रहता है। परिवार कितना विकसित होता है और कैसे एक ख़ुशहाल और मज़बूत परिवार के रूप में उभरकर आता है यह निर्भर करता है उस घर के 'मुखिया' पर। उनका घर के छोटे और बड़े सदस्यों के प्रति व्यवहार व अनुशासन प्रणाली इस प्रकार होनी चाहिए जो परिवार को एक मज़बूत व प्रेम की डोरी में बांधकर रख सके। और इसकी शुरुआत होती है घर के छोटे सदस्यों के बालपन से।

परिवार के छोटे सदस्य अपने बड़ों से दो प्रकार से सीखते हैं, पहला, जो उन्हें बोलकर सिखाया जाता है, दूसरा, जो बोला है उसे करके दिखाकर। स्पष्ट है, आचरण बोलकर नहीं, अभ्यास में लाकर सिखाया जाता है।

... पर अनुशासन ज़रूरी क्यों है?

हम कई बार किसी भी व्यक्ति के लिए सुनते हैं कि 'वह अच्छे परिवार से है', लेकिन सवाल यह है कि 'अच्छा परिवार' बनता कैसे है?

अच्छा परिवार यानी अनुशासित और ज़िम्मेदार परिवार, जहां हर सदस्य नियम और क़ायदों के साथ चलता है। नियम ही परिवार, मनुष्य और वस्तुओं के प्रति सम्मान की भावना उत्पन्न करते हैं। परिजनों, मेहमानों, मूक प्राणियों की भावनाओं तथा वस्तुओं और व्यवस्थाओं के प्रति संवेदनशीलता की जैसी क़द्र इंसान घर में करेगा, वैसा ही उसका आचरण बाहर की दुनिया में होगा।

नियम और क़ायदे परिवार की नींव हैं, जो व्यक्ति को बेहतर इंसान बनाते हैं। इससे सबका जीवन समान रूप से व्यतीत होता है और वे परिवार के प्रति ज़िम्मेदार बनते हैं। ज़िम्मेदारी का भाव घर के साथ-साथ बाहर भी क़ायम रहता है।

इस तरह तय कर सकते हैं नियम...

परिवार समाज की सबसे छोटी इकाई तो होता ही है, यह सामाजिक व्यवहार का छोटा आईना भी होता है। यहां जैसा आचरण, जैसा स्वरूप इंसान रखता है, दुनिया में भी उसकी स्थिति कमोबेश वैसी ही होती है। इसीलिए कहा जाता है कि सारे रवैए घर से दुरुस्त करते चलें। अनुशासन और नियम इसमें मदद करते हैं।

समय सीमा का नियम बनाएं

कुछ चीज़ों के लिए समय सीमा तय करें जिसका पालन बच्चों से लेकर बड़ों तक सब करें। एक नियम आठ घंटे की नींद लेने का बनाएं। ये सबके लिए समान हो। ऐसा ना हो कि बच्चों को जल्दी सोने के निर्देश देकर बड़े देर रात तक जागते रहें। दूसरा नियम घर लौटने के समय का है। कोशिश यह करनी है कि हर सदस्य शाम को तय समय तक घर लौटकर आ जाए। हालांकि जिनकी देर रात तक दफ़्तर में काम करने की मजबूरी है, उन्हें छूट दी जा सकती है, लेकिन अन्य सदस्यों के लिए यह नियम अपरिवर्तनीय होना चाहिए।

भेदभाव पैदा ना होने दें

प्रिय बच्चे या प्रिय बहू-बेटे को लेकर पक्षपात वाला रवैया बड़े ना बनाएं। जिन नियमों में लचीलापन है, वो सबके लिए है और जिनके पालन में छूट नहीं दी जा सकती, वो भी सबके लिए समान हो।

फिर भी सवाल उठ सकते हैं, जैसे पहले जिन मामलों में सख़्ती थी, अब छूट क्यों है?

ऐसे सवालों पर घर के मुखिया को खुलकर बात करनी चाहिए और अपना पक्ष इस तरह स्पष्ट करना चाहिए कि बच्चों के मन में कोई कड़वाहट ना उपजे। सवाल पूछने, जिज्ञासाओं को सामने रखने को प्रोत्साहित कीजिए, यह असरदार और कारगर प्रक्रिया है।

वित्तीय ज़िम्मेदारी बराबर रखें

संयुक्त परिवार में घर ख़र्च के हिस्सों को लेकर सबसे ज़्यादा मुद्दे खड़े होते हैं। अगर परिवार में दो बेटे हैं, एक की आय दूसरे की तुलना में कम है तो इसे संतुलित करने की ज़िम्मेदारी भी मुखिया की है। जब घर ख़र्च को सदस्यों में बांटें, तो फ़ीसदी के हिसाब से तय करें, जैसे हर सदस्य को अपनी आय का पांच या दस फ़ीसदी देना है।

एक वक़्त का खाना साथ खाएं

कहते हैं कि जो परिवार साथ बैठकर खाना खाता है वो हमेशा एक-साथ होता है। साथ खाना खाने से रिश्ते मज़बूत होते हैं और एक-दूसरे के अनुभव साझा करने के लिए भी वक़्त मिल जाता है। घर के बड़े एक ऐसा वक़्त चुन सकते हैं जब पूरा परिवार घर पर मौजूद हो, जैसे कि रात का भोजन साथ कर सकते हैं। यह नियम भी होना चाहिए कि भोजन करते समय कोई अन्य कार्य नहीं करेगा जैसे कि ना तो मोबाइल का इस्तेमाल करना है और ना ही टीवी देखना है। ध्यान केवल परिवार और भोजन पर होना चाहिए।

प्रार्थना भी सभी सदस्यों के साथ करें

जब हम प्रार्थना, पूजापाठ या इबादत करते हैं, तो अपने साथ-साथ दूसरों के लिए भी प्रार्थना करते हैं। यदि बच्चों को इसमें शामिल करेंगे, तो उनमें स्वार्थ का भाव दूर होने के साथ-साथ दूसरों के लिए प्रार्थना करने का भाव विकसित होगा। इसका दूसरा फ़ायदा यह भी है कि यदि रीति-रिवाज बच्चों में छुटपन से ही डालेंगे, तो वे इन्हें समझेंगे, संस्कारी बनेंगे और जानकार भी। सुबह और शाम के समय यदि बच्चे घर पर मौजूद हैं, तो उन्हें पूजापाठ में शामिल करें। बड़ों के द्वारा की जा रही विधियों को देखकर ही बच्चे सीख सकते हैं। एक समय की प्रार्थना में पूरे परिवार की उपस्थिति अनिवार्य करें। जब एक-साथ प्रार्थना करेंगे, तो साथ मज़बूती से खड़े हो सकेंगे।

सबके दायरे तय करें

घर में किस समस्या की चर्चा पर कौन शामिल होगा और किस हद तक शामिल होगा यह घर के मुखिया को तय करना होगा। छोटे किन मुद्दों में शामिल होंगे और किन में नहीं ये दायरे तय करने का हक़ भी सिर्फ़ घर के मुखिया या बड़ों का होगा। इन सारी बातों से छोटों में एक अनुशासित व्यवहार विकसित होगा, साथ ही साथ परिवार के सदस्यों में प्रेम व सम्मान बना रहेगा।

ऐसे दूर होगी मन की उदासी...

सबकी ज़िंदगी में कोई ना कोई तनाव ज़रूर होता है। किसी को काम का तनाव है, तो किसी को कॅरियर को लेकर। ये तनाव हमारे मन (मूड) को प्रभावित करता है। पर कई बार ऐसा भी होता है कि हमारा मन क्यों उदास है इसका पता ही नहीं चलता। कुछ घंटों पहले तो ठीक था, लेकिन अब क्यों मन बदल गया, अंदाज़ा लगाना मुश्किल होता है। अगर आपके साथ भी ऐसा होता है, तो अपने मन को झट से ठीक करने के लिए कुछ अभ्यास कर सकते हैं।

मन उदास है, ये कैसे जानेंगे?

जब मन सामान्य होता है तो सभी काम सामान्य गति से पूरे होते हैं। अगर मन उदास होगा, तो हड़बड़ाहट होगी और चिड़चिड़ाहट भी। शोर और लोगों की आवाज़ सुनकर चिड़चिड़ाहट हो सकती है। रसोई में काम करते वक़्त हड़बड़ाहट होगी, ऐसा लगेगा जैसे कि काम नहीं हो पा रहा है। कई मामलों में उदासी ज़ुबान पर आ जाती है और सामने मौजूद शख़्स पर गुस्सा उतर जाता है। ऐसा आप भी महसूस करते होंगे।

इस तरह कर सकते हैं मन शांत...

संगीत से मन बदलें

मन बदलने के लिए संगीत सुन सकते हैं। हालांकि संगीत ऐसा चुनें जो मन को शांत करे ना कि चिड़चिड़ाहट पैदा करे। कई बार मन पर संगीत निर्भर करता है, जैसे कि हो सकता है कि फिलहाल आपका जैसा मन है उसमें तेज़ और शोर वाला संगीत पसंद ना आए। धीमा और शांत संगीत मन को सुकून दे।

बाग़ीचे में समय बिताएं

अगर घर में पौधे हैं, तो हरियाली में समय बिताएं। पेड़ों के बीच सैर कर सकते हैं या बाग़ीचे में बाग़वानी। शोध के मुताबिक़ पौधों के रंग खुशी और शांति देते हैं, मन बदलने में भी मददगार हैं। घर में पौधों के बीच बैठकर किताब पढ़ें या पौधों की छंटाई कर सकते हैं। नए पौधे भी लगा सकते हैं।

व्यवस्थित कार्य करें

अगर मायूसी लग रही है, तो अलमारी, टेबल या काम करने की टेबल व्यवस्थित करें। यह अभ्यास आप घर और दफ़्तर दोनों स्थान पर कर सकते हैं। अगर कोई सामान व्यर्थ है या उस जगह पर उसका काम नहीं है, तो उसे हटाकर सही स्थान पर रखें। जब आप सामान व्यवस्थित करेंगे, तो सारा ध्यान सफ़ाई पर होगा। ध्यान भटकेगा, तो मन भी बदल जाएगा।

पशु-पक्षियों को निहारें

अगर पशुओं के साथ खेलना पसंद है, तो मन को सामान्य करने का यह उपाय भी कारगर है। श्वान के साथ खेल सकते हैं और समय बिता सकते हैं। बालकनी या आंगन में बैठकर उनकी गतिविधियां देख सकते हैं। इसी तरह चिड़ियों को दाना डालकर उन्हें निहारना भी मन को सुकून देगा।

लेखनी का अभ्यास करें

काग़ज़ पर कैलीग्राफी का अभ्यास कर सकते हैं। कागज़ पर सुंदर अक्षर उकेर सकते हैं। इंटरनेट की मदद से नई-नई आकृति बनाने का अभ्यास भी कर सकते हैं।

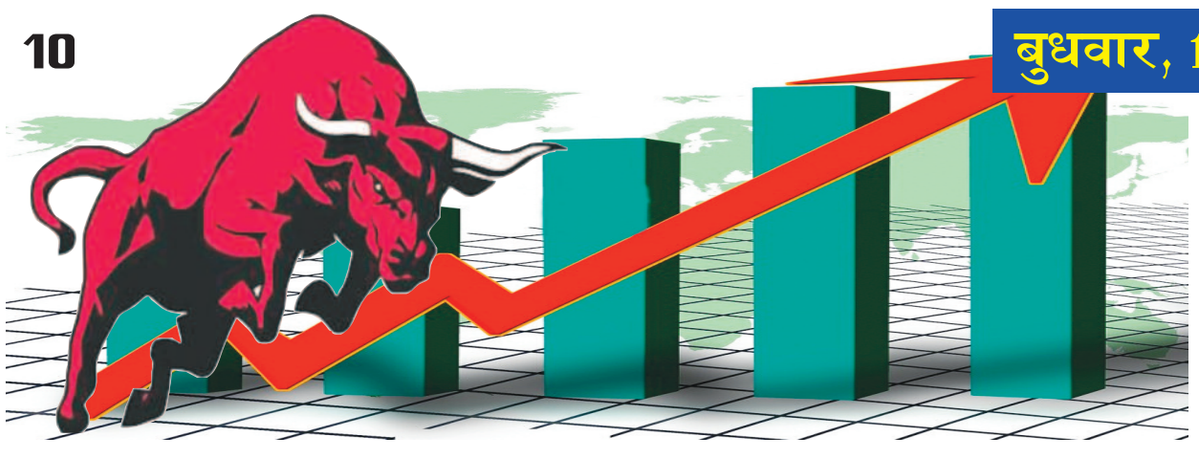

एटीएफ की कीमतों के आधार पर होगा हवाई किराये पर लगा कैप हटाने का फैसला, मंत्री ने कही ये बात

नई दिल्ली, 9 अगस्त (एजेंसियां)। नागरिक उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा है कि जेट ईंधन की कीमतों के मामले में एक स्वस्थ वातावरण बनने पर सरकार निश्चित रूप से घरेलू एयरलाइनों के लिए निर्धारित किराया कैप का पुनर्मूल्यांकन करेगी।

बता दें कि कोरोना संकट के बाद एविएशन सेक्टर रिकवरी मोड में है। खासकर यात्रियों की बढ़ती संख्या के लिहाज से यह समय काफी अहम है। भारतीय एविएशन सेक्टर में आकासा एयर ने भी कदम रख दिया है। पिछले आठ सालों में घरेलू हवाई सेवा शुरू करने वाली यह पहली एयरलाइन है।

बता दें कि बीते दिनों कोरोना महामारी के बीच सरकार ने एयरलाइनों के लिए एक किराया कैप सिस्टम लागू किया था। इसके अनुसार सरकार हर 15 दिनों के अंतराल पर एयरलाइनों के न्यूनतम और अधिकतम किराये का एक बैंड निर्धारित करती है।

एयरलाइन इस बैंड के ऊपर या नीचे अपना किराया नहीं रख सकते हैं।किराया कैपिंग सिस्टम का रिव्यू हर 15 दिन के अंतराल पर किया जाता है। नागर विमानन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा है कि सिंधिया ने कहा कि वर्तमान समय में एयरलाइंस का किराया किराया कैप के निचले हिस्से के काफी करीब नहीं है और किराया कैप के ऊंचे हिस्से से भी बहुत दूर है। हम इस दौरान एटीएफ की कीमतों के नीचे आने का इंतजार कर रहे हैं उसके बाद हम किरायों पर ठोस निर्णय जरूर लेंगे।

बीते मई महीने में ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा था कि फेयरकैप सिस्टम हवाई यात्रियों के लिए एक प्रोटेक्टर के रूप में काम कर रही है।

सस्ता होगा गेहूं, आयात ड्यूटी में सरकार कर सकती है कटौती

नई दिल्ली, 9 अगस्त (एजेंसियां)। गेहूं की बढ़ रही कीमतों को काबू में करने की योजना है। इसके लिए सरकार गेहूं आयात पर 40 फीसदी ड्यूटी को खत्म कर सकती है। इसी के साथ कारोबारियों के लिए भंडार पर सीमा भी लगा सकती है। गेहूं के दूसरे सबसे बड़े उत्पादक देश भारत में इस समय कीमतें रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई हैं। भीषण गर्मी के चलते फसल के नुकसान को देखते हुए सरकार ने मई में गेहूं निर्यात पर रोक लगा दी थी। बावजूद इसके घरेलू कीमतें ऊंचे स्तर पर बनी हैं। कारोबारियों ने कहा, अगर सरकार आयात ड्यूटी हटाती है और अंतरराष्ट्रीय कीमतें कम होती हैं तो त्योहारी सीजन में आयात शुरू हो सकता है। उस समय घरेलू बाजार में भाव ज्यादा हो जाते हैं। सूत्रों ने कहा है कि केंद्र सरकार गेहूं के भाव को नीचे लाने के लिए सभी संभावित विकल्पों पर विचार कर रही है। सरकार के पास इस साल बाजार में हस्तक्षेप करने के लिए सीमित विकल्प है, क्योंकि खरीद 57 फीसदी गिरकर 1.88 करोड़ टन हो गई है। नई फसल नौ महीने बाद ही उपलब्ध हो पाएगी। तब तक भंडार का उपयोग सावधानी से करना होगा। बारिश कम होने से धान की बुवाई बुरी तरह प्रभावित हुई है। धान का रकबा 5 अगस्त तक 274.30 लाख हेक्टेयर था, जो एक साल पहले 314.14 लाख हेक्टेयर था। धान के कम रकबे ने खरीफ में चावल के उत्पादन व कीमतों की चिंता बढ़ा दी है। संभावना है कि गेहूं की ज्यादा कमी हुई तो प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना को बढ़ाने के बारे में सरकार को सोचना होगा। योजना सितंबर में समाप्त होगी। गेहूं की कीमत एक साल में 22 फीसदी बढ़ी है। 8 अगस्त, 2021 को यह 25 रुपये किलो था, जो सोमवार को 30.61 रुपये किलो पर पहुंच गया। एक महीने पहले 29.76 रुपये किलो था। आटे का भाव एक साल पहले 29.47 रुपये किलो था जो अब 35.13 रुपये हो गया है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में गेहूं का भाव जुलाई में मासिक आधार पर 14.5 फीसदी गिर गया था। पिछले साल भारत ने 72 लाख टन गेहूं का निर्यात किया था। इस साल 60 लाख टन के निर्यात का अनुमान है। जबकि नई फसल 9 महीने बाद ही उपलब्ध हो पाएगी। इसलिए तब तक भंडार का उपयोग बहुत सावधानी से करना होगा। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने निर्यात और वैश्विक व्यापार में रुपये को पसंदीदा मुद्रा के रूप में बढ़ावा देने के लिए कदम उठाए हैं। पिछले महीने आरबीआई ने घरेलू मुद्रा में बढ़ती दिलचस्पी को देखते हुए बैंकों से भारतीय रुपये में निर्यात और आयात लेन देन के लिए अतिरिक्त व्यवस्था करने को कहा था। वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने सोमवार को लोकसभा में एक सवाल के जवाब में कहा, निर्यात में बढ़त से व्यापार घाटे को कम करने में मदद मिल सकती है। सीतारमण ने कहा, भारतीय रुपये में अंतरराष्ट्रीय व्यापार के लिए चालान और भुगतान की मंजूरी देने वाला ढांचा सभी भागीदार देश के लिए लागू है। आरबीआई ने 12 जुलाई को रुपये में कारोबार करने की भारतीय आयातकों और निर्यातकों को मंजूरी दी थी। जुलाई में इक्विटी म्यूचुअल फंड में निवेश 43 फीसदी घटकर 8,898 करोड़ रुपये पर आ गया है। साथ ही यह लगातार 17वां महीना है जिसमें इक्विटी योजनाओं में सकारात्मक निवेश रहा है। जून में 15,495 करोड़ रुपये की रकम आई थी। मई में यह 18,529 करोड़ रुपये थी। अप्रैल में 15,890 करोड़ रुपये का निवेश आया था। एचडीएफसी बैंक ने कर्ज महंगा कर दिया है।

इसने एमसीएलआर में 0.10 फीसदी की बढ़त की है। इससे अब कम से कम ब्याज दर 7.80 फीसदी हो गई है। कर्ज की नई दर 8 अगस्त से लागू हो गई है।

सोना अभी 4070 और चांदी 17902 रुपये सस्ती

लेकिन 10 कारोबारी दिनों में 1362 रुपये महंगा हुआ गोल्ड

नई दिल्ली, 9 अगस्त (एजेंसियां)। सर्राफा बाजारों में सोमवार को सोने की कीमतें 52000 के पार पहुंच गईं। इस दौरान चांदी भी मजबूत होकर 58100 को क्रास कर गई। इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन के मुताबिक 24 कैरेट गोल्ड की कीमत अब 52184 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गई है। 26 जुलाई 2022 को इसकी कीमत 50822 रुपये थी। दो साल पहले 7 अगस्त 2020 को सोने की कीमत ऑलटाइम हाई 56000 के पार पहुंच गई थी। अगर उस रेट से तुलना करें तो सोना अभी 4070 रुपये प्रति 10 ग्राम सस्ता है। जबकि चांदी अपने 2 साल पहले के हाई रेट से 17902 रुपये सस्ती है। 8 अगस्त 2022 को 24 कैरेट सोना 52184 रुपये पर बंद हुआ। वहीं शुक्रवार के बंद भाव के मुकाबले 23 कैरेट सोना 164 रुपये प्रति 10 ग्राम महंगा होकर 51975 और 22 कैरेट गोल्ड 152 रुपये तेज होकर 47801 रुपये पर बंद हुआ था। वहीं 18 कैरेट गोल्ड की कीमत 39138 रुपये थी। इस दौरान चांदी की कीमत 744 रुपये उछलकर 58106 रुपये पर बंद हुई थी। पिछले 10 कारोबारी दिनों में सोने की कीमतों में 1362 रुपये का इजाफा हुआ है। 26 जुलाई को सोने की कीमत 50822 रुपये थी और 28 को 51174 रुपये पर पहुंच गई। 29 को 51623 और एक अगस्त को घटकर 51405 रुपये पर आ गई। इसके बाद सोने की कीमतों में तेजी जारी रही।

आईटीआर की प्रक्रिया को पूरा करने के लिए जल्दी से निपटा लें काम,नहीं तो खड़ी ही जाएगी नई मुसीबत!

नई दिल्ली, 9 अगस्त (एजेंसियां)। एसेसमेंट ईयर 2022-23 के लिए अगर आपने अपना इनकम टैक्स रिटर्न भर दिया है तो उसके बाद आपको अभी एक काम और करना होगा। जिसके बाद ही आइटीआर की प्रक्रिया पूरी मानी जाएगी। करदाता को आइटीआर भरने के बाद ई-वेरिफिकेशन भी करना होगा।

अगर करदाता ऐसा नहीं करते हैं तो उनका आईटीआर इनवैलिड करार दिया जाएगा। 1- डिजिटल सिग्नेचर सर्टिफिकेट के जरिए। 2- रजिस्टर्ड मोबाइल जो आधार कार्ड से जुड़ा उस पर आए ओटीपी के जरिए। 3- इलेक्ट्रॉनिक वेरिफिकेशन कोड का प्रयोग करते हुए ई-वेरीफाई की प्रक्रिया पूरी की जा सकती है। 4- बैंक अकाउंट के इलेक्ट्रॉनिक वेरिफिकेशन कोड जनरेट करके भी ई-वेरिफिकेशन किया जा सकता है। 5- डीमैट अकाउंट के जरिए इलेक्ट्रॉनिक वेरिफिकेशन कोड जनरेट करके ई-वेरीफाई की प्रक्रिया पूरी की जा सकती है। एक सक्सेज मैसेज ट्रांजैक्शन आइडी के साथ डिस्प्ले हो जाएगी। साथ ही आपके रजिस्टर्ड ई-मेल आइडी पर एक मेल भी चला जाएगा। आयकर की आखिरी तारीख बीत जाने के बाद जो करदाता रिटर्न दाखिल करेंगे उनके लिए जुर्माना तो लगेगा ही साथ ही सरकार ने ई-वेरिफिकेशन के नियम भी सख्त कर दिए हैं। वित्तमंत्रालय की तरफ से जारी नोटिफिकेशन के मुताबिक अब ऐसे लोगों को ई-वेरिफिकेशन के लिए सिर्फ 30 दिन ही मिलेंगे।

सरकार की इस स्कीम में हर महीने 12,500 निवेश करने पर मिलेगा 64 लाख रुपये

नई दिल्ली, 9 अगस्त (एजेंसियां)। सुकन्या समृद्धि योजना भारत में सरकार सरकार द्वारा चलाई जा रही छोटी बचत योजना है। यह बालिका योजना 2015 में लॉन्च हुआ था। इस योजना के तहत एक लड़की के माता-पिता (10 साल तक की आयु तक) किसी भी बैंक या पोस्ट ऑफिस में यह खाता खुलवा सकते हैं। इस योजना में हर महीने कम से कम रकम जमा कर लाखों का फंड तैयार कर सकते हैं। आइए जानते हैं एसएसवाई के बारे में डिटेल्स से...आपको बता दें कि सरकार की इस योजना में आपको न सिर्फ शानदार रिटर्न कमाने का मौका मिलेगा, बल्कि आप टैक्स की बचत भी कर सकते है। कोई व्यक्ति एक वित्तीय वर्ष में एक एसएसवाई खाते में 1.5 लाख तक जमा कर सकता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 80सी के तहत पूरे 1.5 लाख के निवेश पर कर छूट का क्लेम कर सकता है। क्यू 2 एफवाई 23 के लिए एसएसवाई ब्याज दर 7.6 प्रतिशत है। आपको बता दें कि यह अभी भी मुद्रास्फीति की औसत दर से काफी ऊपर है। इसलिए, अगर कोई निवेशक ऐसी बचत योजना की तलाश में है जिससे उनकी बिटिया का भविष्य बेहतर हो सके, उसके लिए एसएसवाई खाता एक अच्छा विकल्प हो सकता है। बता दें कि इस योजना में जोखिम बिल्कुल भी नहीं है। इस योजना में अगर कोई निवेशक अपनी बेटी के नाम पर हर महीने 12,500 का निवेश करता है तो 21 साल के लॉक-इन के बाद उसके पास लगभग 64 लाख रुपये का मोटा फंड तैयार हो जाएगा। मान लीजिए कोई व्यक्ति अपनी साल की बालिका के नाम पर एसएसवाई खाता खोलता है, तो वह अगले 14 सालों के लिए खाते में निवेश कर सकेगा। और फिर जब बेटी 21 साल की हो जाएगी तब वह खाते से पैसे निकाल सकेंगे।

टाटा कम्यूनिकेशन लिमिटेड ने अपनी कमाई छिपाई

सरकार को लगा इतने रुपये का चूना

नई दिल्ली, 9 अगस्त (एजेंसियां)। भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक ने बीते सोमवार को जारी अपनी एक रिपोर्ट में दावा किया है कि देश की विश्वसनीय टाटा ग्रुप की एक कंपनी ने साल 2006-07 से साल 2017-18 के बीच अपना सकल राजस्व घटाकर दिखाया जिसके कारण इस अवधि में उसे लाइसेंस शुल्क के मद में करीब 645 करोड़ रुपये कम भुगतान करने पड़े और सरकार को इतने रुपये का चूना लगा। टाटा ग्रुप की जिस कंपनी पर कैग ने ये आरोप लगाए हैं उसका नाम है टाटा कम्युनिकेशन लिमिटेड । कैग ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि टीसीएल से यह राशि वसूल की जानी चाहिए। सीएजी ने कहा है कि वर्ष 2006-07 से 2017-18 की अवधि के दौरान टीसीएल के लाभ-हानि विवरण और बैलेंस शीट की लेखा जांच से यह बात सामने आती है कि इस अवधि में कंपनी का ग्रॉस रेवेन्यू 13252.81 करोड़ रुपये दिखाया गया। इसके कारण कंपनी को लेवी के रूप में 950.25 करोड़ रुपये का भुगतान करना था पर कंपनी से इससे कम भुगतान किया। कैग की रिपोर्ट के अनुसार दूरसंचार विभाग कंपनी से लाइसेंस शुल्क के रूप में सिर्फ 305.25 करोड़ रुपये मिले। रिपोर्ट में कहा गया है कि डीओटी की ओर से टीसीएल से मांगी गई लाइसेंस फीस जितनी मांगी जानी चाहिए उससे 645 करोड़ रुपये कम थी। कैग के अनुसार इस राशि की वसूली टाटा से की जानी चाहिए।

जेएसडब्ल्यू के कच्चे इस्पात उत्पादन में 15 पर्सेंट का उछाल, कंपनी का पूरा प्लान

नई दिल्ली, 9 अगस्त (एजेंसियां)। जिंदल समूह की स्टील कंपनी जेएसडब्ल्यू को कच्चे इस्पात के उत्पादन में बढ़ोतरी हुई है। कंपनी ने बताया कि हमारा कच्चे इस्पात का उत्पादन जुलाई महीने में 14% बढ़कर 15.69 लाख टन हो गया है। एक साल पहले जुलाई महीने में कच्चे स्टील का उत्पादन 13.82 लाख टन रहा था। इसके अलावा कंपनी के 'फ्लैट रोल' प्रोडक्ट्स के उत्पादन में भी साल 2021 की तुलना में बढ़ोतरी हुई है। साल 2022 के जुलाई महीने में कंपनी का 'फ्लैट रोल्ड' उत्पादन 15 प्रतिशत की बढ़ोतरी के साथ 10.72 लाख टन हो गया है। जबकि कंपनी का 'फ्लैट रोल' उत्पादन साल 2021 के जुलाई महीने में 9.34 लाख टन हीं रहा था। जेएसडब्ल्यू स्टील के 'लॉन्ग रोल' प्रोडक्ट के उत्पादन में भी साल 2021 की तुलना में बढ़ोतरी हुई है। साल 2022 के जुलाई महीने में कंपनी का 'लॉन्ग रोल' उत्पादन 19 प्रतिशत की बढ़ोतरी के साथ 3.65 लाख टन हो गया है। जबकि कंपनी का 'लॉन्ग रोल' उत्पादन साल 2021 के जुलाई महीने में 3.06 टन हीं रहा था। जेएसडब्ल्यू स्टील मुख्यतः जेएसडब्ल्यू ग्रुप की एक प्रमुख कंपनी है जो इस्पात, सीमेंट और ऊर्जा समेत की कई क्षेत्रों में कारोबार करता है। कंपनी के सीईओ और एमडी सज्जन जिंदल ने कहा है कि अगले 3 साल में कंपनी 'कैपिटल एक्सपेंडिचर' प्लान के तहत 48,700 करोड़ रुपये का निवेश करने जा रही है। वित्त वर्ष 2022-23 के लिए कंपनी की योजना 20,000 करोड़ रुपये तक निवेश करने की है।

पेट्रोल पंप की डीलरशिप का आया ऑफर?

इंडियन ऑयल ने लोगों को किया अलर्ट

नई दिल्ली, 9 अगस्त (एजेंसियां)। सरकारी तेल कंपनी इंडियन ऑयल के नाम पर फर्जी पेट्रोल पंप खोले जाने का खेल चल रहा है। इसको लेकर इंडियन ऑयल ने अलर्ट मैसेज भी जारी किया है। कंपनी ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर लिखा- कुछ फर्जी वेबसाइटें इंडियन ऑयल के नाम का झूठा उपयोग कर रही हैं। इसके जरिए धोखाधड़ी से पेट्रोल पंप डीलरशिप की पेशकश कर रही हैं। इंडियन ऑयल के मुताबिक जनता को सलाह दी जाती है कि अधिक जानकारी के लिए पीएसयू तेल कंपनियों के निकटतम कार्यालय से संपर्क करें या किसी नजदीकी पेट्रोल पंप डीलर से संपर्क करें। आपको बता दें कि पहले भी इंडियन ऑयल अलर्ट करता रहा है। 50 पेट्रोल पंप खोलने की तैयारीः इस बीच, इंडियन ऑयल ने गंभीर आर्थिक एवं ईंधन संकट से जूझ रहे श्रीलंका में 50 पेट्रोल पंप खोलकर पड़ोसी देश में अपने कारोबार का विस्तार करेगी। श्रीलंका में यह कंपनी फिलहाल 216 पेट्रोल पंपों का संचालन कर रही है। पड़ोसी देश में पेट्रोल एवं डीजल के खुदरा बाजार में 16 प्रतिशत हिस्सेदारी उसके पास ही है। बता दें कि श्रीलंका में इस साल की शुरुआत से ही ईंधन की किल्लत देखी जा रही है। विदेशों से तेल की खरीद के लिए समुचित विदेशी मुद्रा नहीं होने से श्रीलंका में ईंधन की पर्याप्त आपूर्ति नहीं हो पा रही है।

सोसाइटी के मेंटनेंस फी में वसूल सकते हैं बिजली का फिक्स्ड चार्ज?

क्या है कंज्यूमर फोरम का फैसला

नई दिल्ली, 9 अगस्त (एजेंसियां)। आप किसी बड़े शहर में रहते हैं तो वहां बहुमंजिली इमारतें भी देखी होंगी। वहां बड़ी बड़ी सोसाइटी में लाखों रुपये मेंटनेंस चार्ज के रूप में वसूले जाते जाते हैं। कई सोसाइटी में बिजली बिल का फिक्स्ड चार्ज भी मेंटनेंस फी में शामिल कर दिया जाता है। इन सोसाइटी में फिक्स्ड चार्ज भी कई गुना ज्यादा वसूला जाता है। ऐसा करना वैध नहीं है। इसी तरह का एक फैसला अभी गाजियाबाद के कंज्यूमर फोरम ने दिया है। यह मामला गाजियाबाद के इंदिरापुरम इलाके का है। वहां का राजहंस प्रीमियम अपार्टमेंट ओनर्स एसोसिएशन फ्लैट के मालिकों से मेंटनेंस चार्ज में बिजली बिल का फिक्स्ड चार्ज भी वसूल रहा था। ऐसी वसूली पिछले 14 साल से चल रही थी। एओए की इस वसूली के खिलाफ उस सोसाइटी के एक निवासी ने साल भर पहले कंज्यूमर ग्रीवांस रिड्रेसल फोरम का दरवाजा खटखटाया। उसने कंज्यूमर फोरम में कहा कि सोसायटी में 14 वर्षों से लगातार अधिक वसूली की जा रही है। बिजली मीटर से बिजली का खर्च और मेंटिनेंस का खर्च जोकि कॉमन एरिया के बिजली के अलावा अन्य मदों जैसे कि सिक्यॉरिटी, सफाई कर्मचारी पेंटिंग आदि का खर्च भी बिजली मीटर के माध्यम से वसूल किया जा रहा है। इसके अलावा बिजली कंपनी की ओर से जो फिक्स्ड चार्ज फिक्स्ड लोड के लिए वसूला जाता है, उससे 3 गुना अधिक वसूला जा रहा है। कंज्यूमर फोरम ने इस बारे में पिछले दिनों फैसला दिया। उसके मुताबिक फ्लैटधारकों से मेंटनेंस के रूप में बिजली के फिक्स्ड चार्ज की एवज में की गई अधिक वसूली को ब्याज सहित वापस करने के आदेश जारी किए गए हैं। इसमें कहा गया है कि मेंटनेंस के रूप में बिजली के मद में कॉमन एरिया के लिए जो बिजली खर्च हो रही है सिर्फ उसका और फ्लैट के बिजली का खर्च ही प्रीपेड मीटर से काट सकते हैं। इसके साथ ही पूर्व में जितने भी फिक्स्ड चार्ज के एवज में अधिक वसूली की गई, उसे ब्याज सहित सभी फ्लैटधारकों को वापस करना सुनिश्चित कर 2 माह के अंदर रिपोर्ट दें। इंदिरापुरम के ही एक अन्य सोसाइटी में रहने वाले सिद्धार्थ नाथ का कहना हैकि कंज्यूमर फोरम का यह फैसला नजीर बनेगी। इस समय जिन सोसाइटी में बिल्डर ने प्रीपेड मीटर लगवाया गया है, उसमें बिल्डर की तरफ से ही बिजली दी जा रही है। वे यूपीपीसीएल द्वारा तय किए गए फिक्स्ड चार्ज के मुकाबले कई गुना ज्यादा फिक्स्ड चार्ज वसूलते हैं। कई सोसाइटी में तो मेंटनेंस फी में इसे जोड़ दिया गया है। यह फ्लैटधारकों के लिए काफी महंगा पड़ता है। लेकिन, विकल्प नहीं होने की वजह से इसे सालों से झेल रहे हैं।

एक अक्तूबर से दिल्ली में बीएस-4 इंजन वाली डीजल कारों पर प्रतिबंध

नई दिल्ली, 9 अगस्त (एजेंसियां)। अगर आप दिल्ली एनसीआर क्षेत्र में रहते हैं और आपके पास बीएस-4 इंजन वाली डीजल कार है, तो एक अक्तूबर से आप अपनी कार नहीं चला पाएंगे, यदि राष्ट्रीय राजधानी में वायु प्रदूषण 450 एक्यूआई को पार कर जाता है तो। वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग द्वारा तैयार की गई एक नई नीति त्योहारी सीजन से पहले लागू हो जाएगी। यह वह समय होता है जब दिल्ली एनसीआर खेत में पराली जलाने या दिवाली की आतिशबाजी और अन्य कारणों से धुंध की चपेट में रहती है। एक अक्तूबर से लागू होने वाली यह नीति अगले पांच वर्षों में वायु प्रदूषण के खिलाफ अपनी लड़ाई के तहत शहर में डीजल बीएस-4 कारों पर प्रतिबंध लगाएगी। नई योजना बीएस-4 चार पहिया डीजल वाहनों पर प्रतिबंध लगाएगी, लेकिन आवश्यक सेवाओं में लगे वाहनों को छूट मिलेगी। नीति के मुताबिक, दिल्ली-एनसीआर में राज्य सरकारें स्टेज 3 के तहत बीएस-3 पेट्रोल और बीएस-4 डीजल हल्के मोटर वाहनों (चार पहिया वाहनों) पर प्रतिबंध लगा सकती हैं। वायु प्रदूषण के चरण 3 को पर्यावरण और वन मंत्रालय द्वारा अनुमोदित एक ग्रेडेड रिस्पांस एक्शन प्लान द्वारा वर्गीकृत किया गया है, जब एक्यूआई 401 और 450 के बीच रहता है। स्टेज 4 तब होता है जब एक्यूआई 450 के निशान को पार करता है। चरण 4 की स्थिति के मामले में, योजना आवश्यक वस्तुओं को ले जाने वालों को छोड़कर, शहर में ट्रकों, दिल्ली में पंजीकृत डीजल से चलने वाले मध्यम माल वाहनों और भारी माल वाहनों के एंट्री पर प्रतिबंध लगाने का सुझाव देती है। नीति में यह भी कहा गया है कि दिल्ली-एनसीआर में स्थित ईंधन पंपों को उन वाहनों को ईंधन देने की अनुमति नहीं दी जाएगी जिनके पास 1 जनवरी, 2023 से वैध प्रदूषण प्रमाणपत्र नहीं है। दिल्ली और सभी एनसीआर राज्यों को कहा गया है कि वे लंबी दूरी के ट्रकों और अन्य वाणिज्यिक वाहनों को धीरे-धीरे गैस में स्थानांतरित करने के लिए राजमार्गों के साथ-साथ एनसीआर में एक सीएनजी और एलएनजी ईंधन नेटवर्क बनाने की योजना तैयार करें।

राज्य सरकारों को उन वाहनों के लिए स्क्रैपेज नीति लागू करने का भी निर्देश दिया गया है जिनका अब इस्तेमाल नहीं किया जा सकता है।

जोधपुर पुलिस कमिश्नरेट क्षेत्र में फिर धारा 144 लागू

बिना अनुमति के शोभायात्रा निकालने पर रहेगी पांबदी

जयपुर, 9 अगस्त (एजेंसियां)। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के गृह जिले जोधपुर में एक बार फिर धारा 144 लगाई गई है। माना जा रहा है कि आगामी त्यौहारों के मद्देनजर धारा 144 लगाई गई है। जोधपुर पुलिस कमिश्नरेट के पूरे क्षेत्र में 7 अगस्त रविवार को ही पूर्व में लगाई गई धारा 144 की अवधि समाप्त हो गई थी।। सोमवार को डीसीपी एवं कार्यपालक मजिस्ट्रेट विनीत कुमार बंसल ने नए आदेश जारी किए है। आदेश में लिखा गया है कि वर्तमान परिस्थितियों को देखते हुए और आगामी त्योहारों मोहर्रम, रक्षाबंधन, स्वतंत्रता दिवस, श्रीकृष्ण जन्माष्टमी, गणेश चतुर्थी, रामदेव जयंती, अनन्त चतुर्दशी, नवरात्रा दुर्गाष्टमी, विजय दशमी इत्यादी और विश्वविद्यालय व विभिन्न महाविद्यालय में छात्रसंघ चुनाव के दौरान जोधपुर पुलिस कमिश्नरेट क्षेत्र में असामाजिक तत्वों द्वारा कानून एवं शांति व्यवस्था भंग हो सकती है। लोक शांति को खतरा उत्पन्न हो सकता है। इसलिए अगले आदेशों तक पूरे कमिश्नरेट में धारा 144 लगाई गई है।

रैली जुलूस प्रदर्शन व सभा पर रहेगी रोक

आदेश के अनुसार पुलिस कमिश्नरेट क्षेत्र में अगले आदेशों तक सार्वजनिक मार्गों पर रैली जुलूस प्रदर्शन व सभा एवं शोभायात्रा निकलने से पहले अनुमति लेनी होगी। इसके आभाव में कार्रवाई होगी। पूरे आयुक्तालय क्षेत्राधिकार में कोई भी व्यक्ति हथियार लाठी व अन्य हानिकारक सामग्री लेकर सार्वजनिक नहीं घूमेगा। आदेश में सबसे ज्यादा जोर सोशल मीडिया के उपयोग को लेकर निर्देश दिए गए हैं। जिसमें कहा गया है कि धारा 144 के दौरान कोई भी व्यक्ति सोशल मीडिया पर सामाजिक सद्भाव को प्रभावित करने वाली पोस्ट नहीं डालेगा। ऐसा करने पर कार्रवाई होगी. इसके अलावा कोई भी व्यक्ति किसी भी तरह के भड़काऊ नारे नहीं लगाएगा, न ही किसी स्थान पर ऐसे नारे लिखे जाएंगे।

सांप्रदायिक घटनाओं के बाद धारा 144 लगाई गई थी

गौरतलब है कि इससे पहले 2 मई और 3 मई को हुई सांप्रदायिक घटनाओं के बाद धारा 144 लगाई गई थी। 10 थाना क्षेत्र में कर्फ्यू भी लगाया गया था। जिसका क्षेत्र बाद में धीरे-धीरे कम कर दिया गया।

नितिन गडकरी ने पूरी की अशोक गहलोत की डिमांड

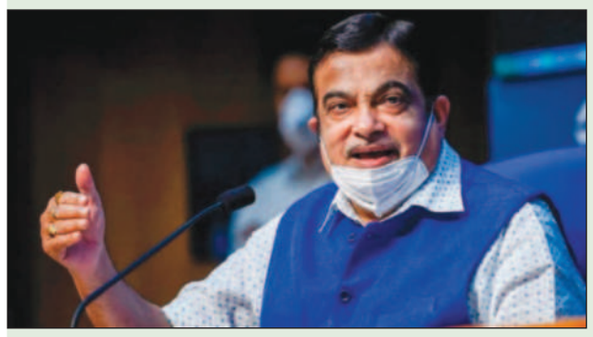

जयपुर, 9 अगस्त (एजेंसियां)। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने मंगलवार को केंद्रीय सड़क और परिवहन मंत्री नितिन गडकरी से बात की और जोधपुर में एक एलिवेटेड रोड के निर्माण की मांग की। नितिन गडकरी ने राजस्थान के सीएम के प्रस्ताव को स्वीकार लिया है। गहलोत ने कहा कि इस सड़क को नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया (एनएचएआई) को सौंप दिया गया है।

राजस्थान के मुख्यमंत्री ने ट्वीट किया, "जोधपुर में बनने वाली एलिवेटेड रोड को लेकर केन्द्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी से वार्ता हुई। मुझे प्रसन्नता है कि मेरे आग्रह को स्वीकार करते हुए इस एलिवेटेड रोड का काम एनएचएआई ने अपने हाथ में लिया है। प्रदेश सरकार ने बजट 2019-20 में इसकी डीपीआर बनाने की घोषणा की थी जिसके क्रम में सार्वजनिक निर्माण विभाग, राजस्थान सरकार ने आवश्यक प्रस्ताव एनएचएआई को भेज दिए थे। भारत सरकार ने हाल ही में प्रोजेक्ट मैनेजमेंट कंसलटेंट की नियुक्ति की है जिसके द्वारा शीघ्र ही डीपीआर तैयार की जाएगी।"

एक अन्य ट्वीट में गहलोत ने लिखा, "डीपीआर तैयार होने के पश्चात इसकी निविदाएं आमंत्रित कर मौके पर निर्माण

कार्य शीघ्र शुरू करने हेतु मैं एनएचएआई से निवेदन करता हूं। मैंने पूर्व में गडकरी के साथ एलिवेटेड रोड को लेकर बैठक की थी। आशा करता हूं निकट भविष्य में इस सड़क का काम प्रारम्भ होकर जोधपुर में आवागमन सुगम हो सकेगा।"

ईआरसीपी को लेकर गहलोत ने शिवराज से बात की

राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने पूर्वी राजस्थान नहर परियोजना (ईआरसीपी) को लेकर मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान से बात की है। गहलोत के अनुसार, शिवराज ने इस मुद्दे को लेकर मुख्यमंत्री स्तर की बैठक करने पर सहमति जताई है। उन्होंने मंगलवार को एक बयान जारी कर कहा, "पूर्वी राजस्थान नहर परियोजना (ईआरसीपी) के संबंध में मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान से वार्ता कर उन्हें अवगत कराया कि 2005 में राजस्थान-मध्य प्रदेश अंतरराज्यीय नियंत्रण मंडल की 13वीं बैठक में लिए गए निर्णय के अनुसार ही इस योजना का क्रियान्वयन किया जा रहा है।" गहलोत के मुताबिक, "राजस्थान में चंबल की सहायक नदियों से प्राप्त हो रहे पानी पर आधारित इस परियोजना में मध्य प्रदेश से बहकर आने वाले पानी के 10 प्रतिशत से कम हिस्से का इस्तेमाल होगा। लिहाजा वर्ष 2005 में लिए गए निर्णय के अनुसार ऐसी परियोजनाओं के लिए मध्य प्रदेश की सहमति की आवश्यकता नहीं है।"

अरूणा रॉय बोलीं-जवाबदेही कानून पर राजस्थान में फिर होगा संघर्ष

कहा- गहलोत सरकार ने सरपंच संघ के दबाव में सोशल ऑडिटिंग प्रोसेस रोका

जयपुर, 9 अगस्त (एजेंसियां)। सूचना और रोजगार अधिकार अभियान से जुड़ी सामाजिक कार्यकर्ता अरुणा रॉय ने कहा- जवाबदेही कानून की डिमांड को लेकर वह फिर से राजस्थान में संघर्ष करेंगी। अगस्त महीने के अंत में या सितम्बर की शुरुआत में फिर से राजस्थान में जवाबदेही यात्रा निकालेंगे। उन्होंने कहा- छोड़ेंगे नहीं, हमें तो कानून चाहिए। जवाबदेही यात्रा का रोड मैप अभी तक बना नहीं है, जल्द बन जाएगा। जितने जिले छूट गए हैं, उनमें जाएंगे। रॉय ने कहा- गहलोत सरकार ने सरपंच संघ के दबाव में सोशल ऑडिटिंग प्रोसेस रोक दिया है। यह प्रदेश में पारदर्शिता और जवाबदेही पर बड़ा हमला है। जिसका हम पुरजोर विरोध करेंगे। हमें इसकी तकलीफ है।

अरुणा रॉय ने आरोप लगाया है कि राजस्थान की गहलोत सरकार ने सरपंच संघ के दबाव में आकर सोशल ऑडिटिंग के प्रोसेस को फिर से रोक दिया है। सरकार ने दुर्भाग्यपूर्ण आदेश निकाला है। यह प्रदेश में पारदर्शिता और जवाबदेही पर बड़ा हमला है। उन्होंने कहा-6 अगस्त 2022 को सरपंच संघ के साथ हुई हाईलेवल मीटिंग में दिए निर्देशों पर सिविल सोसाइटी संगठन के सदस्य, सूचना व रोजगार अधिकार अभियान (SR अभियान) के सदस्य शब्दों को हटा दिया गया है। उन्होंने कहा SR अभियान ने सोशल ऑडिटिंग नहीं की है, बल्कि सोशल ऑडिटिंग टीमों ने ट्रेनिंग दी है, ताकि CAG के नॉर्म्स के मुताबिक सोशल ऑडिटिंग हो सके। मेन सवाल ये उठता है कि सरपंच या ग्राम विकास अधिकारी को सोशल ऑडिटिंग से क्या डर है। सोशल ऑडिटिंग अन-इफेक्टिव होने को केन्द्र सरकार ने भी चिन्हित किया है। राजस्थान सरकार के सोशल ऑडिटिंग नहीं करने के कारण केन्द्र ने इस साल कम लेबर बजट अलॉट किया है। पैसे जारी नहीं करने की धमकी भी दी है।

गांव जाकर सूचना मांगी तो सरपंचों को तकलीफ शुरू हो गई

अरूणा रॉय ने कहा- सोशल ऑडिटिंग सरकार ही करती है। सिविल सोसाइटी नहीं करती है। सिविल सोसाइटी केवल कैपिसिटी बिल्ड कर रही थी। क्योंकि हमारे सोशल ऑडिटिंग सिम्बॉलिक हो रहे थे, उस पर कुछ हो नहीं रहा था। इसलिए जरूरी था कि सोशल ऑडिटिंग सही से हो। कैपिसिटी बिल्डिंग के लिए सरकार ने हमें जिम्मेदारी लेने को पूछा, तो हमने हां कर दिया। हम केवल कैपेसिटी बिल्डिंग के लिए जिलों में गए। सरकारी कर्मचारियों के लिए हमने कई जगह एक महीने की रेसीडेंशियल ट्रेनिंग की व्यवस्था की। ताकि समझदारी के साथ सोशल ऑडिटिंग हो सके।

सांसद दीया कुमारी ने रेपिस्ट वाले बयान पर सीएम गहलोत को घेरा

बोलीं- मुख्यमंत्री घटिया बात करते हैं

जयपुर, 9 अगस्त (एजेंसियां)। राजस्थान के सीएम अशोक गहलोत के रेपिस्ट वाले बयान पर सांसद दीया कुमारी ने निशाना साधा है। भाजपा प्रदेश कार्यालय में प्रेस वार्ता में दीया कुमारी ने कहा कि मुख्यमंत्री घटिया बात करते हैं और कांग्रेस की यह सरकार अब ज्यादा दिन की मेहमान नहीं है। मुख्यमंत्री ने इस प्रकार का बयान क्या सोच कर दिया यह वो जानें, लेकिन बलात्कारियों को किसी भी हालत में नहीं बक्शना चाहिए। मुख्यमंत्री हमेशा अपनी कमियां केंद्र सरकार पर थोपते है, लेकिन यदि प्रदेश की कानून व्यवस्था वो नहीं संभाल पा रहे हैं तो साफ-साफ कह दे और केंद्र को हैंड ओवर कर दें। भाजपा सांसद ने कहा न केवल रंजीता कोली बल्कि पूर्व में उन पर भी इस प्रकार के हमले हो चुके हैं। दीया कुमारी ने साफ तौर पर कहा कि प्रदेश में वो खुद को ही राज्य में सुरक्षित नहीं समझती। उल्लेखनीय है कि सीएम अशोक गहलोत ने कहा था कि निर्भया कांड के बाद जब से यह किया गया कि रेपिस्ट को फांसी की सजा मिलेगी। उसके बाद बच्चियों की रेप के बाद हत्याएं बहुत बढ़ रही हैं। रेप करने वाला देखता है कि कल यह मेरे खिलाफ गवाह बन जाएगी तो हत्या कर देता है। देश में बहुत बड़ा चैलेंज है। पूरे देश से जो रिपोर्ट आ रही है, वह बहुत चिंताजनक है। वैसे भी आप देख रहे हैं कि बेरोजगारी बहुत भयंकर है। महंगाई का जमाना है। असामाजिक तत्व बहुत बढ़ रहे हैं। देश-प्रदेश में क्राइम बढ़ रहा है। हिंसा बढ़ रही है। छोटी-छोटी बातों पर झगड़े हो रहे हैं। तनाव और हिंसा बढ़ रही है। कहीं, बच्चियों से रेप हो रहे हैं। क्राइम लगातार बढ़ रहा है। जो बहुत चिंता की बात है। लोकसभा में भाजपा की महिला सांसदों ने यह मामला उठाय। शून्यकाल के दौरान लोकसभा में मामला उठा। भाजपा की महिला सांसदों ने हंगामा किया। इसके बाद सभापति ने एक घंटे के लिए कार्यवाही स्थगित कर दी। लोकसभा में भाजपा सांसद रंजना बेन भट्ट ने कहा कि राजस्थान में कांग्रेस की सरकार है। राजस्थान के सीएम बेटियों से रेप करने वालों को फांसी की सजा देने के कानून को नहीं अमल कर रहे हैं।

जयपुर में 20 मिनट की बारिश में बस डूबी

अंडरपास में ड्राइवर समेत 4 लोग फंसे; उदयपुर में फतेहसागर झील के 4 गेट खोले

जयपुर, 9 अगस्त (एजेंसियां)। राजस्थान में मानसून के बादल फिर से बरसने लगे हैं। जयपुर में मंगलवार दोपहर 20 मिनट की बारिश में मालवीय नगर नंदपुरी अंडरपास में 4 फीट तक पानी भर गया। पानी में लो-फ्लोर बस फंस गई। उदयपुर में बारिश से फतेहसागर झील लबालब हो गई। इसके 4 इंच गेट खोलकर पिछोला झील में पानी छोड़ा जा रहा।इधर, पिछले 24 घंटे में पश्चिमी राजस्थान के बाड़मेर, जालोर, सिरोही, जोधपुर, पाली जिले के कई हिस्सों में तेज बारिश हुई। सबसे ज्यादा 5 इंच बरसात बाड़मेर जिले के सिंधारी में दर्ज हुई।

मौसम विभाग के मुताबिक बाड़मेर के सिंधारी में 124मिमी(5 इंच) बरसात हुई। वहीं, बाड़मेर के ही बायतू और पचपदरा में भी 2 से लेकर 3 इंच तक बरसात हुई। बाड़मेर में अब तक सामान्य से 15 फीसदी ज्यादा बरसात हो चुकी है। इसी तरह सिरोही के केर में भी 107मिमी (4 इंच) बरसात हुई। उदयपुर, पाली, जोधपुर, जालोर और डूंगरपुर जिले के कई इलाकों में बरसात हुई।

जयपुर में बरसात के बाद लोगों को राहत

जयपुर में आज लगातार दूसरे दिन सुबह धूप निकली और गर्मी उमस के कारण लोग परेशान रहे, हालांकि दोपहर बाद मौसम में बदलाव आया और आसमान में बादल छा गए। दोपहर साढ़े 12 बजे बाद शहर के कई हिस्सों में बरसात शुरू हो गई। जेएलएन मार्ग, मालवीय नगर, दिल्ली बाइपास, ट्रांसपोर्ट नगर, एमआई रोड, परकोटा एरिया समेत कई जगहों पर बरसात हुई।

जयपुर मौसम केन्द्र ने आज अलवर, बारां, बीकानेर ,जैसलमेर, सिरोही, जालोर, भीलवाड़ा, बूंदी, दौसा, सवाईमाधोपुर, सीकर, झालावाड़, हनुमानगढ़, जोधपुर, कोटा में कहीं-कहीं बिजली चमकने के साथ हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है। वहीं, 10 अगस्त को बारां, बांसवाड़ा, बूंदी, डूंगरपुर, झालावाड़, कोटा जिलों में कहीं-कहीं मध्यम से भारी बारिश होने का अलर्ट जारी किया है। इसी तरह 11 अगस्त को बूंदी, झालावाड़, कोटा, सवाई माधोपुर और 12 अगस्त को झालावाड़, करौली, कोटा, सवाई माधोपुर और टोंक जिलों में कहीं-कहीं भारी से अति भारी बारिश होने की संभावना जताई है।

राजस्थान में फिर शुरू हुई राजनीतिक नियुक्तियां

बसपा से आए 2 नाराज एमएलए बनाए गए चेयरमैन; सरकार को दी थी धमकी

जयपुर, 9 अगस्त (एजेंसियां)। गहलोत सरकार ने चुनावी साल से पहले फिर राजनीतिक नियुक्तियों का दौर शुरू कर दिया है। बसपा से कांग्रेस में आने वाले दो और विधायकों को राजनीतिक नियुक्ति दी गई है।

भरतपुर के नगर से विधायक वाजिब अली को राज्य खाद्य आयोग चेयरमैन और अलवर के तिजारा से विधायक संदीप यादव को भिवाड़ी शहरी आधारभूत विकास बोर्ड चेयरमैन के पद पर नियुक्त किया है।

दोनों विधायकों को कोई वेतन भत्ते नहीं मिलेंगे। वाजिब अली के नियुक्ति आदेशों में साफ जिक्र है कि इस पद पर कोई वेतन भत्ते या आर्थिक लाभ नहीं मिलेगा।

इससे पहले बोर्ड निगमों में चेयरमैन बनाए गए विधायकों को भी कैबिनेट या राज्यमंत्री का दर्जा नहीं दिया गया है। केवल गैर विधायक बोर्ड निगमों के अध्यक्षों को मंत्री का दर्जा और वेतन भत्ते मिल रहे हैं। कांग्रेस में विलय के करीब तीन साल बाद छहों विधायकों को सत्ता में भागीदारी मिली है। सितंबर 2019 में छहों विधायक बसपा छोड़कर कांग्रेस में शामिल हुए थे।

सरकार में पद नहीं मिलने पर संदीप यादव और वाजिब अली कई बार नाराजगी जता चुके थे।

वाजिब और संदीप ने हाल ही में कहा था कि उनसे किए गए वादे पूरे नहीं किए गए। मंत्री राजेंद्र गुढ़ा भी कई बार इस देरी पर नाजागी जता चुके हैं।

वाजिब अली और संदीप यादव पिछले कुछ दिनों से ऑस्ट्रेलिया दौरे पर हैं, उनके साथ विधायक और डांग विकास बोर्ड अध्यक्ष लाखन सिंह भी हैं।

मौजूदा राजनीतिक नियुक्ति के बाद अब भरतपुर जिला सरकार में हिस्सेदारी के मामले में टॉप पर है जहां 7 में से 6 विधायक सत्ता में कोई न कोई पद पर हैं। भरतपुर में 7 विधायकों में चार मंत्री,दो विधायक बोर्ड—आयोगों के चेयरमैन हैं। डीग-कुम्हेर से विधायक विश्वेंद्र सिंह, वैर से विधायक भजनाल जाटव सरकार में कैबिनेट मंत्री हैं।

कामां से विधायक जाहिदा खान और भरतपुर से आरएलडी विधायक सुभाष गर्ग राज्य मंत्री हैं। नदबई से विधायक जोगिन्दर सिंह अवाना देवनारायण बोर्ड के चेयरमैन और नगर से विधायक वाजिब अली खाद्य सुरक्षा आयोग के अध्यक्ष हैं।

बयाना से सचिन पायलट समर्थक विधायक अमर सिंह जाटव को छोड़कर भरतपुर के बाकी सभी 6 विधायकों को सरकार में जिम्मेदारी मिल गई है।

मिलिट्री के बाद आम लोग महिला जासूसों के निशाने पर

दूध और शराब बेचने वालों के नाम से पाकिस्तान में चल रहे मोबाइल

पाली, 9 अगस्त (एजेंसियां)। इंडियन आर्मी की सेंसिटिव इन्फॉर्मेशन किसी भी कीमत पर हासिल करने के लिए पाकिस्तान ने एक फौज खड़ी कर दी है। हनीट्रैप करने वाली इस सेना का सबसे बड़ा हिस्सा लड़कियां हैं। इनके टारगेट पर अब तक आर्मी से जुड़े लोग ही रहे हैं, लेकिन अब विषकन्याओं की इस फौज के पैटर्न में बदलाव देखने को मिल रहा है।

इनके निशाने पर अब सिविलयन या आम नागरिक हैं। इसका खुलासा हाल ही में तब हुआ, जब राजस्थान स्टेट इंटेलिजेंस की टीम ने तीन जिलों में आईएसआई की जासूसी के आरोप में चार लोगों को हिरासत में लिया।

बताया जा रहा है रविवार देर रात टीम ने पाली, जैसलमेर, जोधपुर में एक साथ दबिश दी। इनमें

जयपुर के जयसिंहपुरा इलाके के कुलदीप सिंह शेखावत को जैतारण(पाली) के शराब ठेके से पकड़ा। कुलदीप वहां सेल्समैन था। उसने खुद को फौजी बताते हुए सोशल मीडिया पर आईडी बना रखी थी।

वहीं, जैसलमेर से पकड़ा गया संदिग्ध रतनसिंह राजपूत पोहड़ा गांव में सोलर कंपनी में ड्राइवर है। तीसरा संदिग्ध जोधपुर के शेरगढ़ निवासी महेंद्रसिंह राजपूत को भी हिरासत में लिया है। एसआई टीम ने जैसलमेर के पोकरण में भाणियाना गांव निवासी मजीद खान को भी डिटेन किया है, जो दूध बेचता है।

पाक महिला एजेंट कर रही थी सिम का यूज

मिलिट्री इंटेलिजेंस से इनपुट मिला था कि इन चारों को आईएसआई की महिला एजेंट ने हनीट्रैप में फंसा रखा है। इनके नाम से जारी मोबाइल सिम का इस्तेमाल पीआईओ यानी पाकिस्तान इंटेलिजेंस ऑपरेटिव के मॉड्यूल में जासूसी करने वाली महिला एजेंट कर रही हैं।

मैसेज की आड़ में कुछ लोगों को हनीट्रैप में फंसाया जाता है। खुफिया एजेंसियां संदिग्ध जासूसों से पूछताछ कर रही है कि सेना की गोपनीय जानकारी मांगने वाली सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर आईडी वे खुद चला रहे थे या आईडी पाकिस्तान से चल रही थी?

यदि आईडी संदिग्ध खुद चला रहा था तो उसने सेना से जुड़ी गुप्त सूचनाएं क्यों जुटानी चाही? क्या ऐसा करने के लिए किसी ने दबाव बनाया?

शादी का झांसा देकर रेप, बनाया न्यूड वीडियो

अजमेर, 9 अगस्त (एजेंसियां)। अजमेर में 25 वर्षीय महिला को शादी का झांसा देकर रेप करने और अश्लील वीडियो इंटरनेट पर वायरल करने की धमकी देने का मामला सामने आया है। पीड़िता का आरोप है कि आरोपी ने उसका पहले पति से डरा धमका कर डिवोर्स करवा दिया। पीड़िता ने मामले की शिकायत रामगंज थाने में दर्ज करवाई है। पुलिस ने मामले में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

रामगंज थाना पुलिस के अनुसार थाना क्षेत्र की एक पीड़िता ने थाने पर उपस्थित होकर शिकायत दर्ज करवाई की 8 दिसंबर 2017 को उसका पति किसी काम से बाहर गया हुआ था। इसका फायदा उठाकर मकान मालिक का भतीजा रात को घर में घुसा और उसके साथ जबरदस्ती कर 3 दिन तक निरंतर रेप किया गया। जिसके बाद विवाहिता का पति वापस घर लौटा तो उन्होंने मकान कहीं और शिफ्ट कर दिया। पीड़िता का आरोप है कि 3 दिनों बाद आरोपी वापस उनके दूसरे मकान पर पहुंचा और जबरदस्ती बलात्कार करते हुए उसकी अश्लील वीडियो बना ली और उसे धमकी दी गई कि अगर उसने इस बारे में किसी को बताया तो वह उसकी अश्लील वीडियो को वायरल कर देगा और वह उसे धमकियां देकर रोजाना उसके साथ गलत काम करता था।

जयपुर में प्लॉट के गड्ढे में डूबे दो बच्चे, मौत

जयपुर, 9 अगस्त (एजेंसियां)। जयपुर में मंगलवार सुबह दो बच्चों का शव मिलने से सनसनी फैल गई। दोनों दोस्तों की लाश घर के पास ही खाली पड़े प्लॉट के गड्ढे में मिली। जो खेलते हुए गड्ढे में भरे पानी में डूब गए। दोनों बच्चे सोमवार दोपहर 3 बजे से लापता थे। कानोता थाने में गुमशुदगी भी दर्ज करवाई गई थी। घटना अमर विहार कॉलोनी की है। स्थानीय लोगों ने शव देख पुलिस को जानकारी दी। इसके बाद बच्चों को ढूंढ रहे परिजन भी मौके पर पहुंचे। शव पानी में तैरता देख मौके पर कोहराम मच गया। मृतकों की पहचान आशु (12) और चंदन (12) के रूप में हुई हैं। दोनों बच्चे इसी कॉलोनी में परिवार के साथ रहते थे। दोनों अच्छे दोस्त थे। हमेसा साथ ही रहते थे। सोमवार से ही पुलिस और परिजन दोनों की तलाश में जुटे थे। मंगलवार सुबह कंट्रोल से मिली सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस दोनों शवों को लेकर बस्सी सीएचसी पहुंची। इसके बाद मेडिकल बोर्ड से पोस्टमार्टम होगा।

जयपुर में फेसबुक फ्रेंड ने किया महिला से रेप

जयपुर, 9 अगस्त (एजेंसियां)। जयपुर में फेसबुक फ्रेंड के एक महिला से रेप करने का मामला सामने आया है। फेसबुक फ्रेंड ने विश्वास में लेकर उसके साथ दुष्कर्म किया। अश्लील वीडियो से ब्लैकमेल कर पिछले 7 सालों से शारीरिक संबंध बनाने के साथ रुपए ऐंठे। बजाज नगर थाने में पीड़िता ने आरोपी फेसबुक फ्रेंड के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करवाई। मामले की जांच एसएचओ शीशराम मीना कर रहे है।

पुलिस ने बताया कि बजाज नगर निवासी 32 साल की महिला ने रिपोर्ट दर्ज करवाई है। शादी के बाद इलाज के कारण उसकी मानसिक स्थिति कमजोर हो गई। साल 2014 में उसकी फेसबुक पर हितेश शर्मा नाम के लड़के से दोस्ती हुई। फेसबुक फ्रेंड बनाने के कारण दोनों आपस में बातचीत करने लगे। विश्वास में लेकर आरोपी हितेश ने मिलने के बहाने उसके साथ रेप किया।

ब्रह्मर्षि समाज महिला शाखा द्वारा सावन की सैर सम्पन्न

हैदराबाद, 9 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। ब्रह्मर्षि समाज हैदराबाद की महिला शाखा ने सावन की रिमझिम में उमंग और उत्साह के साथ सावन की सैर का आयोजन हाईटेक सिटी स्थित शिल्पारमम में माउंटेन हाइट्स पर किया।

महिला शाखा की अध्यक्ष श्रीमती रागिनी सिन्हा ने कहा कि मुख्य अतिथि आरपी ठाकुर, विशेष अतिथि श्रीमती रीता राय (नई दिल्ली) , श्रीमती अमिता ठाकुर एवं बिपिन कुमार सी आइ एसएफ ऑफ़िसर की गरिमामय उपस्थिति में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। समाज की उपाध्यक्ष श्रीमती सुधा राय एवं महिला अध्यक्षा ने सभी उपस्थित सदस्यों का स्वग़त किया। नए सदस्य आलोक कुमार, श्रीमती श्वेता, नीलेश शर्मा, श्रीमती श्वेता शर्मा, अनिल शुक्ला, अमन शुक्ला, वीरेन्द्र सिंह, श्रीमती क्षिति, श्रीमती काजल, अभिषेक राय आदि नए सदस्यों ने अपना परिचय उपस्थित सदस्यों के समझ रखकर समाज से स्वयं को रूबरू करवाया। श्रीमती प्रियंका सिंह एवं डॉ अमृता के नेतृत्व में आयोजित मनोरंजक कार्यक्रम एवं खेलकूद में सदस्यों ने उत्साहपूर्वक कर हिस्सा लिया। इन खेलों के विजेता निहारिका, परिधि, प्रिन्स, अक्षिती गोविंद राय, रमेश, तिरुपति राय, सुभाष सिंह, रिंकु देवी, सरोज सिंह, काजल, श्वेता, मनवेंद्र मिश्रा - आशा मिश्रा एवं बिपिन कुमार को विभिन्न पुरस्कारों से नवाज़ा गया। आलोक कुमार एवं श्रीमती श्वेता को अपने सुमधुर गायन से सदस्यों का मन मोहने हेतु विशेष पुरस्कार दिया गया।

श्रीमती स्वप्निल राय के सुंदर एवं सुचारु संचालन में कार्यक्रम संचालित हुआ।

पूर्णिमा उजवणा व जागरण कार्यक्रम 11 को

हैदराबाद, 9 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। पारसीगुट्टा स्थित श्री आईमाता मंदिर में सीरवी समाज महिला मंडल पूनम ग्रूप के तत्वावधान मे देश के विभिन्न धार्मिक स्थानों की यात्रा के उपलक्ष्य में गुरुवार 11 अगस्त प्रात: वेला में कलश-यात्रा, हवन-यज्ञ, जागरण, स्वागत-समारोह कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। जारी प्रेस विज्ञप्ति मे पूनम ग्रूप महिला मंडल इन्चार्ज सुशीलादेवी जसवंतकुमार देवड़ा ने बताया कि सीरवी समाज महिला मंडल पूनम ग्रूप के सामूहिक 47 जोड़ों ने देश के विभिन्न धार्मिक स्थानों की यात्राकर पुण्य प्राप्त करने के उपलक्ष्य में गुरुवार 11 अगस्त पूर्णिमा उज्वणा कार्यक्रम के तहत प्रात: वेला में पूजा-अर्चनाकर 10.15 बजे कलश-यात्रा, 11.31 बजे सत्यनारायण कथा, मध्यान् 1.21 बजे हवन व सायं 5 बजे से भजन कार्यक्रम रात्रि 10 बजे तक व महाप्रसादी का कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम में बत्तौर मुख्य अतिथि भाजपा किसान मोर्चा खिवाड़ा मंडल अध्यक्ष सोहनलाल देवड़ा, सीरवी समाज अध्यक्ष चोलाराम हाम्बड़, सचिव किशनसिंह राठौड़, शिक्षा समिति अध्यक्ष परसराम बर्फा, महिला मंडल अध्यक्षा सीतादेवी सोलंकी, सचिव निर्मला देवड़ा, पदाधिकारी व समाज के गणमान्य उपस्थित रहेंगे। कार्यक्रम में श्री आईमाताजी के चरणों में भंवरलाल सीरवी एंड पार्टी भजनों के पुष्प अर्पित करेंगे। कार्यक्रम में सीरवी समाज महिला मंडल पूनम ग्रूप के धार्मिक यात्रा मे भाग लेने वाले 47 जोड़ों के पारिवारिक सदस्य व कार्यक्रम में आमंत्रित समाजबन्धु उपस्थित रहेंगे। ग्रूप इंचार्ज सुशीलादेवी देवड़ा ने निवेदन किया है कि उपरोक्त कार्यक्रम में समयपर पधारकर लाभ लें।

अग्रवाल समाज मलकपेट शाखा की सावन की सैर आयोजित

हैदराबाद, 9 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। अग्रवाल समाज मलकपेट शाखा की सावन की सैर का आयोजन यादगिरी गुट्टा मंदिर के समीप स्थित सौभाग्य रिसोर्ट में आयोजित किया गया।

सैर के संयोजक सुरेश गोयल एवं सह संयोजक प्रदीप बंसल द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार महाराजा श्री अग्रसेनजी की पूजा वह सदस्यों द्वारा सामूहिक प्रार्थना के पश्चात शाखा अध्यक्ष लाजपत राय गुप्ता ने उपस्थित सदस्यों का स्वागत किया। अवसर पर विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित केंद्रीय समिति के उपाध्यक्ष डॉ. दिलीप पंसारी का स्वागत अध्यक्ष लाजपत राय गुप्ता ने शॉल व माला पहनाकर किया। डॉक्टर पंसारी ने अपने संबोधन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा आवानित घर-घर तिरंगा-हर हाथ में तिरंगा का सभागृह में उल्लास देखकर प्रसन्नता व्यक्त की तथा सभी से स्वतंत्रता दिवस पर भव्य रुप से मनाए जाने का आग्रह किया। उन्होंने मलकपेट शाखा की भूरी भूरी प्रशंसा करते हुए कहा कि इस शाखा में अनुशासन एवं प्रोटोकाल अति सुंदर ढंग से निभाया जाता रहा है जो आज तक है। सदस्यों के मनोरंजन के लिए स्विमिंग, झूले, इनडोर गेम और आउटडोर गेम का भी आयोजन किया गया जिसका विशेषकर युवा एवं महिलाओं ने भरपूर आनंद लिया। तंबोला का आयोजन रेखा अग्रवाल ने किया तथा विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किए गए। महिलाओं के बीच खेल खिलाए गए तथा विजेताओं को पुरस्कृत किया गया।

लायंस क्लब ऑफ हैदराबाद द्वरा सावन की सैर आयोजित

हैदराबाद, 9 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। लायंस क्लब ऑफ हैदराबाद द्वरा सावन की सैर का आयोजन रविवार को कुलपाक जी जैन तीर्थ, कुलपाक जी गौशाला व लक्ष्मी नरसिम्हा स्वामी मन्दिर यादगिरीगुट्टा के दर्शन द्वारा किया गया। इसमें 80 सदस्यों व अथितियों ने हिस्सा लिया। गोशाला में गायों को गुड़ व घास खिलाई गई एवं वृक्षारोपण किया गया। इस अवसर पर ज़रूरतमंदों को 100 अनाज के पैकेट का वितरण किया गया। लायंस क्लब के प्रेसिडेंट लायन शीलकुमार जैन, सेक्रेटरी लायन देवांश त्रिवेदी, ट्रेझरार लायन मनोज मित्तल, पिकनिक संयोजक लायन सुरेश जगनानी व अन्य लायंस, लायन लेडीज, लीओस उपस्थित थे। कार्यक्रम में सीमा शीलकुमार जैन, पूनम जैन, दीपा जैन, बसंत बाफना, नरेंद्र शर्मा का पूर्ण सहयोग रहा।

भारत देश सर्वश्रेष्ठ संगीत सभा संपन्न

हैदराबाद, 9 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। आकाशवाणी हैदराबाद और संस्कार भारती तेलंगाना की ओर से आजादी का अमृत महोत्सव के अंतर्गत भारत देश सर्वश्रेष्ठ संगीत सभा का आयोजन भास्कर सभागृह बी. एम बिरला प्लेनिटेरीअम में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में श्रीमती चंचल श्रीवास्तव ने भजन प्रस्तुत किया। नजमुद्दिन कादरी (जावेद) के संगीत आयोजन में देश भक्ति पर समूह गान प्रस्तुत किया गया। साथ ही कुमारी वाणी राव द्वारा गज़ल और भजन प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम के अंत में श्रीमती हेमांगी नेने द्वारा हिंदुस्तानी शास्त्रीय गायन ने सभा को मंत्रमुग्ध किया। संगीत सभा का संचालन अनुराधा पांण्डे ने किया। उदय शंकर (असिस्टेंट डायरेक्टर ऑफ प्रोग्राम ऑल इंडिया रेडियो हैदराबाद) के मार्गदर्शन में श्रीमती सीमा कुमारी (प्रोग्राम एग्जीक्यूटिव ऑल इंडिया रेडिवो हैदराबाद) द्वारा कार्यक्रम सफालतापूर्वक आयोजित किया गया।

मिथिला सांस्कृतिक परिषद की मासिक बैठक आयोजित

हैदराबाद, 9 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। मिथिला सांस्कृतिक परिषद, हैदराबाद की मासिक बैठक एवं कलामंच के अभ्यास सत्र का आयोजन बापूनगर,नाचारामस्थिति लंडन किड्स स्कूल के प्रांगण में किया गया। बैठक में परिषद के पदाधिकारी तथा कलाकार मंच के सदस्यों एवं अन्य स्थानीय मैथिल लोगों ने हिस्सा लिया। आज यहाँ महासचिव अनिल कुमार झा द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार बैठक की अध्यक्षता परिषद के संरक्षकआलोक कुमार झा ने की। बैठकमें परिषद के वार्षिकोत्सव विद्यापति पर्व समारोह के आयोजन हेतु सभागार के चयन एवं अन्य बातों पर चर्चा की गयी। तत्पश्चात कलामंच के अभ्यास सत्र का संचालन अध्यक्ष विनय कुमार झा द्वारा किया गया। बैठक के अंत में महासचिव अनिल कुमार झा ने उक्त प्रांगण के व्यवस्थापक विकास कुमार झा एवं वाद्य-यन्त्र समूह के संचालक पाण्डेय जी को धन्यवाद ज्ञापित करते हुए इस अवसर पर पधारे हुए समस्त सदस्यों के प्रति आभार प्रकट किया।

विभिन्न गंतव्यों के बीच विशेष ट्रेनें

हैदराबाद, 9 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को कम करने के लिए, दक्षिण मध्य रेलवे सिकंदराबाद-तिरूपति-सिकंदराबाद और सिकंदराबाद-यशवंतपुर-सिकंदराबाद के बीच विशेष ट्रेनों का संचालन करेगा। दमरे के अनुसार, विशेष ट्रेन (07473) 12 अगस्त को शाम 5.50 बजे सिकंदराबाद से निकलेगी और अगले दिन सुबह 7.20 बजे तिरुपति पहुंचेगी। इसी तरह, ट्रेन नंबर (07474) 13 अगस्त को शाम 7.30 बजे तिरुपति से निकलेगी और अगले दिन सुबह 9.10 बजे सिकंदराबाद पहुंचेगी।

ट्रेन संख्या (07233) 10 अगस्त को रात 9.45 बजे सिकंदराबाद से चलेगी और अगले दिन सुबह 10.50 बजे यशवंतपुर पहुंचेगी। इसी तरह ट्रेन नंबर (07234) 11 अगस्त को दोपहर 3.50 बजे यशवंतपुर से निकलेगी और अगले दिन सुबह 4.15 बजे सिकंदराबाद पहुंचेगी। मार्ग में सिकंदराबाद-तिरुपति विशेष ट्रेनें दोनों दिशाओं में जंगों, काजीपेट, वारंगल, महबूबाबाद, दोर्नाकल, खम्मम, विजयवाड़ा, तेनाली, चिराला, ओंगोल, नेल्लोर, गुडूर और रेनिगुंटा स्टेशनों पर भी रुकेंगी। इसी तरह, सिकंदराबाद और यशवंतपुर के बीच ये विशेष ट्रेनें दोनों दिशाओं में काचीगुडा, उमदानगर, शादनगर, जडचेरला, महबूबनगर, गडवाल, कुरनूल सिटी, डोन, अनंतपुर, धर्मावरम, हिंदूपुर और येलहका स्टेशनों पर रुकेंगी।

नेशनल मीडिया कांफ्रेस 29 से

हैदराबाद, 9 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। आजादी के अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य में राजयोगा एजूकेशन एंड रिर्सच फांउडेशन व प्रजापिता ब्रहमकुमारी ईश्वरी विश्वविद्यालय माउंटआबू राजस्थान द्वारा ब्रहमकुमारी मुख्यालय, शांतिवन परिसर, आबू रोड, राजस्थान में 29 अगस्त से 2 सितंबर तक नेशनल मीडिया कांफ्रेस का आयोजन किया जा रहा है। इस दौरान विभिन्न सत्रों का आयोजन होगा।

हर घर में राष्ट्रीय ध्वज फहराया जाना चाहिए : जिलाधीश

हैदराबाद, 9 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। भैंसा के जिला प्रशासक मुशाररफ फारूकी व एसपी प्रवीण कुमार ने कहा कि हर घर में राष्ट्रीय ध्वज फहराना चाहिए। उन्होंने कहा कि भारत के 75वें स्वतंत्रता दिवस के मौके पर पूरे जिले में झंडों का वितरण किया जाएगा। जिला कलेक्टर ने कहा कि आजादी के पखवाड़े भारत वज्रोत्सव के दौरान लोग 13 से 21 अगस्त तक अपने घरों में सौंपे गए झंडों को फहराएं। मंगलवार को नगर पालिका के भीतर जिला प्रशासक कार्यालय परिसर में मेपमा स्टाफ को झंडियां भेजी गईं। उन्होंने कहा कि हमें ध्वज उत्सव को अपने गृह उत्सव के रूप में मनाना चाहिए, ताकि सभी में राष्ट्रीयता की भावना को बढ़ाने के लिए, हमें स्वतंत्र भारतीय वज्रोत्सव का आयोजन घर में उत्सव के माहौल में करना चाहिए, और इस महीने की 13 तारीख को स्थापित करना चाहिए। जिलाधीश ने कहा कि भारत की स्वतंत्रता की हीरक जयंती के दो सप्ताह के समारोह के हिस्से के रूप में छात्रों को गांधी की तस्वीर दिखाने का यह एक शानदार कार्यक्रम था। उन्होंने कहा कि इस कार्यक्रम के माध्यम से गांधी की फिल्म देखने से स्कूली छात्रों को गांधीजी के जीवन के महत्वपूर्ण पहलुओं, गांधीजी के विनम्र जीवन, उनके आंदोलनों का नेतृत्व करने का तरीका, सत्य और अहिंसा के तरीकों को अपनाने और इसके लिए किए गए प्रयासों के बारे में पता चलेगा। भारत की स्वतंत्रता. इस मौके पर उन्होंने बताया कि गांधी जी की फिल्म को छात्र खुशी-खुशी देख रहे हैं। कार्यक्रम का संचालन जिला शिक्षा अधिकारी एवं एमवीआई हरिओद्र कुमार ने किया। कार्यक्रम में डीएसपी जीवन रेड्डी, डीपीआरओ तिरुमाला, तहसीलदार सुभाष चंद्र, मंडल शिक्षा अधिकारी शंकर, मुत्यम, मधुसूदन, शिक्षा क्षेत्रीय अधिकारी राजेश्वर, प्रवीण कुमार और रवि श्रीदेवी ने भाग लिया।

टास्क फोर्स के अधिकारियों ने जब्त किया प्रतिबंधित गुटखा

आसिफाबाद, 9 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। कुमरम भीम आसिफाबाद जिला एसपी के. सुरेश कुमार, आईपीएस, एएसपी अचेश्वर राव (प्रशासन) कोमुराम भीम आसिफाबाद जिले के आदेशानुसार उनके द्वारा प्राप्त सूचना के आधार पर ए1 ने बस स्टैंड क्षेत्र का निरीक्षण किया। सूचना के आधार पर कुमुराम भीम आसिफाबाद जिले के आसिफाबाद मंडल में प्रतिबंधित गुटखा बेचा जा रहा था।

ई. निखिल एस, शकर आर, आसिफाबाद, जो आसिफाबाद में बाजार क्षेत्र की आपूर्ति के लिए महाराष्ट्र से प्रतिबंधित गुटखा ला रहा था, उसको टास्क फोर्स के अधिकारियों ने जब्त कर लिया और गुटखा के 19,950/- रुपये के पैकेट उपलब्ध हैं। टास्क फोर्स के सीआई डी. सुधाकर ने बताया कि उन्हें पकड़कर गुटखा के पैकेट को कब्जे में लेकर आसिफाबाद थाने को सौंप दिया गया है।टास्क फोर्स सीआई डी. सुधाकर और एसआई संदीप कुमार कांस्टेबल रमेश, मधु, संजय, विजय, तिरुपति ने इस ऑपरेशन में भाग लिया।

जगा रेड्डी ने बंडी की टिप्पणियों का मजाक उड़ाया

हैदराबाद, 9 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। कांग्रेस विधायक टी. जग्गा रेड्डी ने आज पार्टी के खिलाफ प्रदेश भाजपा अध्यक्ष बंडी संजय कुमार की टिप्पणियों का उपहास उड़ाया, जिसमें आरोप लगाया गया था कि देश की सबसे पुरानी पार्टी ने देश को तीन भागों में बांट दिया है। उन्होंने मजाक उड़ाया कि बंदी संजय को राष्ट्रपिता महात्मा गांधी से पहले पैदा होना चाहिए था। मीडियाकर्मियों से बात करते हुए, जग्गा रेड्डी ने बंडी संजय कुमार से पूछा कि क्या उनकी पार्टी के नेताओं जैसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने देश की आजादी के लिए लड़ाई लड़ी। उन्होंने बांदी से देश के स्वतंत्रता आंदोलन में भाजपा नेताओं की भूमिका के बारे में भी बताने को कहा। कांग्रेस पार्टी के आंतरिक झगड़ों का जिक्र करते हुए उन्होंने पार्टी की तुलना एक महासागर से की और कहा कि कई मछलियां समुद्र में प्रवेश करती हैं और उसे छोड़ देती हैं। उन्होंने कहा कि यह उनका सौभाग्य है कि वह कांग्रेस पार्टी में हैं। यह कहते हुए कि वह पार्टी में चल रहे घटनाक्रम पर अपना मुंह नहीं खोल सकते, रेड्डी ने कहा कि वह 5 नवंबर को गांधी भवन में कदम रखने के बाद अपना मुंह खोलेंगे।

जैन संस्कार विधि से रक्षाबंधन कार्यशाला का आयोजन

हैदराबाद, 9 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। साध्वी श्री त्रिशला कुमारीजी आदि ठाणा 5 के सान्निध्य में अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद के तत्वावधान में तेरापंथ युवक परिषद हैदराबाद द्वारा जैन संस्कार विधि से रक्षाबंधन कार्यशाला का आयोजन तेरापंथ भवन, सिकंदराबाद में किया गया। संस्कारक आशीष दक (राष्ट्रीय सह प्रभारी), राहुल गोलेछा (कोषाध्यक्ष), प्रमोद भंडारी (उपाध्यक्ष), जिनेन्द्र बैद ने नमस्कार महामंत्र से कार्यशाला का शुभारंभ किया और उसके पश्चात संस्कारक आशीष दक ने जैन संस्कार विधि से रक्षाबंधन कैसे मनाएं व जैन संस्कार से सभी पर्व मनाने के फायदे समझाए एवं जैन परम्परा में जैन संस्कार विधि का महत्व बताया। रक्षाबंधन कार्यशाला के संदर्भ में अपने विचार व्यक्त करते हुए साध्वी श्री त्रिशला कुमारी जी ने फरमाया कि अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद के तत्वावधान में तेरापंथ युवक परिषद हैदराबाद एक बहुत ही सुंदर उपक्रम चला रहा है "जैन संस्कार विधि"। हम जैन है लेकिन हमारे जो जैनत्व के संस्कार हैं वह क्षीण होते जा रहे हैं। हमारे ऊपर दूसरी संस्कृति ज्यादा हावी हो रही है। आज जैनों के घरों में लौकिक देवी देवताओं के बड़े-बड़े मंदिर है वहां फूलों से रोज पूजा होती है, पंडित लोग पूजा हवन कराने के लिए आते हैं। यह सब देखते हैं तो लगता है हमारे संस्कार किस ओर जा रहे हैं हम हर फेस्टिवल को, पर्व को लौकिक विधि से मनाते हैं जबकि हमारे यहां तो हर पर्व को जैन संस्कार से, जैन मंत्रों से मनाने की विधि उपलब्ध है। किसी भी पर्व को जैन संस्कार विधि से मनाने से उसकी गुणवत्ता शत गुणित हो जाती है। साध्वी श्री जी ने ज्यादा से ज्यादा लोगों को जैन संस्कार विधि से जुड़ने का आह्वान किया। अभातेयुप से मनीष पटावरी (संस्कारक एवम राष्ट्रीय प्रभारी तेरापंथ टास्क फोर्स), तेरापंथ सभा के मंत्री सुशील सुराना, तेयुप के पूर्व अध्यक्ष विमल पुगलिया, लक्ष्मीपत बैद, राजेंद्र बोथरा, श्रवण कोठारी, तेयुप मंत्री नीरज सुराना, महिला मंडल अध्यक्ष अनिता गिरिया, मंत्री स्वेता सेठिया, जेटीएन प्रभारी मीनाक्षी सुराना, तेयुप कार्यकर्ता गण एवं लगभग 175 लोगों की उपस्थिती रही।

नवाबपेट जैन मंदिर में मोक्ष कल्याणक महोत्सव सम्पन्न

हैदराबाद, 9 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। श्री दिगंबर जैन संस्था तेलंगाना के तत्वावधान में अतिशयक्षेत्र श्री 1008 कलिकुण्ड पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर नवाबपेट तेलंगाना में मोक्ष कल्याणक महोत्सव मनाया गया। श्री नेमा दिगम्बर जैन समाज के अध्यक्ष रूपचंद जैन एवम गणमान्य व्यक्तियों द्वारा मंगलाष्टक से प्रारंभ कर सर्वप्रथम प्रातः श्रीजी का महापंचामृत अभिषेक प्रसुख जल, घृत, शकरा, फलारस सेब, अनार मोसम्बी इत्यादि, दूध, दही व सर्वोषधि, केसर कलश द्वारा कियागया, तत्पश्चात मूलनायक भगवान पार्श्वनाथ को सम्पूर्ण चंदनलेपन कर भक्त मन में शितलता का अनुभव करते हुए मंगलआरती कर भाव विभोर होकर श्रीजी पर विभिन्न सुगंधित पुष्पों द्वारा पुष्पवृष्टि कर प्रफुल्लित हुए व सुगंधित द्रव्य एवम पूर्णकलाशाभिषेक किया गया। तत्पश्चात विश्वशांति हेतु अनादि-निधान मंत्र युक्त शांतिधारा कर राष्ट्र-प्रजा में सुख, शांति, समृद्धि आरोग्य एवम प्रगतिशील बने रहने की मंगल कामना की है। कार्यक्रम के पुण्यार्जक लाभार्थी परिवार हुलासचंद सुशिलकुमार बाकलीवाल हैदराबाद द्वारा किया गया। तत्पश्चात तेलंगाना संस्था के कोषाध्यक्ष राजेशकुमार जैन ने उपस्थित सभी महनुभवों की ओर से इस पुण्यकार्य की हार्दिक अभिनंदन एवं अनुमोदना प्रकट की। इस अवसर पर श्री क्षेत्रपाल बाबा को पदमराज जैन एवं अन्य द्वारा चोला चढ़ाया गया तथा माता पद्मावती की गोद भराई व माता की आरती, रोहिणीजैन, उज्जवलाजैन, सुरेखाजैन, चंदनबालाजैन द्वारा सम्पन्न की गई। तत्पश्चातश्री 1008 विघ्नहरण पार्श्वनाथ अतिशय क्षेत्र कुलचराम में भी निर्वाणलाडू अर्घ सहित चढ़ाकर झूम-झूम से आरती कर भक्त तृप्त हुए। इस अवसर पर रूपचंद जैन, पदमराज जैन, चंदूलाल जैन, राजेश जैन, मुकेश जैन, अतिवीर जैन, शुभम जवाहरलाल जैन, ताराचंद जैन आदि उपस्थित थे।

भारत की स्वतंत्रता के अमृतमहोत्सव पर गोशामहल विधायक टी. राजा सिंह ने जामबाग संभाग के पार्षद राकेश जायसवाल, गोशामहल पार्षद लालसिंह के साथ राष्ट्रीय ध्वज वितरण अभियान का शुभारंभ किया। कार्यक्रम में नगरसेवक और कृष्णा शशिकला, जीएचएमसी डीएमसी सहित सभी जीएचएमसी अधिकारियों ने भाग लिया।

श्री छत्रपति शिवाजी मराठा नवयुवक मंडल ग्रेटर हैदराबाद के तत्वावधान में जलपल्ली काटेदान स्थित मराठा भवन में महिलाओं के लिए झिम्मा, फुगड़ी, भुलई का क्रार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर नवयुवक मंडल के पदाधिकारी तेलंगाना मराठा मंडल, तेलंगाना मराठा भजन मंडल, मराठा गोल्ड एंड सिल्वर एसोसिएशन एवं तेलंगाना मराठा महिला मंडल के सभी पदाधिकारी उपस्थित थे।

कुसुमांची में सीएलपी नेता ने आजादी का गौरव यात्रा निकाली

हैदराबाद, 9 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। सीएलपी नेता मल्लू भट्टी विक्रमार्क ने आज खम्मम जिले के कुसुमांची में आजादी का गौरव यात्रा निकाली। यात्रा में पार्टी के कई नेताओं और कार्यकर्ताओं ने हिस्सा लिया। इस अवसर पर बोलते हुए, विक्रमार्क ने कहा कि यात्रा का मुख्य उद्देश्य राज्य के सभी लोगों के लिए स्वतंत्रता आंदोलन की भावना को उजागर करना था।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने वर्ष 1885 से 15 अगस्त, 1947 तक अंग्रेजों के खिलाफ अथक लड़ाई का नेतृत्व किया, जब तक कि उसने देश से ब्रिटिश शासकों का पीछा नहीं किया और भारत के लिए स्वतंत्रता हासिल नहीं की। उन्होंने कहा कि पिंगली वेंकैया और गोकाराजू पट्टाभि सीतारमैया जैसे तेलुगु नेताओं ने देश के स्वतंत्रता आंदोलन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने कहा कि 75वें स्वतंत्रता दिवस समारोह के अवसर पर राष्ट्रीय ध्वज को डिजाइन करने वाले पिंगली वेंकैया को याद करना सभी भारतीयों की जिम्मेदारी है और उन्होंने कहा कि सभी भारतीयों को वेंकैया द्वारा डिजाइन किए गए तिरंगे झंडे को सलाम करना चाहिए। मुनुगोडु विधानसभा क्षेत्र में आगामी उपचुनावों का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी प्रचंड बहुमत के साथ सीट बरकरार रखेगी।

बापूजी नगर स्थित श्री मुत्यालम्मा मंदिर की 21वीं वर्षगांठ समारोह में बतौर अतिथि भाग लेते हुए छावनी परिषद के पूर्व उपाध्यक्ष जंपन्ना प्रताप, मंदिर समिति के दुर्गेय्या, लक्ष्मण व अन्य।

एशिया कप के लिए टीम इंडिया का ऐलान

कोहली-राहुल की हुई वापसी, चोट के कारण बुमराह टीम से बाहर

यह है पूरा शेड्यूल

27 अगस्त : श्रीलंका बनाम अफगानिस्तान (ग्रुप-बी) शाम 6:00 बजे

28 अगस्त : भारत बनाम पाकिस्तान, (ग्रुप-ए) शाम 6:00 बजे

30 अगस्त : बांग्लादेश बनाम अफगानिस्तान, (ग्रुप-बी) शाम 6:00 बजे

31 अगस्त : भारत बनाम क्वालिफायर, (ग्रुप-ए) शाम 6:00 बजे

1 सितंबर : श्रीलंका बनाम बांग्लादेश, (ग्रुप-बी) शाम 6:00 बजे

2 सितंबर : पाकिस्तान बनाम क्वालिफायर, (ग्रुप-ए) शाम 6:00 बजे

3 सितंबर : B1 vs B2 सुपर-4

4 सितंबर : A1 vs A2 सुपर-4

6 सितंबर : A1 vs B1 सुपर-4

7 सितंबर : A2 vs B2 सुपर-4

8 सितंबर : B1 vs A2 सुपर-4

मुंबई, 9 अगस्त (एजेंसियां)। एशिया कप के लिए 15 सदस्यीय भारतीय क्रिकेट टीम का ऐलान कर दिया गया है। कप्तान के तौर पर रोहित शर्मा और उपकप्तान के रूप में केएल राहुल को कमान सौंपी गई है। वेस्टइंडीज दौरे पर आराम लेने वाले विराट कोहली की टीम इंडिया में वापसी हुई है। लगातार चोट से परेशान चल रहे केएल राहुल भी फिटनेस हासिल करने के बाद एशिया कप से वापसी करेंगे। हालांकि, स्ट्राइक बॉलर जसप्रीत बुमराह चोट के कारण एशिया कप से बाहर हो गए हैं।

भारत 7 बार बना है चैंपियन

भारतीय टीम अब तक इस टूर्नामेंट के 13 संस्करणों में हिस्सा ले चुकी है और सबसे ज्यादा सात बार चैंपियन रही है। इसके अलावा टीम तीन बार फाइनल तक तो पहुंची, लेकिन उसे हार का सामना करना पड़ा। दूसरे स्थान पर श्रीलंका है। श्रीलंकाई टीम पांच बार चैंपियन बनी है और छह बार रनर अप रही है। पाकिस्तान की टीम ने दो बार यह खिताब जीता है।

पहले मैच में पाकिस्तान से होगी भिड़ंत

टीम इंडिया को टी-20 वर्ल्ड कप के पहले मुकाबले में पाकिस्तान से मिली करारी हार का बदला लेने का मौका मिल गया है। भारतीय टीम 28 अगस्त को एशिया कप में पाकिस्तान का सामना करेगी। इस बार एशिया कप की मेजबानी श्रीलंका क्रिकेट बोर्ड (एसएलसी) कर रहा है। पहले वहां आर्थिक संकट के चलते इसके यूएई में कराए जाने की चर्चाएं थीं।

वर्ल्ड कप में मिली थी करारी हार

याद दिला दें कि भारत और पाकिस्तान के बीच आखिरी भिड़ंत पिछले साल टी20 वर्ल्ड कप में हुई थी। बाबर आजम की अगुआई वाली पाक टीम ने भारत को 10 विकेट से करारी मात दी थी। एशिया कप वर्ल्ड कप की तैयारियों के लिहाज से अहम है।

21 अगस्त से क्वालिफायर के मुकाबले

एशिया कप के क्वालिफायर मुकाबले 21 अगस्त से शुरू होंगे। इसमें यूएई, ओमान, नेपाल, हॉन्गकॉन्ग सहित अन्य टीमें उतरेंगी। इनमें से एक टीम मेन ड्रॉ के लिए क्वालिफाई करेगी। मेन ड्रॉ में भारत, पाकिस्तान, श्रीलंका, अफगानिस्तान और बांग्लादेश को पहले ही जगह मिल चुकी है। अंतिम बार एशिया कप के मुकाबले 2018 में यूएई में कराए गए थे।

इस बार टी-20 फॉर्मेट में होगा टूर्नामेंट

इस बार एशिया कप के मुकाबले टी-20 फॉर्मेट में खेले जाएंगे। पहले यह वनडे फॉर्मेट में खेला जाता था। पहली बार 2016 में टी20 फॉर्मेट में इसका आयोजन कराया गया था। तब टीम इंडिया ने फाइनल में बांग्लादेश को 8 विकेट से शिकस्त दी थी। ऐसे में टीम इंडिया का रिकॉर्ड यहां अच्छा है। उसने फाइनल में बांग्लादेश को हराकर 7वीं बार खिताब पर कब्जा किया था।

दस बार भारत ने पाकिस्तान को दी मात

कॉमनवेल्थ गेम्स के क्रिकेट, बॉक्सिंग, रेसलिंग, बैडमिंटन सब में हारे पाकिस्तानी

बर्मिंघम, 9 अगस्त (एजेंसियां)। भारत-पाक मुकाबले अक्सर ही हाईवोल्टेज रहते हैं। कॉमनवेल्थ गेम्स 2022 में भी जब दोनों देशों आमने-सामने हुए, तो पूरी दुनिया की नजर इनके ही मुकाबलों पर थी। बर्मिंघम कॉमनवेल्थ गेम्स में भारत ने न सिर्फ क्रिकेट के मैदान पर पाकिस्तान को हराया, बल्कि अलग-अलग मुकाबलों में कुल मिलाकर 10 दफा मात दी।

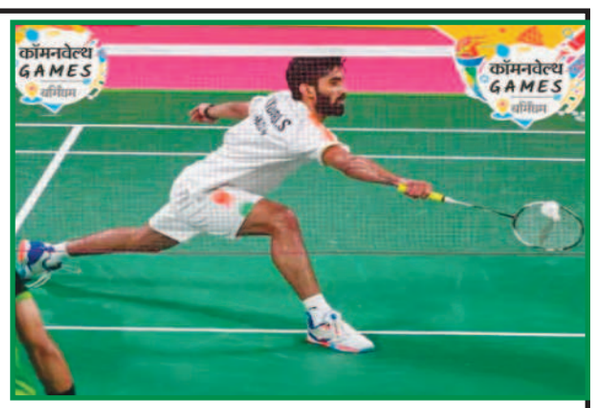

किया था।

क्रिकेट में भारतीय महिला टीम ने अपने दूसरे मैच में पाकिस्तान को 8 विकेट से हरा दिया था। इस मैच में भारत ने पाकिस्तान को 99 रन पर ही समेट दिया था। पाकिस्तान को हराकर भारत ने कॉमनवेल्थ गेम्स 2022 में जीत का खाता खोला था।

रेसलिंग में किया सपना चकनाचूर

बैडमिंटन में 3 बार दी मात

बैडमिंटन सिंगल्स में भारत की आकर्षि कश्यप के सामने पाकिस्तान की महरूर शहजाद की चुनौती थी। आकर्षि ने पहला गेम जीत भी लिया था और दूसरे गेम में मजबूत बढ़त बना ली थी, मगर शहजाद रिटायर्ड आउट हो गईं।

मेंस डबल्स में सात्विक साईराज और चिराग शेट्टी की जोड़ी ने पाकिस्तान की अली और भट्टी की जोड़ी को 21- 8, 21- 7 से बुरी तरह से हराया था। बैडमिंटन के मिक्स्ड टीम इवेंट में भारत ने पाकिस्तान को 5-0 से एकतरफा मुकाबले में हराया था।

बॉक्सिंग और क्रिकेट में बुरी तरह धोया

बॉक्सिंग में भी भारतीय मुक्केबाजों ने पाकिस्तान पर जमकर मुक्के बरसाए। शिवा थापा ने 63.5 Kg वेट कैटेगरी में अपने पहले मुकाबले में बलोच को 5-0 से हराकर प्री क्वार्टर फाइनल में प्रवेश

स्क्वैश में भारत की सुनन्या कुरुविला ने विमेंस सिंगल्स में पाकिस्तान की फैजा जफर को 3-0 से हराया।

वेटलिफ्टिंग में रवि दहिया ने पाकिस्तान के असद अली को 14-4 से हराकर फाइनल में प्रवेश किया था, जहां उन्होंने गोल्ड जीता।

वहीं नवीन मलिक ने 74Kg वेट कैटेगरी में शरीफ ताहिर को 9-0 से हराकर गोल्ड जीता।

दीपक पूनिया ने 86 Kg वेट कैटेगरी में इनाम को 3-0 से हरकार भारत की झोली में खिताब डाला।

दीपक नेहरा ने 97 किग्रा में तैयब राजा को हराकर ब्रॉन्ज मेडल जीता।

फेडरर का नन्हें फैन को सरप्राइज

ज्यूरिख, 9 अगस्त (एजेंसियां)। 11 साल के इज्यान अहमद (जिजू) की खुशी का तब ठिकाना नहीं रहा। जब उन्होंने कोर्ट पर अपने सामने दिग्गज टेनिस स्टार रोजर फेडरर को प्रतिद्वंद्वी के तौर पर देखा।

वे ज्यूरिख में एक ट्रेनिंग प्रोग्राम के लिए बुलाए गए थे, लेकिन इस ट्रेनिंग प्रोग्राम के पीछे 5 साल पहले का पिंकी प्रॉमिस था। जो रोजर फेडरर ने इज्यान से किया था।

फेडरर ने अब जाकर वह प्रॉमिस पूरा किया है। स्विस स्टार ने अपने फैन और उसके कोच को ट्रेनिंग प्रोग्राम के नाम पर ज्यूरिख बुलाया। उन्हें साथ बैठाया... एक लेडी को भेजा और कहलवाया कि वह उनकी (जिजू की) बड़ी फैन है। उस लेडी ने उसके साथ सेल्फी भी खिंचवाई। लेडी फेडरर के नन्हें फैन को कोर्ट तक ले आई और उनके साथ फ्रेंडली मैच खेला। इतना ही नहीं, उनके साथ पिज्जा पार्टी भी की।

सोशल मीडिया में इस पूरे घटना क्रम का वीडियो पोस्ट हुआ है। इसे फैंस खूब पसंद कर रहे हैं। इसमें प्रेस कॉन्फ्रेंस में जिजू के सवालों से लेकर फेडरर की पिज्जा पार्टी तक के मूवमेंट दिखाए गए।

5 साल पहले किया था प्रॉमिस

2017 में एक इवेंट के दौरान 6 साल के जिजू ने टेनिस स्टार से पूछा था, 'क्या वे 8-9 साल तक टेनिस खेलना जारी रख सकते हैं, ताकि मैं भी प्रोफेशनल टेनिस खिलाड़ी बन जाऊं और आपके साथ एक मैच खेल सकूं।'

नन्हें फैंस के सवाल पर रोजर हंसने लगे और हां कह दिया। इस पर जिजू ने पूछा- क्या यह पिंकी प्रॉमिस है?, फेडरर ने जवाब दिया- हां, यह पिंकी प्रॉमिस है।

लगातार चोटों से जूझ रहा है स्विस स्टार

स्विट्जरलैंड के टेनिस स्टार फेडरर चोट से जूझ रहे हैं। वे लगातार चोट के कारण टेनिस कोर्ट में वापसी नहीं कर पा रहे हैं। ऐसा माना जा रहा था कि विंबलडन से वापसी कर सकते हैं।

कॉमनवेल्थ में दिखा इंडिया का दम

बर्मिंघम में 12 खेलों में भारत ने जीता मेडल; कुश्ती, टीटी, एथलेटिक्स और बैडमिंटन में 2018 से बेहतर प्रदर्शन

बर्मिंघम, 9 अगस्त (एजेंसियां)। बर्मिंघम कॉमनवेल्थ गेम्स में भारत 22 गोल्ड सहित कुल 61 मेडल लेकर चौथे स्थान पर रहा। 2018 गोल्डकोस्ट गेम्स में हम 26 गोल्ड सहित 66 मेडल के साथ तीसरे स्थान पर थे। यानी चार साल में भारत के मेडल की संख्या घटी और पोजीशन में भी गिरावट आई। इसके बावजूद इस बार भारत का प्रदर्शन चार साल पहले की तुलना में बेहतर कहा जा रहा है। ऐसा क्यों है इस कारण को आगे समझेंगे। साथ ही 2022 गेम्स में हर खेल में भारत के प्रदर्शन की तुलना 2018 से करेंगे।

सबसे पहले जान लेते हैं कि कम मेडल के बावजूद प्रदर्शन बेहतर क्यों है...

इसका सीधा जवाब है शूटिंग का न होना। शूटिंग कॉमनवेल्थ गेम्स में भारत के लिए सबसे ज्यादा मेडल दिलाने वाला खेल है। भारत ने शूटिंग में अब तक 63 गोल्ड सहित 135 मेडल जीते हैं। 2018 में हमने शूटिंग में 7 गोल्ड सहित 16 मेडल जीते थे। इस बार शूटिंग कॉमनवेल्थ गेम्स का हिस्सा नहीं था। यानी, भारत के 15-16 मेडल तो ऐसे ही कम हो गए। इसके बावजूद हमारे एथलीट ने पिछले गेम्स की तुलना में सिर्फ चार गोल्ड कम जीते। ओवरऑल भी महज 5 मेडल की कमी आई।

अब कुश्ती बन गया सबसे कामयाब खेल

शूटिंग की गैरहाजिरी में इस बार कुश्ती भारत का सबसे कामयाब खेल बन गया। भारतीय पहलवान 12 इवेंट में उतरे और सभी में कोई न कोई मेडल जीतने में कामयाब रहे। यानी जो भी भारतीय पहलवान बर्मिंघम गया वह गले में मेडल लेकर ही लौटा है। भारत इस खेल में 6 गोल्ड, 1 सिल्वर और 5 ब्रॉन्ज जीता है। पिछली बार 5 गोल्ड, 3 सिल्वर और 4 ब्रॉन्ज मिले थे।

बैडमिंटन और TT में गोल्ड बढ़े

भारत ने बैडमिंटन में इस बार 3 गोल्ड, 1 सिल्वर और 2 ब्रॉन्ज मेडल जीता।

कॉमनवेल्थ गेम्स में भारत के विजेताओं के बारे में जानिए

61 मेडल पर भारतीय दल ने किया कब्जा; 22 गोल्ड, 16 सिल्वर और 23 ब्रॉन्ज जीते

बर्मिंघम, 9 अगस्त (एजेंसियां)। कॉमनवेल्थ खेलों का महाकुंभ समाप्त हो चुका है। इस बार शूटिंग के ना होने से अंदाजा लगाया जा रहा था कि भारत के पदकों की संख्या में भारी गिरावट आ सकती है। 2018 में 66 मेडल जीतने वाले भारत ने इस बार भी 61 मेडल्स जीते। 22 गोल्ड, 16 सिल्वर और 23 ब्रॉन्ज के साथ भारत मेडल टेबल में चौथे स्थान पर रहा। 11 दिनों तक चले इस भव्य आयोजन में जिन 61 इवेंट्स में भारत ने पदक जीते, अब बारी है उन विजेताओं को जानने की। आपके लिए 61 मेडल विनर्स की जानकारी ग्राफिक्स के जरिए आपको बताने जा रहा है।

वाहनों के नंबर प्लेट से छेड़छाड़ करने वालों का अब खैर नहीं

ट्रैफिक पुलिस ने आपराधिक मामला दर्ज करना शुरू किया

हैदराबाद, 9 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। कई मोटर चालक अपने वाहनों की खराब पंजीकरण प्लेटों को ठीक करने में विफल रहने के कारण, सुरक्षा संबंधी चिंताओं के कारण, यातायात पुलिस अब उल्लंघन करने वालों के खिलाफ आपराधिक मामले दर्ज कर रही है। हैदराबाद ट्रैफिक पुलिस ने पिछले एक महीने में करीब 100 लोगों पर धोखाधड़ी के आरोप में अलग-अलग थानों में मामला दर्ज किया है।

यातायात पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि बार-बार चेतावनी देने के बाद हमने आपराधिक मामले दर्ज करना शुरू कर दिया। उन्होंने बताया कि अपराधी आमतौर पर बिना नंबर प्लेट से वाहन चलाते हैं या फिर वाहनों के नंबर प्लेटों के साथ छेड़छाड़ करते हैं और यह एक गंभीर कानून व्यवस्था का मुद्दा है। पुलिस नियम का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 420 और मोटर वाहन अधिनियम की अन्य धाराएं लगा रही है। अधिकांश वाहन मालिकों का एक सामान्य उद्देश्य यातायात दंड से बचना है। अधिकारी ने कहा कि यह सरकार और ट्रैफिक पुलिस को धोखा देने जैसा है। इसलिए, धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया जा रहा है और वाहन को जब्त कर लिया गया है।

स्थानीय यातायात पुलिसकर्मी वाहन को रोक रहे हैं और स्थानीय कानून व्यवस्था पुलिस स्टेशन को सूचित करते हैं, जो फिर वाहन मालिक / सवार को पुलिस स्टेशन ले जाता है और यातायात अधिकारी की शिकायत के आधार पर आपराधिक मामला दर्ज करता है। अधिकारी ने कहा कि जहां भी कानून-व्यवस्था पुलिस को बिना नंबर प्लेट या छेड़छाड़ किए गए पंजीकरण नंबर के वाहन मिल रहे हैं, वे भी मामले दर्ज कर रहे हैं।

मामला दर्ज होने के बाद, उल्लंघनकर्ता को मुकदमे के पूरा होने तक अदालत में उपस्थित होना पड़ता है, जिससे अंततः उन्हें बहुत असुविधा हो सकती है। ट्रैफिक चालान से बचने के लिए या कोई भी अपराध करने के बाद लोग तरह-तरह के तरीके अपनाते हैं। अधिकारियों ने कहा कि एक अंक या वर्णमाला को हटाना है जबकि दूसरा अंक या वर्णमाला को कागज या प्लास्टर या कपड़े से छिपाना है।

मुख्यमंत्री केसीआर गुरुवार को कैबिनेट बैठक की अध्यक्षता करेंगे

हैदराबाद, 9 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव की अध्यक्षता में राज्य मंत्रिमंडल की बैठक गुरुवार को दोपहर 3 बजे प्रगति भवन में होगी। केंद्र सरकार द्वारा कटौती के साथ-साथ कर हस्तांतरण से परे राज्य को वित्त पोषण में देरी के साथ, मंत्रिमंडल राज्य और अन्य मुद्दों के लिए अतिरिक्त संसाधन जुटाने पर चर्चा करेगा। केंद्र सरकार पिछले वित्त वर्ष से तेलंगाना को जारी किए जा रहे फंड में भारी कटौती कर रही है। हालांकि राज्य सरकार ने खुले बाजार से उधार के माध्यम से 15,000 करोड़ रुपये से अधिक जुटाने की योजना बनाई है, लेकिन केंद्र ने हाल तक प्रस्तावों को मंजूरी नहीं दी थी। कर हस्तांतरण के अलावा, केंद्र प्रायोजित योजनाओं (सीएसएस) और अन्य प्रावधानों के तहत वित्त पोषण में पिछले वर्षों की तुलना में लगभग 25-30 प्रतिशत की कटौती की गई। केंद्र की विशेष उधारी योजना के तहत, तेलंगाना को सिर्फ 2,197 करोड़ रुपये मिले, जो प्रमुख राज्यों में सबसे कम माल और सेवा कर (जीएसटी) मुआवजा है और सभी राज्यों में चौथा सबसे कम है।

गोदावरी ने भद्राचलम में 43 फीट के स्तर को पार किया, पहली चेतावनी जारी

कोत्तागुडेम, 9 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। कोत्तागुडेम जिले के भद्राचलम में मंगलवार को गोदावरी नदी का जलस्तर 43 फीट तक पहुंच जाने पर पहली चेतावनी जारी की गई है। नदी के ऊपरी जलग्रहण क्षेत्र में लगातार बारिश और उसकी सहायक नदियों के प्रवाह में वृद्धि के साथ सोमवार दोपहर घंटों से बढ़ रहा पानी शाम चार बजकर 10 मिनट पर पहले चेतावनी स्तर पर पहुंच गया। शाम 5 बजे 9.55 लाख क्यूसेक डिस्चार्ज के साथ जलस्तर 43.50 फीट है। जिला कलेक्टर अनुदीप दुरीशेट्टी ने एक बयान में कहा कि गोदावरी की सहायक नदियों, प्राणहिता और इंद्रावती नदियों से नदी में प्रवाह के कारण भद्राचलम में जल स्तर मंगलवार रात तक 55 फीट तक पहुंच सकता है। उन्होंने नदी किनारे रहने वालों को सतर्क रहने की सलाह दी। मछुआरों को नदी में मछली पकड़ने नहीं जाना चाहिए और मवेशियों को घर पर रखना होगा। चूंकि जिले में कई धाराएं बह रही थीं, जनता को ऐसी धाराओं को पार करने से बचना चाहिए।

कलेक्टर ने जिला एवं मंडल स्तर के अधिकारियों को भी सतर्क रहने और समय-समय पर बाढ़ की स्थिति पर नजर रखने को कहा। सरकारी तंत्र को आपात स्थिति में राहत उपाय करने के लिए तैयार रहना होगा। गौरतलब है कि गोदावरी ने इस सीजन में पहली बार 10 जुलाई को पहली बार चेतावनी के स्तर को पार किया था और 11 जुलाई को तीसरा चेतावनी स्तर पार किया था। 15 जुलाई को नदी का जलस्तर तीसरी बार 70 फीट के निशान को पार कर गया था और 16 जुलाई को यह भद्राचलम में 71.30 फीट पर बह गया, जिससे अश्वपुरम, भद्राचलम, चेरला, दुम्मुगुडेम और मनुगुर मंडल के कई गावों में बाढ़ आ गई, जिससे निवासियों को पुनर्वास केंद्रों में जाने के लिए मजबूर होना पड़ा। इस बीच, अधिकारियों ने चेरला मंडल में तलीपेरु मध्यम सिंचाई परियोजना के नौ गेटों को हटा दिया है ताकि 30, 184 क्यूसेक अतिरिक्त पानी नीचे की ओर छोड़ा जा सके।

राजगोपाल अपने स्वार्थ के लिए भाजपा में शामिल हुए : गुत्था

नालगोंडा, 9 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। विधान परिषद के अध्यक्ष गुत्था सुखेंद्र रेड्डी ने आरोप लगाया कि राजगोपाल रेड्डी ने अपने विधायक पद के लिए इस्तीफा दे दिया और केवल अपने स्वार्थ के लिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल हो गए। मंगलवार को यहां मीडिया से बात करते हुए, गुत्था सुखेंद्र रेड्डी ने कहा कि भाजपा हमेशा कुछ राजनीतिक अशांति पैदा करने की कोशिश करेगी और अपनी योजना के तहत भाजपा ने राजगोपाल रेड्डी को विधायक पद से इस्तीफा देने एवं चुनाव के लिए जाने के लिए कहा है। गुत्था ने कहा कि उपचुनाव के नाम पर भाजपा राज्य में शांतिपूर्ण माहौल बिगाड़ेगी और केंद्र सरकार की नाकामियों से लोगों का ध्यान हटाने की कोशिश करेगी। उन्होंने कहा कि तेलंगाना के लोग अब मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव के नेतृत्व में खुश हैं और राज्य में विकास का फल समाज के हर वर्ग तक पहुंचा है। मुनुगोडु विधानसभा के विकास के लिए विधायक पद से इस्तीफा देने का राजगोपाल का दावा ज्यादा पुख्ता नहीं है। विधायक सीट से इस्तीफा देने और भाजपा में शामिल होने के उनके कृत्य की लोग आलोचना कर रहे हैं। वे अब आगामी चुनाव में उन्हें एक उचित सबक सिखाने के लिए तैयार हैं। गुथा ने कहा कि अगर मुनुगोडु विधानसभा के उपचुनाव होते हैं तो टीआरएस विजयी होगी। यह कहते हुए कि मुनुगोडु उपचुनाव में टीआरएस पार्टी की ओर से एक विधायक के रूप में लड़ने के लिए उनका कोई हित नहीं है, सुखेंद्र रेड्डी ने कहा कि अगर पार्टी आलाकमान उन्हें चुनाव लड़ने के लिए कहेगा, तो वह इस पर विचार करेंगे।

नगर की सड़कों पर फैली गंदगी, उड़ा रही 'स्वच्छ भारत मिशन' की धज्जियां

फाइलों में दब गये हैं सरकारी नियम, अधिकारी भी बने मूकदर्शक

हैदराबाद, 9 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। प्रधानमंत्री के निर्देश पर पूरे देश में स्वच्छ भारत मिशन के तहत शहरों व गांवों को स्वच्छ रखने के लिए तरह तरह के प्रयास किए जा रहे है, लेकिन प्रधानमंत्री के मिशन को सरकारी विभाग ठेंगा दिखा रहे हैं। शहर की मुख्य सड़कों पर फैली गंदगी इस ओर साफ इशारा कर रही है।

सड़कों पर फैल रही गंदगी से लोगों को परेशानी हो रही है, लेकिन नगरपालिका के अधिकारी इस ओर कतई ध्यान नहीं दे रहे हैं। शहरों व गावों को स्वच्छ बनाने के लिए सरकारी व गैर सरकारी संस्था तरह तरह के प्रयास कर रही है। जिससे शहरों को साफ स्वच्छ बनाकर पर्यावरण को स्वच्छ रखा जा सकें, लेकिन नगरपालिका इस ओर बिल्कुल ध्यान नहीं दे रही है। जबकि साफ-सफाई को लेकर खुद अपनी पीठ थपथपा रही है, लेकिन शहर की मुख्य सड़कों पर पड़ी गंदगी नगरपालिका की पोल खोल रही है। नगर पालिका प्रशासन मंत्री केटीआर की पहल पर कचरा उठाने के लिए वाहन आवंटित किये गये तथा लोगों की नियुक्ति की गई, फिर भी स्वच्छता का मिशन पूरा नहीं हो पाया है। इसका मुख्य कारण कहीं न कही बनाये गये नियमों में कमी है। घर-घर कचरा

लेने के लिए लोग तो आ रहे हैं, इसी कारण जगह-जगह पर रखे गये कचरे के बड़े डस्टबिनों को उठा दिया गया हैं। लोगों को बाहर कचरा न डालने के लिए चेतावनी दी गई। शुरू शुरू में कभी कभी इस पर पुलिस की नजर रही।

किंतु बाद में पुलिस भी देखकर अनजान बन गई। लोग कहीं पर आज कर पेशाब कर दे रहे हैं। पहले कम से कम रात के समय लोग कचरा ले कर सड़क के किनारे रखे गये डस्ट बिन में डाल देते थे, किंतु डस्ट बिन हटा लिये जाने पर लोग बीच सड़क पर घर का कचरा डाल रहे हैं और सुबह सफाई कर्मचारियों को उन्हें उठाकर गाडी में भरने की काफी दिक्कतें आ रही हैं। अगर दो ही दिन के लिए सफाई कर्मचारी हड़ताल पर चले जाने में सड़कों पर कचरों का पहाड़ खड़ा होजाना बड़ी बात नहीं। आप अगर हैदराबाद के इंदिरा पार्क के आसपास या फिर पुराने शहर का दौरा करेंगे, तो आप को सड़क के किनारे कचरे के अंबार मिलेंगे। यह तो हुई राजधानी हैदराबाद की बात, अब अगर पूरे तेलंगाना की बात करेंगे तो आसिफाबाद में भी इस प्रकार के नजारे मिल रहे हैं। आसिफाबाद नगर के विवेकानंद चौक के पास गली में रोजाना कूड़ा पड़ा रहता है। सड़क पर कूड़ा पड़ा होने से शहरवासियों का आवागमन प्रभावित होता है। वहीं गंदगी होने से लोगों को सड़क से निकलने के लिए मुंह पर कपड़ा रखना पड़ता है। लेकिन उसके बावजूद भी पालिका के अधिकारी इस ओर ध्यान नहीं दे रहे है। जिसका खामियाजा आम लोगों को उठाना पड़ रहा है। लेकिन शहर को साफ सफाई के दावे करने वाली नगरपालिका के दावे हवाई साबित होते दिख रहे हैं। जिसका सीधा उदाहरण सड़क पर पड़ी गंदगी से देखने को मिल रहा है।

वहीं नगरपालिका शहर की गंदगी को साफ करने के लिए दावे करती है। कि शहर में किसी स्थान पर भी कूड़ा नहीं डालेगा। लेकिन उसके बावजूद भी शहर में साफ सफाई की व्यवस्था पूरी तरह चौपट दिखाई पड़ती है, जबकि शहरों की सड़को पर कूड़ा बिखरा पड़ा रहता है। लेकिन नगर पालिका के अधिकारी प्लांट में कूड़ा पहुंचाने के लिए असमर्थ दिखाई दे रहे है। जबकि शहर की सड़कों पर कड़ी गंदगी से लोगों को परेशान होना पड़ रहा है।

स्वतंत्रता दिवस समारोह का भव्य तरीके से आयोजन करें : हरीश राव

सिद्दीपेट, हैदराबाद, 9 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। वित्त मंत्री टी. हरीश राव ने देश की आजादी के 75 साल पूरे होने पर 15 अगस्त को हर घर में राष्ट्रीय ध्वज फहराने का आह्वान किया। मंगलवार को मुलुगु मंडल मुख्यालय में निवासियों को राष्ट्रीय ध्वज वितरित करते हुए, मंत्री ने मुलुगु में घर-घर जाकर राष्ट्रीय ध्वज वितरित किए। आजाद के अमृत महोत्सव में भाग लेने के महत्व को समझाते हुए राव ने स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान का सम्मान किए बिना समारोह में भाग लेने के महत्व को रेखांकित किया है। जिला परिषद अध्यक्ष वी. रोजा शर्मा, कलेक्टर प्रशांत जीवन पाटिल, एमएलसी डॉ. वी. यादव रेड्डी, वन विकास निगम के अध्यक्ष वंतेरू प्रताप रेड्डी और अन्य उपस्थित थे। स्वतंत्रता के 75 वर्ष पर निर्वाचित प्रतिनिधियों और अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक के दौरान, मंत्री ने 10 अगस्त को पौधे लगाने के लिए कहकर अगले कुछ दिनों की योजनाओं की रूपरेखा तैयार की। राव ने 11 अगस्त को सभी नगर पालिकाओं में स्वतंत्रता अभियान चलाने का निर्देश दिया। अगले दिन 12 अगस्त के लिए राव ने उन्हें एनसीसी और एनएसएस कैडेटों के साथ राष्ट्रीय ध्वज लेकर रैलियां करने का सुझाव दिया। उन्होंने कलाकारों को आमंत्रित कर सिद्दीपेट में कोमाती चेरुवु बांध पर सांस्कृतिक उत्सव आयोजित करने को कहा है।

केंद्र से कोविशील्ड की 50 लाख खुराक की आपूर्ति करने का अनुरोध

हरीश राव ने केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री को लिखा पत्र

हैदराबाद, 9 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के स्वास्थ्य मंत्री टी. हरीश राव ने केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री मनसुख मंडाविया को पत्र लिखकर राज्य को कोविशील्ड टीकों की कम से कम 50 लाख खुराक की आपूर्ति करने का अनुरोध किया है ताकि एहतियाती खुराक प्रशासन की गति बढ़ाई जा सके। 8 अगस्त को केंद्रीय मंत्री को संबोधित एक पत्र में, हरीश राव ने कहा कि तेलंगाना सरकार ने पात्र आबादी को एहतियाती खुराक देने के लिए बड़े पैमाने पर अभियान चलाने का फैसला किया है।

वर्तमान में, तेलंगाना प्रतिदिन लगभग 1.5 लाख खुराक दे रहा है। हालांकि, मांग के आधार पर प्रति दिन 3 लाख से अधिक एहतियाती खुराक देने की क्षमता है, जिसे राज्य पूरा नहीं कर पा रहा है क्योंकि विशेष रूप से कोविशील्ड की आपूर्ति में कमी है, स्वास्थ्य मंत्री ने पत्र में कहा।

उन्होंने बताया है कि राज्य में कोविशील्ड की मात्र 2.7 लाख खुराकें हैं जो दो दिन के लिए भी पर्याप्त नहीं हैं. राज्य में 18 वर्ष से अधिक आयु के लोगों के लिए कोविड वैक्सीन की पहली खुराक कवरेज 106% है, और दूसरी खुराक कवरेज 104% है। हरीश राव ने आगे लिखा कि राज्य से लगातार अनुरोध के बाद भी तेलंगाना कम मात्रा में टीके प्राप्त कर रहा है, जिसके कारण वर्तमान स्तर से टीकाकरण में तेजी नहीं आ पा रही है। टीके की अधिक आपूर्ति का अनुरोध करते हुए, हरीश राव ने कहा कि मैं आपसे अनुरोध करता हूं कि तेलंगाना को कोविशील्ड वैक्सीन की कम से कम 50 लाख खुराक की तत्काल आपूर्ति करें ताकि राज्य एहतियाती खुराक की गति को तेज कर सके।

पूर्व दोषियों द्वारा सिपाही की हत्या

नांदयाल, 9 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। नांदयाल में एक पुलिस कांस्टेबल की बेरहमी से हत्या कर दी गई। पुलिस उपाधीक्षक कार्यालय में कप्यूटर ऑपरेटर के रूप में कार्यरत 37 वर्षीय गुडुरु सुरेंद्र कुमार ड्यूटी के बाद अपनी मोटरसाइकिल पर घर लौट रहे थे, जब उन्हें छह पूर्व दोषियों ने रोका, जो उन्हें एक ऑटोरिक्शा में ले जाकर चिन्नाचेरुवु इलाके में ले गए, जहां उन्होंने उसे चाकू मार दिया और चले गए। ऑटो चालक सुरेंद्र को अपनी गाड़ी में लेकर थाने ले गया और घटना की जानकारी दी। अस्पताल ले जाते समय सुरेंद्र की मौत हो गई। पुलिस उन अपराधियों की तलाश कर रही है जिनके खिलाफ सुरेंद्र ने पूर्व में पुलिस अधीक्षक से शिकायत की थी।

हैदराबाद हवाई अड्डे ने ईवी चार्जिंग और बायो-डीजल फिलिंग स्टेशन लॉन्च किए

हैदराबाद, 9 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। जीएमआर हैदराबाद इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड (जीएचआईएएल), जो यहां राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे का संचालन करता है, ने मुख्य कार परिसर में एक ईवी (इलेक्ट्रिक वाहन) चार्जिंग स्टेशन और सार्वजनिक परिवहन केंद्र में एक बायो-डीजल फिलिंग स्टेशन लॉन्च किया है। हवाई अड्डे से एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि टिकाऊ संसाधनों के उपयोग को शामिल करते हुए, कार्बन तटस्थता की दिशा में पहल महत्वपूर्ण कदम हैं, जिसका लक्ष्य हवाईअड्डा है। फास्ट-चार्जिंग स्टेशन उन सभी ईवी उपयोगकर्ताओं के लिए उपलब्ध है जो सेवा का लाभ उठाना चाहते हैं। 30 किलोवाट से यह एक चार पहिया वाहन को लगभग एक घंटे में खाली से फुल चार्ज कर सकता है। चार्जिंग स्टेशन ऐप आधारित है और एंड्रॉइड और आईओएस ऐप मोबाइल उपकरणों के माध्यम से उपयोग के लिए अनुकूल है। भारतीय हवाई अड्डों में पहली बार, जीएचआईएएल ने हवाई अड्डे पर एक बायो-डीजल फिलिंग स्टेशन भी पेश किया है। बायोडीजल एकमात्र वैकल्पिक डीजल है जो किसी भी पारंपरिक, बिना संशोधित डीजल इंजन को चला सकता है। बायोडीजल वजन के हिसाब से 11% ऑक्सीजन है और इसमें सल्फर नहीं होता है। विज्ञप्ति में कहा गया है कि यह लगभग 80% कम कार्बन डाइऑक्साइड और लगभग 100% कम सल्फर डाइऑक्साइड उत्सर्जन पैदा करता है।

नदी में मछली पकड़ते समय दो डूबे

खम्मम, 9 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। जिले के रघुनाथपालेम मंडल के पापतापल्ली में दो व्यक्ति नदी में डूब गए। मृतक महेश (26) पापटापल्ली में रेलवे कॉलोनी और वी. वीरशेखर (38) कुसुमांची मंडल के तुराकागुडेम के निवासी सोमवार की शाम को मछली पकड़ने गए थे। वे गलती से बहती धारा में गिर गए और बह गए। देर शाम उनके शवों को नाले से निकाला गया।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

स्वतंत्रता दिवस से पहले, वृद्धों, शिशुओं, विकलांगों को तिरुमाला न आने की अपील

टीटीडी ने कहा-भारी भीड़ के कारण हो सकती है परेशानी

तिरुमाला, 9 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। 11 से 15 अगस्त तक छुट्टियों की एक श्रृंखला शुरू होने के साथ, तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) के अधिकारी तिरुमाला में भगवान वेंकटेश्वर के मंदिर में तीर्थयात्रियों की भारी आमद की उम्मीद कर रहे हैं। टीटीडी ने तीर्थयात्रियों से टीटीडी के साथ सहयोग करने और उनके दर्शन और आवास की योजना पहले से तैयार करने की अपील की है। अधिकारियों ने मंगलवार को कहा कि हालांकि गर्मी की भीड़ कम हो गई है, सप्ताहांत की भीड़ के साथ त्योहारी छुट्टियों के 19 अगस्त तक जारी रहने की उम्मीद है। इसके अलावा, परातसी का शुभ महीना भी 18 सितंबर से शुरू हो रहा है और 17 अक्टूबर तक चलेगा। इसे देखते हुए, टीटीडी ने वरिष्ठ नागरिकों, अलग-अलग विकलांगों, पुरानी बीमारियों वाले, शिशुओं वाले माता-पिता से अपील की है कि वे किसी भी प्रकार की असुविधा से बचने के लिए पेरातासी महीने के बाद तिरुमाला तीर्थ यात्रा की योजना बनाएं। तीर्थयात्रियों को उनके निर्दिष्ट समय स्लॉट में ही दर्शन के लिए अनुमति दी जाएगी। तीर्थयात्रियों को दर्शन के लिए अपनी बारी तक डिब्बों और कतारों में घंटों इंतजार करने के लिए तैयारियों और धैर्य के साथ आना पड़ता है। आंध्र प्रदेश में भगवान वेंकटेश्वर का तिरुमाला मंदिर, दुनिया का सबसे अमीर हिंदू मंदिर है और हर दिन हजारों भक्तों को आकर्षित करता है।

रक्षा बंधन से पहले एक लाख रुपये की राखियां चोरी

हैदराबाद, 9 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। रक्षा बंधन के त्योहार से ठीक दो दिन पहले, सोमवार की रात काचीगुडा में सड़क किनारे एक दुकान से 1 लाख रुपये की फैंसी राखी चोरी हो गई। पुलिस के अनुसार, गुरुवार को मनाए जाने वाले रक्षा बंधन से कुछ दिन पहले काचीगुडा चौराहे पर बिग बाजार के पास एक अस्थायी दुकान स्थापित की गई थी। दुकान मालिक विजय सोमवार की रात दुकान बंद कर घर चला गया था।

मंगलवार की सुबह जब वह लौटे तो देखा कि राखी के कई बंडल चोरी हो गए हैं। उसने पुलिस को बताया कि एक लाख रुपये की फैंसी राखी चोरी हो गई है। सुल्तान बाजार पुलिस चोरों की पहचान के लिए सर्विलांस कैमरों से फुटेज खंगाल रही है।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.